अब हर
रोज दर्पण
» 3

जबलपुर सोमवार 29 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा

वर्ष 32 अंक 05 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

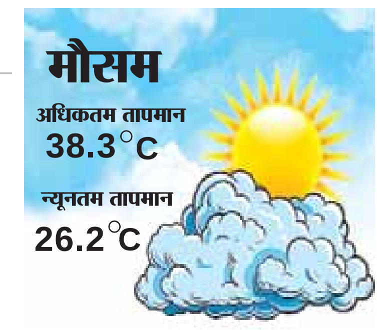

मौसम
अधिकतम तापमान 38.3°C
न्यूनतम तापमान 26.2°C
सूर्योदय - 5.28 | सूर्यास्त - 7.00

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

नेहरू युवा केंद्र के जयसिंहनगर ब्लॉक » 2

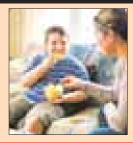

7 साल के बच्चे को रोज खिलाते थे चिप्स और » 7

सृजन चौदहा पुनः बने विद्यार्थी परिषद के नगर सह मंत्री » 9

मध्यप्रदेश की चार कृषि उपजों को मिला जीआई टैग

सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी, बैगानी अरहर, छत्रिय धान को मिलेगी वैश्विक पहचान

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के चलते जब किसानों की समृद्धि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है मध्य प्रदेश को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। मध्यप्रदेश की चार कृषि उपजों सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी, बैगानी अरहर एवं छत्रिय धान को जीआई टैग मिल गया है। महाकौशल के किसानों ने प्रसन्नता जाहिर की है। इन कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि बढ़ाने के लिए संकल्पित है। उनकी आय दोगुनी करने के लिए विशेष कार्यक्रम बनाए जा रहे हैं। जैविक, प्राकृतिक एवं परंपरागत खेती के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अब इन उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। जीआई टैग मिलने से इन कृषि उपजों को कानूनी संरक्षण प्राप्त होगा। उनकी ब्रांड वैल्यू एवं बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी तथा किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ कृषि निर्यात को भी

प्रोत्साहन मिलेगा। ये चारों कृषि उपजें प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों से संबंधित हैं। इससे विशेष रूप से महाकौशल क्षेत्र के किसानों को व्यापक लाभ मिलेगा। इन उत्पादों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मांग बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि होगी, क्षेत्र की पारंपरिक कृषि पद्धतियों एवं जैव-विविधता का संरक्षण होगा तथा कृषि आधारित प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं निर्यात को गति मिलेगी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री ऐन्दल सिंह कंसाना ने प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अन्य उपजों को भी जी आई टैग दिलवाने की पहल की जायेगी। भविष्य में भी प्रदेश की अन्य विशिष्ट कृषि उपजों के जीआई पंजीयन के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। पूर्व सीहोर शरबती गेहूं एवं रीवा सुन्दरजा आम को जीआई टैग दिलाने में किसान कल्याण विभाग एवं मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह उपलब्धि प्रदेश की कृषि विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जेएनकेवी का सफल प्रयास

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के मार्गदर्शन एवं मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के सहयोग तथा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रयासों से प्रदेश की चार विशिष्ट कृषि उपजों-सिताही कुटकी, नागदमन कुटकी, बैगानी अरहर एवं छत्रिय धान-को भोगौलिक संकेतक मिलना एक बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खेत में चलाया हल

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल जिले के कुकरू के प्रसिद्ध हिल स्टेशन में किसान सहदेव गायनी के खेत में पहुंचकर स्वयं हल चलाया और मक्का की बोवनी कर किसानों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने खेती-किसानी की जानकारी लेते हुए कृषि कार्यों में रुचि दिखाई तथा किसानों से आत्मीय संवाद भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात

भारत समुद्र से आकाश तक सुरक्षित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए सी-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के कई कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित विश्व योगासन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैंने बीते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूं कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं। कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे। जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रिसाइकल करेंगे। कई लोगों ने कार पूलिंग के अनुभव भी साझा किए हैं। मुझे इस बात की ख़ुशी है कि हम भारतीय इस संकट से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में स्थित सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस में बी-टेक प्रोग्राम शुरू करने जा रही है। ये आधुनिक टेक्नोलॉजी को भारत के पारंपरिक ज्ञान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इससे भारतीय भाषाओं के लिए नए एआई टूल्स तैयार करने में मदद मिलेगी। हमारे प्राचीन ग्रंथों और पांडुलिपियों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने के काम को भी नई गति मिलेगी।

प्लास्टिक कचरे का मैनेजमेंट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा में महिलाएं प्लास्टिक कचरे हटा रही हैं। इन्हें इको-ब्रिक्स में बदला जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में सैकड़ों किलो प्लास्टिक को रिसाइकल करके उनका बेहतर उपयोग किया गया है।

पीओपी से बनी मूर्तियां नहीं खरीदें

पीएम मोदी ने अपील में कहा कि केवल मिट्टी से बनी ही गणेश प्रतिमा खरीदें। जो हमारे अपने कुम्हारों और स्थानीय कलाकारों के हाथों तैयार हुई हो। पीओपी से बनी मूर्तियां नहीं खरीदें। यह भी ध्यान रखें कि मूर्तियां किस देश में बनी हैं।

नालंदा में शास्त्रार्थ की परंपरा जीवित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय ने शास्त्रार्थ की हमारी प्राचीन परंपरा को फिर से जीवंत किया है। शास्त्रार्थ केवल अपनी बात रखने का माध्यम नहीं है। ये वाद-संवाद और मंथन की एक अनुशासित प्रक्रिया है।

सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों की जानकारी छिपाई

कांग्रेस ने जारी किया रक्षा मंत्री के बयान का वीडियो

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के 6 शहीद जवानों के नाम सार्वजनिक करने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने सरकार पर शहीदों के नाम छिपाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा कहा, 'सरकार ने इन जवानों की शहादत एक साल तक सार्वजनिक नहीं की। उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।'

उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए एक बयान का वीडियो एक्स पर शेयर किया। इसमें राजनाथ सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। खेड़ा ने कहा, दो ही संभावनाएं हैं। या तो रक्षा मंत्री को उस समय छह जवानों की शहादत की जानकारी नहीं थी या उन्होंने संसद को गुमराह किया। दोनों ही स्थितियां गंभीर हैं। उधर, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ के संसद में दिए गए बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इस पर रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह दावा गलत है कि शहीदों को पहली बार सम्मान मिला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए भाषण के एक हिस्से को संदर्भ से अलग करके पेश किया गया। इससे यह गलत संदेश देने की कोशिश की गई कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में किसी भारतीय सैनिक के शहीद नहीं होने की बात कही थी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ सिंह का बयान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के पायलटों के मारे जाने के दावों का खंडन करने के लिए था। राजनाथ सिंह ने 28 जुलाई 2025 को संसद में कहा था-हमारे विपक्ष के लोग पूछते हैं कि हमारे कितने विमान गिरे। उन्होंने कभी हमसे ये नहीं पूछा कि हमारी सेना ने दुश्मनों के कितने विमान मार गिराए। अगर आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि क्या इस ऑपरेशन में हमारे बहादुर सैनिकों को कोई क्षति हुई है? तो इसका जवाब है- नहीं।

मप्र में प्रमोशन नियमों पर फिर छिड़ा घमासान

भोपाल। मध्य प्रदेश में पदोन्नति में आरक्षण को लेकर फिर से कर्मचारी सरकार के रवैए से नाखुश हैं। राज्य सरकार वर्ष 2025 के उन नियमों से पदोन्नति की प्रक्रिया प्रारंभ करने की तैयारी में है, जिनके विरोध में सामान्य वर्ग के कर्मचारियों ने हाई कोर्ट की शरण ली थी। दरअसल, नियम में आरक्षित वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर तो उन्हें पदोन्नति दी ही जाएगी, अनारक्षित पदों पर मेरिट के आधार पर भी एससी-एसटी वर्ग को अवसर देने का प्रावधान रखा है। जबकि, मांग यह है कि आरक्षित वर्ग अपने वर्ग में पदोन्नत हो और अनारक्षित वर्ग को उसके वर्ग में आगे बढ़ने का अवसर मिले। पदोन्नति नियम 2002 के आरक्षण संबंधी प्रावधान के कारण हाई कोर्ट ने 2016 में पदोन्नति नियमों को निरस्त कर दिया था।

सामान्य वर्ग के कर्मचारी नियम से असहमत, सपाक्स ने खोला मोर्चा

कायदे से तो उस नियम से पदोन्नत हुए अनुसूचित जाति-जनजाति के कर्मचारियों को पदावनत किया जाना चाहिए था, लेकिन सरकार ने सियासी नफा-नुकसान को देखते हुए कोई निर्णय नहीं किया। जब 2025 में नियम बनाए जा रहे थे, तब सामान्य वर्ग के कर्मचारियों ने इस बात को उठाया था कि वह गलती फिर न दोहराई जाए, जिसके कारण पदोन्नतियां लंबित रहीं। उधर, अनुसूचित जाति-जनजाति के अधिकारी-कर्मचारी के प्रतिनिधि संगठन (अजाक्स) का कहना था कि 36 प्रतिशत हमें जो आरक्षण मिला हुआ है, उसका लाभ तो मिले ही, साथ ही साथ मेरिट के आधार पर उसे अनारक्षित श्रेणी में भी पदोन्नति मिलनी चाहिए। पहले अनारक्षित पदों पर पदोन्नति हो और फिर आरक्षित वर्ग की।

सोनम वांगचुक ने शुरू की बेमियादी 'भूख' हड़ताल

नीट पेपर लीक पर धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली।

लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। नीट पेपर लीक और सीबीएसई की गड़बड़ियों के विरोध में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 9वां दिन है। सीजेपी पिछले 20 जून से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है।

भूख हड़ताल शुरू होते ही जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी और स्टूडेंट जुटने लगे। प्रदर्शन में कई किसान नेता भी शामिल हुए। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले सोनम वांगचुक और पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे तक हमारा आन्दोलन जारी रहेगा।

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आंदोलन कर रहे सोनम वांगचुक 170 दिन से वे जोधपुर जेल में थे। सोनम के अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह हिंसा हुई थी। इन प्रदर्शनों में 4 लोगों की मौत हुई थी। 90 लोग घायल हुए थे। सरकार का आरोप है कि वांगचुक ने इस हिंसा को भड़काया। दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट कर दिया था।

चढ़ावा चोरी: 8 आरोपियों के घर पुलिस की छापेमारी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घरों पर रविवार सुबह 7 बजे पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 3 आरोपियों के घर पर ताला लगा था। पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए। चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पर ताला लगा मिला। आरोपी अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी छापेमारी हुई। खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेज और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाले गए। पुलिस को अनुकल्प के घर डायरी और कुछ अहम दस्तावेज मिले हैं। पुलिस का मानना है कि डायरी राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण से संबंधित है। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को शामिल किया गया। पुलिस ने दोपहर 3 बजे तक करीब 8 घंटे जांच की।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सदस्य बनेंगे जस्टिस नरसिम्हा

नई दिल्ली। जस्टिस जेके महेश्वरी के सेवानिवृत्त होने के साथ ही जस्टिस पीएस नरसिम्हा सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सदस्य बनने जा रहे हैं। वरिष्ठता में पांचवें स्थान वाले जस्टिस नरसिम्हा आधिकारिक रूप से कॉलेजियम का हिस्सा रहेंगे जब तक कि वह 2 मई, 2028 को सेवानिवृत्त नहीं हो जाते। जस्टिस महेश्वरी ने रविवार को लगभग पांच वर्षों की सेवा के बाद कार्यालय से विदाई ली। अब कॉलेजियम में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल होंगे। कॉलेजियम प्रणाली, जो 1993 में सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय के बाद अस्तित्व में आई, में शीर्ष पांच न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति की सिफारिश करते हैं। इस प्रणाली के तहत, सरकार सिफारिश को कॉलेजियम के पास वापस लौटा सकती है। जबकि यह आमतौर पर कॉलेजियम द्वारा दोहराई गई सिफारिश को स्वीकार करती है, कुछ मामलों में सरकार ने फाइल वापस की है या सिफारिश पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मनरेगा की विदाई की घड़ी नजदीक

1 जुलाई से लागू होगी वीबीजीराम-जी योजना, जिलों को एक्शन प्लान के निर्देश

भोपाल। मनरेगा की जगह विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबीजीराम-जी) योजना एक जुलाई से स्थान लेने जा रही है। मध्य प्रदेश में इसकी तैयारी हो गई है। सभी जिलों को एक्शन प्लान बनाने के लिए कहा गया है। इसके पहले मनरेगा के अंतर्गत उन कार्यों को 30 जून तक पूरा करने का लक्ष्य है, जो नई योजना में नहीं हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि इस अवधि तक काम पूरे नहीं हुए तो बचे कार्यों पर खर्च होने वाली राशि का बोझ राज्य सरकार पर आएगा। इनमें गैर-अनुमत कार्य जैसे तालाबों में पानी का कटाव रोकने के लिए पत्थर का बंधान बनाना आदि शामिल हैं। योजना लागू होने के बाद कई बड़े परिवर्तन होने जा रहे हैं। इसमें सबसे बड़ा यह कि मनरेगा में 266 तरह के कार्य थे, जबकि नई योजना में 318 तरह के सम्मिलित किए गए हैं। वर्ष में 125 दिन रोजगार की गारंटी रहेगी, जबकि मनरेगा में सौ दिन की थी। वर्ष में 60 दिन का ड्राई पीरियड रहेगा, यानी इस अवधि में काम नहीं होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने कहा कि अभी इस पर निर्णय नहीं

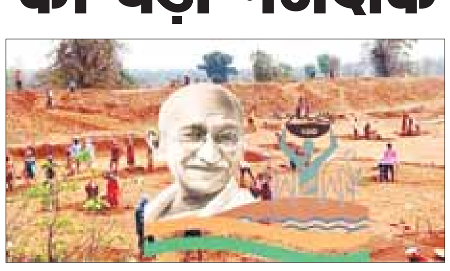

हुआ है। हालांकि, खेती की कटाई का समय इसके लिए रखा जा सकता है। कारण, इस समय मजदूर कटाई में व्यस्त रहते हैं।

तीन श्रेणियों में बंटेंगी पंचायतें

मजदूरों के नए जॉब कार्ड बनाए जाएंगे, लेकिन जब तक नहीं बनते पुराने कार्ड के आधार पर ही उन्हें रोजगार दिया जाएगा। पंचायतों को तीन श्रेणी में बांटकर विकास कार्य कराए जाएंगे। पिछड़ी, जिला मुख्यालय से दूर और अधिक एससी-एसटी आबादी वाली पंचायतों को 'सी' श्रेणी में रखा जाएगा। यानी, यहां ज्यादा काम कराए जाएंगे। इसके बाद 'बी' श्रेणी की पंचायतों में इससे कम और 'ए' श्रेणी वाली में सबसे कम काम होंगे। वर्गीकरण का आधार अभी तक हुए विकास कार्य होंगे।

'बेहतर होगा...अपने अंदर झांके पाकिस्तान'

कराची ब्लास्ट के आरोप को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली। कराची में हुए हालिया हमले को लेकर पाकिस्तान की ओर से भारत पर लगाए गए आरोपों को विदेश मंत्रालय ने सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन आरोपों को पूरी तरह से आधारहीन करार देते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने कराची में हाल ही में हुई घटना को लेकर भारत पर पाकिस्तान के बेबुनियाद आरोपों वाली रिपोर्ट देखी हैं। हम उन्हें पूरी तरह से खारिज करते हैं। जायसवाल ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय, पाकिस्तान के लिए बेहतर होगा कि वह अपने अंदर झांके, अपनी जमीन पर मौजूद आतंकी ढांचे के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे और राज्य की नीति के एक हथियार के तौर पर आतंकवाद पर निर्भर रहने की अपनी आदत को छोड़े। बता दें, पाकिस्तान के कराची में शनिवार को आत्मघाती हमले की खबर सामने आई। जानकारी के मुताबिक गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके के ब्लॉक-6 स्थित रेंजर्स हेडक्वार्टर के पास जोरदार धमाकों के बाद काफी समय तक गोलीबारी भी हुई। इस हमले में कुछ लोगों की मौत हो गई और अन्य घायल हुए। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार

इस दौरान पांच आतंकवादी भी मारे गए। इनमें तीन सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में ढेर हुए, जबकि दो आत्मघाती विस्फोट में मारे गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन जमात-उल-अहरार ने ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक आत्मघाती हमलावर ने रेंजर्स कंपाउंड को निशाना बनाकर विस्फोट किया। इसके तुरंत बाद उसके अन्य साथियों ने सुरक्षा बलों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिससे पूरे इलाके में भीषण मुठभेड़ छिड़ गई। पहला धमाका बेहद शक्तिशाली था, जिसके बाद दो और छोटे विस्फोट हुए।

ठोस कदम उठाने की चेतावनी

पाकिस्तान की सेना और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने दावा किया कि यह हमला भारतीय प्रॉक्सी द्वारा कराया गया है, लेकिन इस आरोप को सत्यापित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। यह बयान भारत की पुरानी नीति है जिसमें वह पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाने की चेतावनी देता रहा है।

बेबुनियाद आरोप को बर्दाश्त नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत बार-बार कह चुका है कि पाकिस्तान की धरती से सक्रिय आतंकवादी समूह क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। विदेश मंत्रालय के इस सख्त रुख से साफ है कि भारत किसी भी बेबुनियाद आरोप को बर्दाश्त नहीं करेगा।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का मेगा शुभारंभ 3 लाख से अधिक बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य

कलमवीर संघर्ष संगठन के पदाधिकारियों ने बच्चों को पिलाई दो बूँद जिंदगी की

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत आज रानी दुर्गावती चिकित्सालय एल्गिन में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी द्वारा 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। कलमवीर संघर्ष संगठन के पदाधिकारियों द्वारा भी एलगिन अस्पताल पहुंचकर 0 से 5 साल के बच्चों को जिंदगी की दो बूंद पिलायी गयी। इस अवसर पर संपादक मयंक तिवारी, पत्रकार संजय साहू, पत्रकार शुभम शुक्ला, राष्ट्रीय प्रवक्ता सत्यजीत यादव, जिला अध्यक्ष सृजन शुक्ला आदि उपस्थित थे। इस दौरान हॉस्पिटल अधीक्षिका डॉ नीता पाराशर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील, आर आई मैनेजर विजय पांडे, अर्चना शिवहरे, विकास श्रीवास्तव, अंजली दीवान, शारदा बुंदेला सहित अस्पताल का स्टॉफ उपस्थित रहा। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल लगभग 03 लाख 89 हजार 226 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के सफल संचालन हेतु जिले में 2468 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जिन पर 4936 टीकाकरण कर्मी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

अभियान सफल बनाने की अपील

अभियान के प्रथम दिवस 28 जून को बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। इसके पश्चात 29 एवं 30 जून 2026 को स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा घर-घर भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी, ताकि कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहें.इस अवसर पर कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह द्वारा जिले के समस्त अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं तथा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

पोलिया बूथ का किया निरीक्षण

इस अभियान की सफल संचालन के लिए जिले और संभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा बूथ पर जाकर चल रहे टीकाकरण अभियान का मुआयना किया। इस कड़ी में क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संभाग जबलपुर डॉ भरत कुमार खटीक के द्वारा सीएससी बरगी में चल रहे राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का निरीक्षण किया साथ ही इस दौरान उन्होंने बच्चों को दो बूंद पोलियो की पिलाई। इस दौरान सीबीएमओ डॉ रश्मि भटनागर, संभागीय कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर निहार दीवान एवं यूएनडीपी के अतुल करकरे भी उपस्थित थे।

वंही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी ने भी शहर के कांचघर, घमापुर तथा वल्दी कोरी की दफाई क्षेत्र के पोलियो बूथ पहुंचकर चल रहे राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम का निरीक्षण किया, इस दौरान साथ में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता एवं जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील उपस्थित थे।

खुद को हिन्दू बताकर युवती से की शादी, फिर 5 लाख में बेचने का आरोप

घमापुर थाना क्षेत्र हिन्दूवादी संगठनों ने किया हंगामा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

घमापुर थाना क्षेत्र में अंतर्गत एक युवती ने मुस्लिम युवक और उसके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दरअसल युवती का कहना है कि युवक ने नाम बदलकर उससे सोशल पर दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया, जबरन धर्म परिवर्तन कराया और उसे 5 लाख रुपए में बेच दिया। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है, जिसके बाद स्थानीय हिंदूवादी संगठनों ने भी रविवार को थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि नवंबर 2022 में उसकी मुलाकात फेसबुक पर अंकित नाम

के एक युवक से हुई थी। बाद में उसे पता चला कि युवक का असली नाम नेक अली खान है और वह मुस्लिम समुदाय से है, जिसने हिंदू नाम से फर्जी आईडी बनाई थी।

मामले की जांच शुरू

युवती ने आरोप लगाया है कि आरोप है कि नेक अली खान ने शादी का झांसा देकर लगभग युवती का शारीरिक शोषण किया। इसके बाद जून 2023 में आरोपी उसे मुंबई के कल्याण ले गया, जहां एक मौलवी की मौजूदगी में उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया और उसे गौ मांस खाने के लिए मजबूर किया गया।

युवती ने आगे आरोप लगाया कि नेक अली खान और उसके पिता शौकत खान ने मिलकर उसे अमरनाथ होटल में 5 लाख रुपए में बेच दिया। होटल में उसे बंधक बनाकर लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा था। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर पीड़िता बीते 23 जून को जबलपुर वापस भागने में सफल रही और अपने परिजन को पूरी आपबीती बताई।

इस घटना के सामने आने के बाद, विभिन्न हिंदूवादी संगठनों ने थाना घमापुर में आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत और सौंपे गए ज्ञापन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

आध्यात्मिक जीवन शैली से ही संभव है नशा व मधुमेह मुक्ति

समरसता सेवा संगठन द्वारा विचार गोष्ठी हुई संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । भंवरताल स्थित ब्रह्मकुमारी आश्रम में समरसता सेवा संगठन द्वारा विश्व नशा निरोधक एवं मधुमेह जागृति दिवस के अवसर पर नशा मुक्त, संतुलित जीवन शैली स्वस्थ जीवन का आधार विषय पर विचार गोष्ठी एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रह्मकुमारी आश्रम की भावना बहन ने की । डॉ. परिमल स्वामी ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मधुमेह के बढ़ते खतरों, कारणों और निवारण पर प्रकाश डाला और बेहतर हेल्थ के लिए नियमित व्यायाम, जॉगिंग, मेडिटेशन और गुणवत्तापूर्ण भोजन अपनाने पर जोर दिया। वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. पुष्पा पांडे ने कहा कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा का संतुलन ही पूर्ण स्वास्थ्य की कुंजी है। कार्यक्रम में युवाओं और बच्चों में बढ़ती नशे की लत पर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष पवन पांडे ने संगठन के सेवा कार्यों और आगामी रूपरेखा की जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन सचिव मनोज सेठ ने किया और आभार प्रदर्शन पूर्व सचिव उज्जवल पचौरी द्वारा किया गया।

एक दिन की राहत के बाद फिर भीषण गर्मी का दौर

जमकर आंख मिचौली खेल रहा मानसून, बने सूखे जैसे हालात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र के कई हिस्सों में मानसून ने अपनी आमद दर्ज करा दी है, जिससे कई इलाकों में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो चुका है। हालांकि, सूबे के कुछ हिस्से अब भी सूखे की मार झेल रहे हैं, जिनमें महाकौशल का केंद्र जबलपुर भी शामिल है। संस्कारधानी में अभी तक मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पाया है, जिसके चलते शहरवासी भीषण गर्मी और उमस से दो-चार होने को मजबूर हैं। रविवार का दिन शहर के लिए भारी तपिश और बेचैनी भरा रहा। जहां अधिकता तापमान 38.3 तो वहीं न्यूनतम तापमान 26.2 दर्ज किया गया। सुबह से ही सूरज के तल्ख तेवरों ने लोगों को हलाकान कर दिया। दिन चढ़ने के साथ ही उमस और बढ़ गई, जिससे राहत पाने के लिए लोग दिन भर आसमान की तरफ टकटकी लगाए बादलों के आने का इंतजार करते रहे। ठंडी हवा और बौछारों की उम्मीद में बीते इस दिन ने लोगों को खासा निराश किया।

गर्मी देखकर घूमने नहीं निकले लोग -गर्मी और चिलचिलाती धूप का असर शहर के पर्यटन पर भी साफ देखने को मिला। अमूमन रविवार के अवकाश पर भेड़ाघाट, बरगी डैम और ग्वारीघाट जैसे प्रसिद्ध टूरिस्ट पैलेस सैलानियों से गुलजार रहते हैं, लेकिन इस बार ये सभी प्रमुख स्थल पूरी तरह वीरान नजर आए। लोग उमस भरे इस मौसम में घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पाए, जिससे पर्यटन स्थलों पर सन्नाटा पसरा रहा। कुल मिलाकर, जबलपुर में मानसून की यह लेटलतीफ़ी अब लोगों को बेचैन करने लगी है। मौसम में आ रहे इस बदलाव और बारिश की खामोशी से न सिर्फ आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है, किसान भी चिंतित हैं। सभी को झमाझम बारिश का इंतजार है जो शहर को इस झुलसा देने वाली गर्मी से निजात दिला सके।

सेफ क्लिक 2.0 विशेष जन-जागरूकता अभियान की शुरूआत

ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने पुलिस आमजन को समझा रही सुरक्षित डिजिटल पेमेंट की तकनीक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा प्रदेशव्यापी साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान ''सेफ क्लिक 2.0'' का आयोजन 24 जून से 8 जुलाई तक आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय द्वारा आम नागरिकों को बढ़ते साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी के नए-नए तरीकों के प्रति जागरूक करने हेतु 15 दिवसीय ''सेफ क्लिक 2.0'' विशेष जन जागरूकता अभियान का शुभारंभ पुलिस कन्ट्रोलरूम में करते हुये समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान ''सेफ क्लिक 2.0'' के तहत ऑनलाइन ठगी, फर्जी निवेश योजनाएं, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी एवं केवाईसी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फिशिंग लिंक, क्यूआर कोड फ्रॉड तथा साइबर बुलिंग जैसी घटनाओं से बचाव हेतु जनता को जागरूक करने हेतु आदेशित किया गया।

छात्रों को भी दी जा रही समझाइश-इसके साथ ही स्कूल एवं कॉलेजों तथा कोचिंग सस्थानों में जाकर विद्यार्थियों व शिक्षकों को गेमिंग, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं ब्लैकमेलिंग के प्रति सचेत किया जा रहा है। बाजार एवं सार्वजनिक स्थलों पर व्यापारियों व उपभोक्ताओं को सुरक्षित डिजिटल पेमेंट के तरीके सिखाते हुये सायबर फ्रॉड के सम्बंध में जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा शपथ कार्यक्रमों का आयोजन कर शपक्ष दिलाते हुये अपील करते हुये समझाइश दी जा रही है कि किसी भी अज्ञात लिंक, संदिग्ध संदेश, फर्जी क्यूआर कोड या अनजान कॉल पर भरोसा न करें ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें, फर्जी ऑफर, इनाम, नौकरी या निवेश के नाम पर आने वाले संदेशों से सतर्क रहें, बिना सत्यापन किसी एप्लिकेशन को डाउनलोड न करें या मोबाइल स्क्रीन शेयर न करें।

बैंक अधिकारी के घर से लाखों के जेवरात और कैश उड़ा ले गए चोर

अधारताल थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अधारताल थाना क्षेत्र के रविन्द्र नगर में रहने वाले बैंक अधिकारी के सूने घर का ताला तोड़कर चोरों ने आलमारी के लॉकर तोड़कर लाखों रुपए के सोने व चांदी के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की वारदात उस वक्त हुई है जब वे अपनी मां को लेकर अस्पताल गए थे। घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने जांच के बाद चोरों की सरगर्मी से तलाश शुरु कर दी है। पुलिस के मुताबिक रविंद्र नगर जेडीए पम्प हाउस के समीप अधारताल निवासी अंकुर तिवारी स्टेट बैंक में सीनियर एसोसिएट के पद पर पदस्थ है। बीती रात मां की अचानक तबियत खराब हो गई, जिसके चलते वे मां को लेकर संजीवनी नगर स्थित अस्पताल गए थे। देर रात अंकुर के घर में ताला लगा देख चोर पहुंच गए, जिन्होने ताला तोड़कर घर के अंदर रखी आलमारी के लॉकर को क्षतिग्रस्त करते हुए सोने के चार कड़े, चार चूड़ियां, 5 अंगूठी, एक हार, 5 टाप्स, चांदी की अंगूठियां व नगदी रुपए पर हाथ साफ कर दिया। सुबह चार बजे के लगभग अंकुर अपनी मां को लेकर वापस घर आए तो देखा कि दरवाजा का ताला टूटा पड़ा, अंदर रखा सारा सामान बिखरा, आलमारी के लॉकर खुले, जिसमें रखे जेवर गायब थे। अंकुर तिवारी के घर में चोरी होने की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई, देखते ही देखते आसपास के लोग पहुंच गए, जिन्होंने घटना पर आक्रोश जताया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद चोरों की तलाश शुरु कर दी है।

महिला डॉक्टर के घर के सीसीटीवी कैमरा हैक, लगातार आ रही धमकी भरी आवाजें

गोरखपुर थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

साइबर अपराध का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल गोरखपुर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला डॉक्टर के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों से कथित तौर पर निगरानी रखे जाने का खुलासा हुआ है। कैमरे से आवाजें आने के बाद डॉक्टर को शक हुआ कि उनके कैमरे हैक किए गए हैं। इस मामले में आदर्श नगर निवासी डॉ. प्राची सक्सेना ने लगभग 4 साल पहले अपने घर में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। डॉक्टर के अनुसार एक सप्ताह पहले अचानक कैमरे से आवाजें आने लगीं। शुरुआत में उन्हें लगा कि कोई सामान्य तकनीकी समस्या होगी, लेकिन ध्यान से सुनने पर कैमरे से बच्चे के रोने जैसी आवाज सुनाई दी।

कैमरे के पास जाते ही बंद हुई आवाज

डॉक्टर ने जब मोबाइल से कैमरे की आवाज और वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश की तो कैमरे के पास जाते ही आवाज बंद हो जाती थी। इसके बाद उन्होंने कैमरे को कपड़े से ढक दिया और बिना किसी को बताए उसका कनेक्शन काट दिया। डॉ. प्राची सक्सेना ने गोरखपुर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घर में लगे दो सीसीटीवी कैमरे जब्त कर जांच के लिए लैब भेजे हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कैमरे किस तरह एक्सेस किए गए और इसके पीछे कौन है।

कैमरे से धमकी भरी आवाज आने का आरोप, सतर्क रहने की अपील

डॉ. प्राची सक्सेना का कहना है कि कैमरे से आने वाली आवाज में किसी व्यक्ति के बोलने की बात सामने आई। उन्होंने आरोप लगाया कि आवाज में अभद्र बातें और धमकी भी दी गई। डॉक्टर का कहना है कि ऐसा लगा जैसे कोई लगातार घर की गतिविधियों पर नजर रख रहा हो, जिससे वह डर गई।घटना के बाद लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए डॉक्टर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें उन्होंने लोगों से सीसीटीवी कैमरों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और कैमरों की तकनीकी जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

भाषा का समाज से है गहरा संबंध

भाषा मानव जीवन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि और उसकी पहचान है। यह केवल विचारों के आदान-प्रदान का साधन नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान और सामाजिक विकास का आधार भी है। भाषा के माध्यम से मनुष्य अपने अनुभव, भावनाएँ, विचार और ज्ञान को एक-दूसरे तक पहुँचाता है। वास्तव में, भाषा के बिना समाज और संस्कृति की कल्पना करना भी संभव नहीं है।

भाषा का अर्थ और स्वरूप

'भाषा' शब्द संस्कृत की धातु भाष् से बना है, जिसका अर्थ है बोलना या कहना। भाषा वह माध्यम है जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों को बोलकर या लिखकर व्यक्त करता है और दूसरों के विचारों को समझता है। भाषा के मुख्यत: दो रूप होते हैं मौखिक भाषा और लिखित भाषा। मौखिक भाषा में विचारों का आदान-प्रदान बोलकर किया जाता है, जबकि लिखित भाषा में ध्वनियों को लिपि के माध्यम से लिखकर व्यक्त किया जाता है। दोनों ही रूप मानव संप्रेषण के लिए अत्यंत आवश्यक और उपयोगी हैं।

भाषा की प्रकृति

भाषा की प्रकृति अत्यंत व्यापक और गतिशील होती है। यह जन्मजात नहीं होती, बल्कि मनुष्य इसे अपने समाज, परिवार और परिवेश से अनुकरण द्वारा सीखता है। भाषा एक सामाजिक प्रक्रिया है, क्योंकि इसका विकास और प्रयोग केवल समाज में ही संभव है। भाषा समय, स्थान और परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है इसलिए यह परिवर्तनशील होती है। भाषा प्रतीकात्मक होती है, जिसमें शब्द किसी वस्तु, विचार या भाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही, भाषा में सरलता की प्रवृत्ति भी देखी जाती है, क्योंकि मनुष्य कम प्रयास में अधिक अभिव्यक्ति करना चाहता है। प्रत्येक भाषा का एक निश्चित व्याकरणिक ढांचा होता है, जो उसे मानक और व्यवस्थित रूप प्रदान करता है।

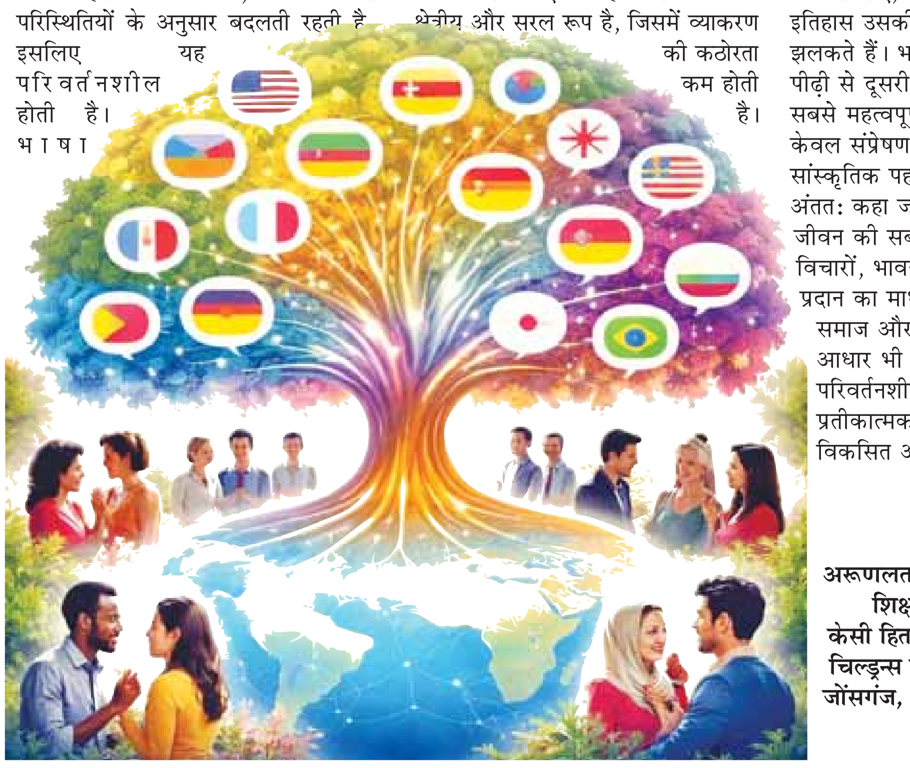

भाषा के विविध रूप

भाषा एकरूप नहीं होती, बल्कि इसके अनेक रूप पाए जाते हैं। बोली भाषा का क्षेत्रीय और सरल रूप है, जिसमें व्याकरण की कठोरता कम होती है।

साहित्यिक भाषा उसका परिष्कृत और व्याकरण-सम्मत रूप है, जिसमें साहित्य की रचना की जाती है। जब कोई भाषा पूरे राष्ट्र में संपर्क का माध्यम बनती है, तो उसे राष्ट्रभाषा कहा जाता है, जबकि सरकारी कार्यों में प्रयुक्त भाषा को राजभाषा कहा जाता है।

भाषा और संस्कृति का संबंध

भाषा और संस्कृति का गहरा और अविभाज्य संबंध है। किसी भी समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, मूल्य और इतिहास उसकी भाषा में स्पष्ट रूप से झलकते हैं। भाषा ही संस्कृति को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए भाषा केवल संप्रेषण का साधन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का आधार भी है। अंतत: कहा जा सकता है कि भाषा मानव जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। यह विचारों, भावनाओं और ज्ञान के आदान-प्रदान का माध्यम होने के साथ-साथ समाज और संस्कृति के विकास का आधार भी है। भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील, सामाजिक और प्रतीकात्मक होती है, जो इसे निरंतर विकसित और समृद्ध बनाती रहती है।

अरूणलता तिवारी
शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
जोंसगंज, जबलपुर

English सीखने में Story telling का महत्व

भाषा सीखना केवल शब्दों और व्याकरण के नियमों को याद करना नहीं है, बल्कि उसे समझना, अनुभव करना और प्रभावी ढंग से प्रयोग करना भी है। English भाषा शिक्षण में कहानी-कथन (Story-telling) एक ऐसी प्रभावशाली विधि है जो विद्यार्थियों को रोचक एवं सहज तरीके से भाषा सीखने में सहायता करती है। यह न केवल विद्यार्थियों की भाषा दक्षता को बढ़ाती है, बल्कि उनकी कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का भी विकास करती है।

Storytelling प्राचीन काल से ज्ञान और अनुभवों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। जब शिक्षक कक्षा में कहानियों का प्रयोग करते हैं, तो विद्यार्थियों की रुचि स्वत: बढ़ जाती है। वे कहानी के पात्रों, घटनाओं और संवादों से जुड़ जाते हैं, जिससे भाषा सीखने की प्रक्रिया अधिक आनंददायक बन जाती है।

अंग्रेज़ी भाषा सीखने में Story-telling का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह विद्यार्थियों की शब्दावली को समृद्ध करता है। कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को नए शब्द और वाक्य संरचनाएँ स्वाभाविक रूप से सीखने का अवसर मिलता है। वे शब्दों का अर्थ केवल याद नहीं करते, बल्कि उन्हें संदर्भ के साथ समझते हैं। इससे भाषा का ज्ञान अधिक स्थायी और प्रभावी बनता है।

Storytelling विद्यार्थियों के पठन कौशल को भी विकसित करता है। जब बच्चे कहानियाँ पढ़ते हैं, तो उनकी पढ़ने की गति, समझने की क्षमता और भाषा के प्रति रुचि बढ़ती है। वे विभिन्न प्रकार की अभिव्यक्तियों और भाषा शैलियों से परिचित होते हैं। इसके परिणामस्वरूप उनकी भाषा समझने की क्षमता में सुधार होता है।

इसके अतिरिक्त, Storytelling लेखन कौशल को विकसित करने में भी सहायक है। कहानियाँ सुनने और पढ़ने के बाद विद्यार्थी स्वयं कहानी लिखने का प्रयास करते हैं। इससे उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होती है तथा वे अपने विचारों को व्यवस्थित रूप से व्यक्त करना सीखते हैं। लेखन के माध्यम से उनकी व्याकरण, वर्तनी और वाक्य निर्माण क्षमता भी बेहतर होती है।

Storytelling बोलने और सुनने के कौशल को भी मजबूत बनाता है। जब विद्यार्थी कहानियाँ सुनते हैं, तो उनकी सुनने की क्षमता बढ़ती है। वहीं, कहानी सुनाने की गतिविधियाँ उन्हें आत्मविश्वास के साथ बोलने के लिए प्रेरित करती हैं। इस प्रकार वे सही उच्चारण, स्वर और अभिव्यक्ति का अभ्यास कर पाते हैं। आज के डिजिटल युग में Storytelling के अनेक आधुनिक रूप उपलब्ध हैं, जैसे ऑडियो स्टोरी, वीडियो स्टोरी, डिजिटल बुक्स और एनिमेटेड कहानियाँ। ये माध्यम विद्यार्थियों को अधिक आकर्षित करते हैं और सीखने को रोचक बनाते हैं। शिक्षक इन संसाधनों का उपयोग करके भाषा शिक्षण को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।

निष्कर्षत: Storytelling English भाषा शिक्षण की एक अत्यंत उपयोगी और प्रभावी विधि है। यह विद्यार्थियों के पठन, लेखन, बोलने और सुनने के कौशल का समग्र विकास करती है। साथ ही उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और भाषा के प्रति रुचि को भी बढ़ाती है। इसलिए English भाषा शिक्षण में कहानी-कथन को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थी भाषा को सहज, रोचक और प्रभावी ढंग से सीख सकें।

साबिया परवीन
शिक्षक
बाबू मनमोहनदास हितकारिणी कन्या उमा शाला,
दीक्षितपुरा, जबलपुर

नमस्ते, शब्द के पीछे छिपा रहस्य

हम दिन की शुरुआत अक्सर एक शब्द से करते हैं, नमस्ते। स्कूल, घर, मंदिर या किसी से मिलने पर यही शब्द सबसे पहले हमारे होंठों पर आता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस साधारण से दिखने वाले शब्द का अर्थ क्या है? दरअसल, नमस्ते केवल अभिवादन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, विनम्रता और सम्मान का प्रतीक है। यह मूलत: संस्कृत भाषा का शब्द है। आइए इस लेख में जानते हैं नमस्ते शब्द की उत्पत्ति से लेकर वर्तमान चलन तक की कहानी।

कैसे बना नमस्ते शब्द

नमस्ते संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है, नम: यानि नमन, सम्मान या प्रणाम और ते यानि आपको या तुम्हें, अर्थात नमस्ते का शाब्दिक अर्थ है, मैं आपको सम्मानपूर्वक प्रणाम करता हूं।
सिर्फ अभिवादन नहीं, एक भावना भारतीय परंपरा में माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति में दिव्यता या ईश्वर का अंश विद्यमान है। इसलिए जब हम नमस्ते कहते हैं, तो केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद श्रेष्ठता और सम्मान को भी प्रणाम करते हैं। यही इस शब्द की सबसे बड़ी विशेषता है।

नमस्ते करते समय हाथ क्यों जोड़ते हैं?

दोनों हथेलियाँ जोड़कर अभिवादन करने की मुद्रा को अंजलि मुद्रा कहा जाता है। यह विनम्रता, एकाग्रता और सम्मान का प्रतीक मानी जाती है। भारतीय संस्कृति में यह बताती है कि हम सामने वाले के प्रति आदर और सद्भाव रखते हैं।
नमस्कार और नमस्ते में अंतर सामान्य बातचीत में दोनों शब्द अभिवादन के लिए प्रयोग किए जाते हैं। नमस्कार अपेक्षाकृत अधिक औपचारिक माना जाता है, जबकि नमस्ते अधिक प्रचलित और सहज है। दोनों का मूल भाव सम्मान और शुभकामना ही है।

दुनिया में क्यों प्रसिद्ध हुआ नमस्ते

योग, ध्यान और भारतीय संस्कृति के प्रसार के साथ नमस्ते दुनिया के अनेक देशों में जाना-पहचाना शब्द बन गया। विशेष रूप से महामारी के समय हाथ मिलाने के बजाय नमस्ते को सुरक्षित और सम्मानजनक अभिवादन के रूप में भी व्यापक पहचान मिली।

कविता

माता-पिता और नैतिक मूल्य

माँ की ममता छाँव है, पिता वटवृक्ष समान,
इनके स्नेह और संस्कारों से बनता है इंसान।
माँ सिखाती प्रेम करना, सबका मान बढ़ाना,
पिता सिखाते सत्य की राह पर आगे बढ़ जाना।
माँ की दुआएँ दीपक बनकर राह हमारी रोशन करतीं,
पिता की सीखें जीवन भर हर मुश्किल आसान करतीं।
ईमानदारी, दया, करुणा का पाठ हमें पढ़ाते हैं,
नैतिक मूल्यों की नींव को मन में गहराई से बसाते हैं।
जब भी जीवन में अंधियारा चारों ओर छा जाता है,
माता-पिता का दिया संस्कार ही राह दिखाता है।
न धन-दौलत, न कोई गहना इनसे बढ़कर होता है,
माँ-पिता का प्यार और आशीर्वाद सबसे सुंदर होता है।
आओ उनके चरणों का हम सदा सम्मान करें,
उनके दिए नैतिक मूल्यों को जीवन का अभिमान करें।

मुकेश तिवारी
शिक्षक
हितकारिणी उमा शाला
गोरखपुर, जबलपुर

दुनिया की सबसे व्यवस्थित वैज्ञानिक भाषा: संस्कृत

संस्कृत को अक्सर दुनिया की सबसे प्राचीन और व्यवस्थित भाषाओं में से एक कहा जाता है। कई लोग इसे सबसे वैज्ञानिक भाषा भी कहते हैं। लेकिन क्या यह दावा पूरी तरह सही है? इसका उत्तर समझने के लिए हमें संस्कृत की संरचना, व्याकरण और भाषा वैज्ञानिक विशेषताओं को जानना होगा। वास्तव में, संस्कृत अपनी सुव्यवस्थित व्याकरणिक प्रणाली के कारण विश्व भर के भाषाविदों का ध्यान आकर्षित करती है।

क्या है व्यवस्थित भाषा का अर्थ - किसी भाषा को व्यवस्थित तब माना जाता है, जब उसके नियम स्पष्ट, तार्किक और लगभग अपवादरहित हों। ऐसी भाषा में शब्दों का निर्माण, वाक्य रचना और व्याकरण निश्चित नियमों के अनुसार होता है। संस्कृत इसी विशेषता के लिए प्रसिद्ध है।

पाणिनि का अद्भुत व्याकरण- लगभग ढाई हजार वर्ष पहले महान व्याकरणाचार्य महर्षि पाणिनि ने अष्टाध्यायी नामक ग्रंथ की रचना की। इसमें लगभग 4,000 सूत्रों के माध्यम से संस्कृत व्याकरण को अत्यंत संक्षिप्त और व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया गया। आज भी भाषाविज्ञान के विद्यार्थी पाणिनि के व्याकरण का अध्ययन करते हैं और इसे नियम-आधारित भाषा-वर्णन का उत्कृष्ट उदाहरण मानते हैं।

संस्कृत की प्रमुख विशेषताएँ

- स्पष्ट व्याकरण, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति और लकारों के निश्चित नियम हैं।
- शब्द निर्माण की क्षमतारू धातुओं और प्रत्ययों के माध्यम से नए शब्द व्यवस्थित ढंग से बनाए जा सकते हैं।
- उच्चारण की शुद्धता, संस्कृत वर्णमाला का क्रम बोलने के अंगों (कंठ, तालु, मूर्धा, दंत और ओष्ठ) के आधार पर व्यवस्थित किया गया है।
- अर्थ की स्पष्टता, वाक्य में विभक्तियों के कारण शब्दों का संबंध स्पष्ट रहता है, जिससे अर्थ समझना आसान होता है।

क्या यह दुनिया की सबसे व्यवस्थित भाषा है- यहाँ यह सावधानी ज़रूरी है। भाषाविज्ञान में किसी एक भाषा को सर्वसम्मति से दुनिया की सबसे व्यवस्थित भाषा घोषित नहीं किया गया है। हालांकि, संस्कृत को सबसे अधिक नियमबद्ध और सुव्यवस्थित व्याकरण वाली भाषाओं में से एक अवश्य माना जाता है। इसलिए सबसे व्यवस्थित कहना एक मत हो सकता है, लेकिन इसे निर्विवाद वैज्ञानिक तथ्य नहीं कहा जा सकता।

संस्कृत अपनी स्पष्ट व्याकरण, सुव्यवस्थित शब्द-रचना और तार्किक संरचना के कारण विश्व की सबसे नियमबद्ध भाषाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि संस्कृत दुनिया की सबसे व्यवस्थित भाषाओं में से एक है। यह केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भाषा-विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य विरासत भी है।

अंग्रेजी भाषा में कैसे हासिल करें महारत

राजेन्द्र मिश्रा

किसी भी नए कौशल को सीखने की प्रक्रिया में बहुत अभ्यास की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार, धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने में सक्षम होने के लिए, आपको इसे सही ढंग से सीखना और खूब अभ्यास करना होगा। प्रत्येक भाषा चार अलग-अलग कौशलों पर आधारित होती है - सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना, जिन्हें सामूहिक रूप से 'एलएसआरडब्ल्यू' कौशल कहा जाता है।

क्या आपको याद है कि आपने अपनी मातृभाषा कैसे सीखी? क्या आपने बोलना शुरू करने से पहले व्याकरण के नियम और शब्दावली सीखी थी? नहीं, आपने नहीं सीखी थी। बचपन में, आप धीरे-धीरे भाषा सीखते हैं। शुरुआत में, आप केवल अलग-अलग ध्वनियों को पहचानते हैं, इसलिए सुनने का कौशल ही मातृभाषा सीखने में प्रारंभिक और मूलभूत भूमिका निभाता है। एक बार जब आप विभिन्न संदर्भों में प्रयुक्त विभिन्न ध्वनियों को सुनना शुरू कर देते हैं, तो आपको उन्हें बार-बार दोहराने के लिए कहा जाता है जब तक कि आप उन्हें सही ढंग से न समझ लें। यहीं से बोलने के कौशल की भूमिका शुरू होती है। अधिकांश मामलों में, लोग केवल सुनते, समझते और बोलते हैं, बहुत कम लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ना या लिखना सीखते हैं। किसी भी दूसरी भाषा या विदेशी भाषा को सीखने की प्रक्रिया मातृभाषा सीखने से बिलकुल अलग होती है। इसका यह मतलब नहीं है कि यह असंभव है। जब आप कोई नई भाषा सीखते हैं, तो आपको उस भाषा में महारत हासिल करने के लिए अक्षर, शब्दांश, शब्दावली, व्याकरण, ध्वनिविज्ञान, वर्तनी और उच्चारण सीखना पड़ता है। अंग्रेजी सीखना इसलिए भी महत्वपूर्ण है :-

1. अंग्रेजी एक वैश्विक भाषा

विश्वभर में लगभग 1.75 अरब लोग अंग्रेजी बोलते हैं, यानी हर चार में से एक व्यक्ति। अंग्रेजी बोलना केवल अंग्रेजी भाषी लोगों से संवाद करने तक ही सीमित नहीं है। यदि आप किसी दूसरे देश के व्यक्ति से बात करना चाहते हैं, तो संभव है कि आप दोनों अंग्रेजी में ही बात करेंगे।

2. नौकरी पाने में मदद

अंग्रेजी विज्ञान, विमानन, कंप्यूटर, कूटनीति और पर्यटन की भाषा है। अंग्रेजी जानने से आपके अपने देश में किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी में अच्छी नौकरी पाने या विदेश में काम ढूंढने की संभावना बढ़ जाती है।

3. पूरी दुनिया में पढ़ाई

दुनिया के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय अंग्रेजी भाषी देशों जैसे यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में स्थित हैं। इन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने के लिए अंग्रेजी में पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना आना अत्यंत आवश्यक है।

क्यों जरूरी है अंग्रेजी सीखना

अंग्रेजी भाषा का व्यापक उपयोग विश्वभर में होता है। यह न केवल एक भाषा है, बल्कि विभिन्न संस्कृतियों, व्यवसायों और तकनीकी क्षेत्रों को जोड़ने वाला सेतु भी है। अंग्रेजी सीखने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:-

वैश्विक संचार

अंग्रेजी दुनिया की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जिससे आप किसी भी देश के लोगों से आसानी से संवाद कर सकते हैं।

शैक्षिक अवसर

अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थान अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करते हैं, इसलिए अंग्रेजी में दक्षता आपके लिए बेहतर शैक्षिक अवसर खोलती है।

करियर विकास

कई मल्टीनेशनल कंपनियां और सरकारी नौकरियां अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक मानती हैं।

डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धा

इंटरनेट और तकनीकी दुनिया में अंग्रेजी का प्रभुत्व है, जिससे अंग्रेजी सीखना आवश्यक हो जाता है।

Poem Corner

1. The Rain

Pitter patter, hear the rain,
Dancing on the window pane.
Drink the flowers, fill the well,
What a lovely song to tell!

2. The Moon

Round and silver in the night,
The moon glows soft and white.
She watches children fast asleep,
And guards the dreams they dream so deep.

3. My Hands

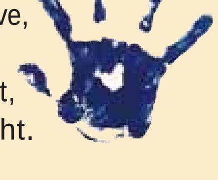

My hands can clap, my hands can wave,
My hands help me to be brave.
I wash them clean, I keep them right,
My busy hands work day and night.

4. School Days

I go to school with books in hand,
I learn to read and understand.
I laugh and play with friends all day,
School is where I love to stay!

युवा कांग्रेस का सरकार पर बड़ा हमला

धरना-प्रदर्शन में गूंजे बेरोजगारी, पेपर लीक और महंगाई के मुद्दे

युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही सरकारः घनघोरिया

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

युवा कांग्रेस एवं जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को काली पुतली चौक पर धरना-प्रदर्शन और जनसभा आयोजित की गई और मोदी सरकार का पूतला फूंका। हालांकि प्रदर्शन में एक सीमित संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, युवा कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता, किसान कांग्रेस पदाधिकारी और आम नागरिक मौजूद रहे। लेकिन जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष समेत जिले के कई दिग्गज नेता नदारद देखे गये। लेकिन जैसे ही युथ कांग्रेस के प्रदेशध्यक्ष यश घनघोरिया कार्यक्रम में पहुंचे, प्रदर्शन को मानो संजीवनी मिली। वही कुछ देर बाद विधायक विक्की पटेल और अनुभा मुंजारे भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे।

सभा के दौरान युवा कांग्रेस व कांग्रेस पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार पर युवाओं, किसानों, छात्रों तथा आम जनता की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए जमकर हमला बोला। प्रदर्शन में शामिल नेताओं ने कहा कि प्रदेश का युवा बेरोजगारी, पेपर लीक और भ्रष्टाचार से त्रस्त है, जबकि सरकार केवल घोषणाओं और प्रचार तक सीमित होकर रह गई है। धरना-प्रदर्शन में मुख्य रूप से नीट पेपर लीक, प्रदेश की सरकारी भर्तियों में कथित घोटालों की निष्पक्ष जांच, कॉलेज छात्रों की छात्रवृत्ति का समय पर भुगतान, बेरोजगारी भत्ता, किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, डीएपी खाद की

कीमतों में कमी और राम मंदिर में चंदा चोरी जैसे मुद्दो समेत किसानों को 24 घंटे निःशुल्क बिजली, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस के दाम कम करने महंगाई और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने तथा आदिवासियों की जमीन को भू-माफियाओं से बचाने जैसी मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में लगातार अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं का भविष्य अंधकारमय कर दिया है। मेहनत करने वाले युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, जबकि भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को संरक्षण दिया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसानों को लागत का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, खाद के दाम लगातार बड़ रहे हैं और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। सरकार जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय केवल प्रचार में व्यस्त है। धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि युवाओं, किसानों और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार ने जल्द ठोस निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और जनहित के मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। सभा के अंत में राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा गया।

कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया ने भी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर सबसे अधिक चिंतित है। रोजगार के अवसर लगातार घट रहे हैं, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और सरकार युवाओं को केवल आश्वासन देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं, किसानों और आम जनता की आवाज को लगातार बुलंद करती रहेगी और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रहेगा। क्योंकि सरकार युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है।

मीडिया के एक सवाल के जवाब पर प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के हालिया बयान पर भी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा इस प्रकार की भाषा और विवादित टिप्पणियां करना शोभा नही देता।

वे लगातार विवादित बयान देकर सार्वजनिक मर्यादा को ठेस पहुंचाते हैं। उन्होने महिलाओं पर टिप्पणी की, इंदौर में आमजन परेशान थे, तब एक सवाल पर पत्रकार के प्रति घंटा जैसे शब्दो का प्रयोग किया, वह न केवल निंदनीय है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के भी विपरीत है। उनसे हमारा कहना है कि वे गंभीरता से मामले को समझा करें, क्योंकि जनता से नेता होता है, नेता से जनता नही होती।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का सांसद और विधायक ने बच्चों को दवा पिलाकर किया शुभारंभ

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

देश को पोलियो मुक्त रखने के संकल्प के साथ आज 28 जून को बालाघाट में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ। जिला चिकित्सालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे और मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े ने संयुक्त रूप से 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की।

जिले में 1.77 लाख बच्चों को सुरक्षा कवच

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस अभियान के तहत बालाघाट जिले में 0 से 5 वर्ष की आयु के कुल 01 लाख 77 हजार 56 बच्चों को पोलियो निरोधक दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए जिले भर में 894 पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जहाँ 3,584 टीकाकरण कर्मी और स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूरी तत्परता के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

घर-घर दस्तक देगी स्वास्थ्य विभाग की टीम

अभियान के पहले दिन यानी 28 जून को बूथों पर टीकाकरण किया जा रहा है। इसके बाद आगामी 29 और 30 जून 2026 को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को दवा पिलाएंगी, जो किन्हीं कारणों से बूथ तक नहीं पहुँच पाए हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

जनप्रतिनिधियों की अभिभावकों से अपील

इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी और विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने जिले के सभी पालकों से अपील की कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। उन्होंने कहा, दो बूंद जिंदगी की हर बच्चे को, हर बार के मंत्र को आत्मसात कर हम अपने बच्चों को एक स्वस्थ भविष्य दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पंकज महाजन, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री संजय तुरकर तथा सहायक कार्यक्रम प्रबंधक श्री संजय मानेश्वर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

येरवाघाट में आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

जिले के रामपायली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम येरवाघाट में रविवार शाम मौसम का मिजाज अचानक बदलने से हुई तेज बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की घटना में एक वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान फूलन बाई केरेकार (60 वर्ष), पति श्रावण केरेकार, निवासी ग्राम येरवाघाट के रूप में हुई है। बताया गया कि फूलन बाई अपने दोनों बेटों के साथ येरवाघाट और येरवाटोला के बीच स्थित खेत में बन रहे मकान के निर्माण कार्य की देखरेख कर रही थीं। उनके साथ मजदूर भी निर्माण कार्य में लगे हुए थे।

शाम करीब 4 बजे के बाद मौसम अचानक खराब हो गया। तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान लगभग 4.30 बजे फूलन बाई मकान से कुछ दूरी पर स्थित एक बबूल के पेड़ के नीचे पानी पीने के लिए चली गईं। तभी तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना होते ही निर्माण कार्य में लगे उनके बेटे और मजदूर दौड़कर मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक फूलन बाई दम तोड़ चुकी थीं। सूचना मिलते ही रामपायली पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रामपायली अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हृदयविदारक घटना से येरवाघाट गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने बारिश और आकाशीय बिजली के दौरान खुले स्थानों तथा पेड़ों के नीचे खड़े न होने की अपील की है।

आकाशीय बिजली की चपेट मे आने से मासूम की मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

मानपुर थाना अंतर्गत सिगुड़ी गांव से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है।खबर है कि गौरव पिता राकेश प्रजापति उम्र 13 वर्ष तेज हवाओं और बारिश के बीच महुआ का फल (गोही) बीनने जंगल की ओर गया था।इसी दौरान मौसम ने अचानक विकराल रूप ले लिया और मूसलाधार बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से गौरव उसकी चपेट में आ गया।

हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई।शुक्रवार की शाम 5.30 बजे हुई इस इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।बताया जाता है कि हादसे की खबर के बाद परिजन बिना देर किए किशोर को मानपुर अस्पताल ले कर पहुंचे,पर दुर्भाग्य से तब तक उसकी मृत्यु हो गई थी।

सीईओ जिला पंचायत ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार 28 जून को उत्साहपूर्वक किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्री अभय सिंह ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर एवं आजीवन दिव्यांगता का कारण बनने वाली बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए नियमित टीकाकरण एवं पल्स पोलियो अभियान में सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पाँच वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि जिले का कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ष्दो बूंद जिंदगी कीष् केवल एक संदेश नहीं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य का संकल्प है। इस अवसर पर श्री आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य जिले के पाँच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक देकर उन्हें इस बीमारी से सुरक्षित रखना है।

उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को पोलियो की दवा अनिवार्य रूप से पिलाने की अपील की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही. एस. चंदेल ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान 29 एवं 30 जून तक जारी रहेगा। इस दौरान छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उन्हें पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि जिले में इस अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 135 सुपरवाइजर, 4 मोबाइल टीम तथा 24 ट्रांजिट बूथ बनाए गए हैं।

सिंगलटोला रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज न होने से घंटों खड़े रहते हैं वाहन..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जबसे तीसरी रेल लाइन बनी है रेलवे फाटकं घंटो बंद रहना ये स्थिति आम हो गई है। खासकर जब ट्रेनें बार-बार गुजरती हैं, तो फाटक 20..30 मिनट या उससे ज्यादा समय तक बंद रहता है, जिससे एम्बुलेंस और मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। सिंगलटोला समपार उमरिया से शहपुरा,मंडला, नागपुर और जबलपुर जाने के लिए एकमात्र नजदीकी सड़क मार्ग है जिसमे रोजाना सैकड़ों वाहन दिन रात आते जाते है और सबसे बड़ी बात मरीजो को लेकर एम्बुलेंस नागपुर और जबलपुर इसी रास्ते का उपयोग करते हैं लेकिन रेलवे फाटक घंटो बंद होने से कई बार इमरजेंसी मरीजो की मौत तक हो जाती है ये समस्या कई वर्षों से निरंतर बनी हुई है और ओवरब्रिज बनाने का प्रस्ताव भी गया लेकिन अब तक लोगों को राहत मिली। ओवरब्रिज तो नहीं बन रहा लेकिन अंडरपास भी नहीं है जिससे दो पहिया, से लेकर चार और अन्य बड़े वाहन दिनभर में रेलवे फाटक के दोनों ओर घंटो खड़े रहने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित इमरजेंसी सेवायें, स्कूली वाहन और बच्चे और ऑफिस जाने वाले और रेलवे फाटक के दूसरी ओर रहने वाले होते हैं। फाटक के उस पार विकटगंज,चंदवार, दुबे कॉलोनी में रहने लोग कई सालों से ओवरब्रिज या अंडरब्रिज की मांग कर रहे हैं लेकिन अब तक हालात जस के तस बने हुए हैं और आम जनता परेशान हैं। रेल लाइन बढ़ने या ट्रेन मूवमेंट ज्यादा होने से फाटक पहले से ज्यादा देर तक बंद रहता है, क्योंकि एक ट्रेन के बाद दूसरी और तीसरी कभी कभी तो चौथी ट्रेन आने का गैप कम हो जाता है।

फाटक पर एम्बुलेंस के लिए च्इमरजेंसी पास लेनज्ञ या अंडरपास डेडिकेटेड कॉरिडोर नहीं होता, इसलिए मरीजों को भी बाकी वाहनों के साथ ही रुकना पड़ता है। जिससे एम्बुलेंस फाटक पर आधा घंटा तक खड़ी रह जाती है और मरीजों की हालत बिगड़ने का खतरा बढ़ता है। कई बार 10 से 30 मिनट की देरी गंभीर बन जाती है।

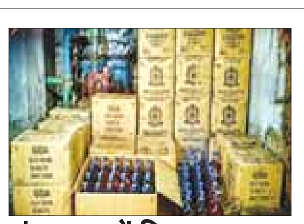

पंप हाउस में मिला शराब का जखीरा, अमरपुर पुलिस चौकी ने मारा छापा

उमरिया (स्वतंत्रमत) - इंदवार थाना क्षेत्र की अमरपुर चौकी अंतर्गत खेत के बीच बने पंप हाउस को अवैध शराब का गोदाम बना दिया गया था। मुखबिर की सूचना पर इंदवार थाना की अमरपुर चौकी पुलिस ने दबिश देकर पूरे खेल का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस के अनुसार जब पंप हाउस का ताला खुलवाकर तलाशी ली गई तो अंदर शराब से भरे कार्टन रखे मिले। जांच में 94 पाव अंग्रेजी शराब और 15 सीलबंद पेटियों में 750 पाव देशी शराब बरामद हुई। कुल 151.92 लीटर अवैध शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई गई है। पूछताछ के दौरान आरोपी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। उसने पूछताछ में भैया उर्फ सुशील रौतेल निवासी ग्राम खेरवा ने बताया कि रवि सिंह साथ मिलकर कम कीमत पर शराब खरीदकर पंप हाउस में छिपाकर रखने की बात स्वीकार की।

जिला पंचायत भवन बाहर से चकाचक, भीतर बदहाल..!

उमरिया (स्वतंत्रमत) - जिला पंचायत भवन की बाहरी साज-सज्जा भले ही आकर्षक दिखाई देती हो, लेकिन भवन के अंदर की स्थिति कई सवाल खड़े कर रही है। लाखो खर्च कर जिला पंचायत को बाहर से चमका दिया गया है लेकिन अंदर जाने पर वस्तुस्थिति दिखाई देती है। ऊपरी तल पर जाने पर छत के प्लास्टर उखड़ गए हैं और कभी भी किसी के ऊपर गिर सकता है जिससे कोई अनहोनी हो सकती है लेकिन उसकी मरम्मत न कराकर बाहर से चमका दिया गया है.!भवन के ऊपरी तल पर आम नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाओं का अभाव बताया जा रहा है। शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं होने से गंदगी और दुर्गंध फैली रहती है, जिससे कर्मचारियों और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कर्मचारियों का आरोप है कि भवन के रखरखाव और स्वच्छता व्यवस्था पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं कुछ लोगों ने जिला पंचायत के कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं.! सीईओ की मनमानी और आरटीआई पर जबाब न देना और प्रथम अपीलीय अधिकारी होने के कारण खारिज कर देना जैसे गंभीर आरोप भी लगे हैं लेकिन लगता है कोई सुनने वाला ही नहीं है और अफसरशाही इतनी हावी हो गई है जिसके आगे जनप्रतिनिधि भी हार मान चुके हैं..! आम जन को ऐसे में कैसे न्याय मिलता होगा उसका तो अनुमान लगाया जा सकता है..!

बांधवगढ़ में मिले घायल नर बाघ का किया गया इलाज

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर परिक्षेत्र की बिरुहली बीट में घायल मिले करीब तीन वर्षीय नर बाघ का रविवार 28 जून को को सफल इलाज किया गया। पार्क प्रबंधन की टीम ने इलाज के बाद बाघ को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया। वन विभाग की टीम हाथियों और गश्ती दल की मदद से उसकी लगातार निगरानी कर रही है। जानकारी के अनुसार, गश्ती दल को बाघ के एक पैर में चोट लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही क्षेत्र संचालक के निर्देशन और उप संचालक के मार्गदर्शन में शनिवार से ही वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स और वन अमले द्वारा बाघ की ट्रैकिंग शुरू कर दी गई थी। रविवार सुबह ट्रैकिंग दल ने बाघ का पता लगाया। इसके बाद वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी ने उसे ट्रैंकुलाइज कर इलाज किया। इस दौरान बाघ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और जांच के लिए ब्लड सैंपल भी लिया गया। उपचार पूरा होने के बाद बाघ को उसी वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ दिया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान उप संचालक, सहायक संचालक ताला, वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, पनपथा बफर के परिक्षेत्र अधिकारी, टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स के श्रमिक तथा अन्य वनकर्मी मौजूद रहे। बाघ की निगरानी श्याम और लक्ष्मण हाथियों तथा वन अमले द्वारा लगातार की जा रही है।

नाम परिवर्तन सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रितु कोचर पति श्री रोहित कोचर, निवासी कटंगी, जिला बालाघाट (एमपी) का विवाह से पूर्व नाम ज्योति जैन था। विवाह के उपरांत उन्होंने अपना नाम ज्योति जैन से बदलकर रितु कोचर रख लिया। अतः ज्योति जैन एवं रितु कोचर दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अतः भविष्य में उनके सभी शासकीय, बैंकिंग, पासपोर्ट तथा अन्य अभिलेखों में रितु कोचर नाम ही मान्य एवं प्रयोज्य होगा।

दिनांकः 29 जून 2026

स्थानः कटंगी, जिला बालाघाट (एमपी)

सही नाम- रितु कोचर

पूर्व नाम-ज्योति जैन

मौसम आधारित फसल प्रबंधन सलाह

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कृषि विभाग द्वारा किसानों के लिए मौसम आधारित फसल प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण सलाह जारी की गई है। विभाग ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा आगामी दिनों में वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसे में खरीफ फसलों की बुवाई एवं फसल प्रबंधन कार्य वैज्ञानिक तरीके से करने की आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि धान मक्का सोयाबीन तिल मूंग उड़द तथा अन्य खरीफ फसलों की बुवाई अनुशंसित किस्मों एवं निर्धारित तकनीकों के अनुसार करें। पर्याप्त नमी उपलब्ध होने पर ही बुवाई कार्य प्रारंभ करें तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था बनाए रखें। विभाग ने किसानों से कहा है कि खेतों में खरपतवार नियंत्रण, बीज उपचार तथा संतुलित उर्वरक उपयोग पर विशेष ध्यान दें। फसलों में कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी करें तथा किसी भी प्रकार के प्रकोप की स्थिति में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर आवश्यक सलाह प्राप्त करें। कृषि विभाग ने किसानों को मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि कार्यों की योजना बनाने तथा नवीन कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया है। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि वे कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली सलाह एवं निर्देशों का पालन करें, जिससे खरीफ फसलों का बेहतर उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

महुआ लाहन किया नष्ट

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के निर्देशन में जिला आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध सघन अभियान चलाते हुए अंजनिया क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी मंडला एवं प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली सैयाम के मार्गदर्शन में मांद तालाब के किनारे संचालित अवैध शराब निर्माण स्थलों पर दबिश दी।

सामान्य जीवन में लौटा करण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मंडला जिला चिकित्सालय ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार अत्यंत जटिल एसीटाबुलम (कूल्हे के जोड़) फैक्चर एवं हिप डिसलोकेशन की सफल सर्जरी कर एक युवा मरीज को नया जीवन देने का कार्य किया है। मंडला जिले के 21 वर्षीय करण बंजारा 16 जून को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्रारंभिक उपचार के लिए उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल जिला चिकित्सालय मंडला रेफर किया गया।

खनिज विभाग की कार्यवाही

मण्डला(स्वतंत्र मत)। खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए कलेक्टर के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राप्त शिकायतों के आधार पर नैनपुर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान अवैध रेत परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त एक डंपर वाहन क्रमांक एमपी 22 एच 3978 को खनिज विभाग की टीम द्वारा जब्त किया गया। प्रभारी अधिकारी खनिज ने बताया कि जब्त वाहन को शासकीय अभिरक्षा में रखते हुए संबंधित थाना चौकी नैनपुर की सुपुर्दगी में दिया गया है।

शहर में जगह-जगह खुल रहे जिम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में इन दिनों हर गली हर मोहल्ले और हर बाजार में जिम खुलते नजर आ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या इन सभी जिमों के पास नगर निकाय की अनुमति ट्रेड लाइसेंस फायर सुरक्षा प्रशिक्षित ट्रेनर और सुरक्षा मानक मौजूद हैं या फिर सिर्फ कुछ मशीनें लगाकर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है जिम खोलना सिर्फ व्यवसाय नहीं बल्कि लोगों की जान और स्वास्थ्य से जुड़ी जिम्मेदारी भी है इसके बावजूद प्रशासनिक निगरानी का अभाव कई सवाल खड़े कर रहा है। भारत में जिम संचालन के लिए स्थानीय निकायों की अनुमति और अन्य आवश्यक लाइसेंस की जरूरत होती है जिले में तेजी से बढ़ते जिम कारोबार पर अब निगरानी की जरूरत महसूस की जा रही है सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार कई जगह बिना पर्याप्त पार्किंग, बिना सुरक्षा इंतजाम, बिना आपातकालीन निकास और बिना प्रशिक्षित स्टाफ के जिम संचालित होने की शिकायतें सामने आती रहती हैं हालांकि इनकी पुष्टि प्रशासनिक जांच के बाद ही हो सकती है बड़ा सवाल यह है कि क्या जिला प्रशासन नगर पालिका नगर परिषद और संबंधित विभाग समय-समय पर इन जिमों का निरीक्षण करते हैं? अगर नहीं तो भविष्य में किसी हादसे की जिम्मेदारी कौन लेगा? देश के अन्य हिस्सों में भी बिना अनुमति संचालित जिमों को नोटिस जारी किए गए हैं और प्रशासन ने सुरक्षा जोखिमों को लेकर कार्यवाही की है।

अवैध कॉलोनी के नामांतरण में पटवारी की चलाकी को एसडीएम ने पकड़ा, कलेक्टर के निर्देश के बाद नपे पटवारी

मण्डला(स्वतंत्र मत)

अनुविभाग नैनपुर क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कॉलोनियों का कारोबार किया जा रहा है यहां पर स्थानीय नागरिकों के अलावा जबलपुर सिवनी और मंडला के तथाकथित लोगों के द्वारा छोटे-छोटे रकवा खरीदकर इन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है पूर्व में भी अनेक कॉलोनियों में जुर्माना आदि किया गया है। यहीं नही नगर पालिका नैनपुर ने अवैध कॉलोनियों की जांच पड़ताल कराते हुए सूचना पटल भी लगाया हुआ है। जहां पर अवैध कॉलानियों के संचालक और स्थल खसरा नंबर दर्ज दिखाई देते हैं इसके बाद भी क्षेत्र में अवैध कॉलानियों का कारोबार थमने का नाम ले रहा है। इस पूरे खेल में पटवारियों की मिलीभगत बताई जाती है। ऐसा ही एक मामला एसडीएम नैनपुर के संज्ञान में आने के बाद कलेक्टर के आदेश पर पटवारी को निलंबित कर दिया गया है। अवैध कॉलोनी में नामांतरण किया जाना पटवारी को महंगा पड़ गया। जिले में अवैध कॉलोनाइजिंग के मामलों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर को प्राप्त शिकायत के आधार पर नैनपुर अनुभाग में एक नामांतरण प्रकरण की जांच कराई गई जिसमें तत्कालीन पटवारी द्वारा तथ्यों को छिपाकर भ्रामक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का मामला सामने आया। जांच में आरोप सही पाए जाने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नैनपुर आशुतोष ठाकुर ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत तत्कालीन पटवारी अनिल तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ग्राम नैनपुर के पटवारी हल्का क्रमांक 17/33 अंतर्गत स्थित एक भूमि के नामांतरण की कार्यवाही के दौरान संबंधित पटवारी ने महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया। शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच के निर्देश दिए। इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नैनपुर द्वारा सभी अभिलेखों और राजस्व दस्तावेजों की जांच कराई गई। जांच के दौरान सामने आया कि जिस भूमि का नामांतरण किया जा रहा था उस पर लंबे समय से अवैध कॉलोनाइजिंग एवं अवैध प्लॉटिंग की गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इतना ही नहीं इस संबंध में प्रकरण अपर कलेक्टर न्यायालय में विचाराधीन भी था। इसके बावजूद नामांतरण की प्रक्रिया के दौरान प्रस्तुत प्रतिवेदन में इस महत्वपूर्ण तथ्य का कोई उल्लेख नहीं किया गया। तहसीलदार नैनपुर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन एवं उपलब्ध दस्तावेजों के परीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित पटवारी को भूमि की वास्तविक स्थिति की जानकारी थी। इसके बावजूद उन्होंने सकारात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया जिससे ऐसा प्रतीत हुआ कि भूमि पर किसी प्रकार का विवाद अथवा अवैध कॉलोनाइजिंग का मामला नहीं है। प्रशासन ने इसे शासकीय कार्यों के प्रति गंभीर लापरवाही एवं तथ्यों को छिपाकर भ्रामक जानकारी प्रस्तुत करने की श्रेणी में माना। जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि यदि नामांतरण की प्रक्रिया में भूमि की वास्तविक स्थिति का उल्लेख किया जाता तो संबंधित प्रकरण की विधिसम्मत समीक्षा की जा सकती थी। तथ्यों को छिपाने के कारण राजस्व प्रशासन की कार्यप्रणाली प्रभावित होने की आशंका बनी और अवैध कॉलोनाइजिंग के मामलों पर प्रभावी नियंत्रण में भी बाधा उत्पन्न हो सकती थी। प्रशासन का मानना है कि राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की यह जिम्मेदारी होती है कि वे प्रत्येक राजस्व प्रकरण में तथ्यात्मक एवं निष्पक्ष प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। यदि किसी भूमि से संबंधित विवाद न्यायालयीन प्रकरण अथवा अवैध गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध हो तो उसका स्पष्ट उल्लेख किया जाना आवश्यक है। इस मामले में ऐसा नहीं किए जाने के कारण संबंधित अधिकारी की भूमिका संदेह के दायरे में आई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नैनपुर आशुतोष ठाकुर ने जांच प्रतिवेदन के आधार पर पाया कि तत्कालीन पटवारी अनिल तिवारी द्वारा अपने कर्तव्यों का समुचित निर्वहन नहीं किया गया। उनके द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन से शासकीय कार्यों में गंभीर त्रुटि उत्पन्न हुई तथा राजस्व अभिलेखों की पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लगा। इस आधार पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार जिले में अवैध कॉलोनाइजिंग और बिना अनुमति प्लॉटिंग के मामलों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर ने पूर्व में भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना वैधानिक अनुमति विकसित की जा रही कॉलोनियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही ऐसे मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध भी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि राजस्व अभिलेखों में पारदर्शिता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इन्हीं अभिलेखों के आधार पर भूमि संबंधी अधिकारों का निर्धारण होता है। यदि किसी प्रकरण में तथ्य छिपाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है तो इससे न केवल प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती है बल्कि भविष्य में न्यायिक विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं।

प्लांट से मजदूरी कर लौट रहे बालक की मौत

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरिया के भरिया टोला स्थित जल निगम प्लांट से मजदूरी कर घर लौट रहे 17 वर्षीय किशोर की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में शोक व्याप्त है। वहीं जल निगम प्लांट में नाबालिगों से मजदूरी कराए जाने के आरोपों को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। जानकारी के अनुसार 25 जून की शाम करीब 6 बजे ग्राम लावर चारगांव निवासी नरेंद्र उइके अपने 17 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार उइके के साथ जल निगम प्लांट में कार्य करने के बाद मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम खमरिया के समीप एक नीले रंग के पॉवरट्रैक ट्रैक्टर ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर का दाहिना टायर फटकर अलग हो गया। हादसे में सौरभ कुमार उइके की मौके पर ही मौत हो गई जबकि नरेंद्र उइके गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर टिकरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया। पुलिस ने 26 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। मामले की विवेचना जारी है। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जल निगम प्लांट में लंबे समय से नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है। उनका कहना है कि मृतक सौरभ कुमार उइके भी अपने पिता के साथ नियमित रूप से प्लांट में कार्य करता था। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी ठेकेदार एवं संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई मांग की है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता एवं मुआवजा प्रदान करने तथा घायल नरेंद्र उइके के समुचित उपचार की व्यवस्था कराने की मांग की है।

शिक्षक ने निभाया राष्ट्रनिर्माता होने का दायित्व

छात्रों को बांटी सामग्री

मण्डला (स्वतंत्र मत)

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय अंग्रेजी के शिक्षक अखिलेश उपाध्याय जो जिले अच्छे करियर मार्गदर्शक और मोटिवेटर के रूप में जाने जाते है। शिक्षक के सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए जनसहयोग से संचालित विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति छात्रावास की बालिकाओं की स्वयं के व्यय पर अध्ययन सामग्री दैनिक उपयोगी सामग्री वितरित की है। छात्रावास की 55 बालिकाओं को पेन कॉपियां पेंसिल किट कॉफी कप बरसात के लिए छाते घड़ी आदि का वितरण किया। अखिलेश उपाध्याय द्वारा एकल

प्रकल्प प्रयास के माध्यम से शैक्षिक संवर्धन के निरंतर प्रयास किए जा रहे है। विगत वर्षों में अनेक बार उनके द्वारा जरूरतमंद विद्यार्थियों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गयी है। शिक्षक अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति की अध्ययनरत छात्राएं विपरीत परिस्थितियों से निकलकर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उन्हें न केवल सामाजिक सहयोग की आवश्यकता है अपितु उन्हें अच्छे मेंटर की भी जरूरत है। बालिकाओं के प्रश्नों का समाधान करते हुए आयोजन में करियर मार्गदर्शन प्रदान करते हुए बालिकाओं का मोटिवेशन भी किया गया। शिक्षक ने कहा कि जनजातीय समुदाय को अपनी जड़ों से जुड़कर रहना चाहिए क्योंकि यही उनकी पहचान है और जो व्यक्ति अपनी संस्कृति और संस्कारों छोड़ देता है वास्तव में वह अपनी पहचान खो देता है। वर्तमान परिवेश में बैगा जनजातीय बालिकाओं को अपनी संस्कृति पर गर्व करते हुए समाज की मुख्य धारा से जुड़ना है जो निरंतर परिश्रम से प्राप्त होगा क्योंकि सफलता प्राप्त करने की कोई शार्टकट नहीं होता। बालिकाओं से चर्चा उपरांत बेटियों को इस शैक्षणिक सत्र के लिए नि:शुल्क अध्यापन और बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराने संकल्प लिया। इस अवसर पर शैक्षणिक अध्ययन सामग्री प्राप्त कर बालिकाएं प्रफ्फुलित हुई। इस अवसर पर बैगा जनजाति छात्रावास की वार्डन,प्रबंधन सहायक पटेल उपस्थित रहें।

सीएम ने किया वर्चुअल भूमिपूजन, दी सौगात

मण्डला(स्वतंत्र मत)

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का जिला स्तरीय आयोजन एवं सीधा प्रसारण एनआईसी में किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा जिले के नवीन औद्योगिक क्षेत्र मोहनिया पटपरा क्षेत्रफल 27.02 हेक्टेयर अनुमानित लागत 29.35 करोड़ का वर्चुअल भूमिपूजन कर जिले को एक बड़ी सौगात दी गई। जिले में औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने की इस महत्वपूर्ण पहल के लिए प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने मुख्यमंत्री के प्रति विशेष आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सफल उद्यमियों और हितग्राहियों से सीधा ऑनलाइन संवाद कर उनके उद्यमों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। जिसमे जिला अध्यक्ष लघु उद्योग भारती अनिल वीरानी, उपाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती एवं ओडीओपी इकाई संचालक सुरेंद्र पमनानी, एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 के लाभार्थी अंकित अग्रवाल, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना की हितग्राही श्रीमती आरती भांडे और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के हितग्राही निकेत सराफ से चर्चा की। एनआईसी में आयोजित इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत मीना, एसडीएम, श्रीमती सोनल सिडाम, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद दिनेश कुमार मर्सकोले, सहायक संचालक बलराम यादव, एलयूएन विकास सिंह सहित उद्योग विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय उद्योगपति उपस्थित थे।

नैनपुर में मातमी पर्व मोहर्रम पर आस्था और एकता का अद्भुत संगम

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

नगर में मातमी पर्व मोहर्रम श्रद्धा, अनुशासन और गहरी आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पारंपरिक संदल जुलूस और ताजियों का जुलूस नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान माहौल गमगीन होने के साथ-साथ भाईचारे और एकता की मिसाल भी प्रस्तुत करता नजर आया।

पिछले एक पखवाड़े से नगर के इमामबाड़ों में मातमी कलामों की सदा गूंजती रही। हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में आयोजित मजलिसों में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अकीदतमंदों ने नम आंखों से कर्बला की कुर्बानी को याद किया और शांति, इंसानियत तथा सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश आत्मसात किया।

मोहर्रम के दिन देर शाम निकाले गए संदल जुलूस में अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। सजे-धजे ताजिए आकर्षण का केंद्र रहे, जिन्हें देखने के लिए नगरवासियों की भीड़ उमड़ी। जुलूस निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए शांति और व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया और श्रद्धापूर्वक नजराने पेश किए। इस दौरान नगर में हिन्दू-मुस्लिम एकता और पारंपरिक सद्भाव की सुंदर तस्वीर भी देखने को मिली। विभिन्न समाजों के लोगों ने मिलकर जुलूस की व्यवस्था संभाली और एक-दूसरे के प्रति सम्मान एवं सहयोग की भावना प्रदर्शित की। यह दृश्य नैनपुर की गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया। प्रशासन की मुस्तैदी और नागरिकों के सहयोग से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मोहर्रम का यह पर्व एक बार फिर त्याग, बलिदान और मानवता के उच्च आदर्शों की याद दिलाते हुए नगर में आपसी भाईचारे का संदेश दे गया।

रेलवे सुरक्षा बल द्वारा जन विश्वास अभियान के तहत यात्रियों को किया जा रहा जागरूक

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा च्जन विश्वास उपबंधों का संशोधन अधिनियम, 2026च्च के संबंध में यात्रियों को जागरूक करने हेतु एक विशेष अभियान चला रहा है। मंडल के सभी रेलवे स्टेशनों पर विशेष जन-जागरूकता अभियान के माध्यम से रेल यात्रियों को विशेष सतर्कता की बात समझाई जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को रेलवे अधिनियम, 1989 में किए गए नवीन संशोधनों एवं नए प्रावधानों की जानकारी प्रदान कर उन्हें कानूनों के प्रति जागरूक बनाना है। रेल यात्रा देश के करोड़ों नागरिकों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक एवं किफायती परिवहन का प्रमुख माध्यम है। यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा, रेल सेवाओं का निर्बाध एवं समयबद्ध संचालन तथा रेल परिचालन में बाधा उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना रेलवे सुरक्षा बल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। भारत सरकार द्वारा राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से च्जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) अधिनियम, 2026च्च को 19 जून 2026 से लागू किया गया है। इसी के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा सभी स्टेशनों पर व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान स्टेशन परिसरों में आकर्षक पोस्टर लगाए जा रहे हैं, यात्रियों को पंपलेट वितरित किए जा रहे हैं तथा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से संशोधित प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत यात्रियों को बताया जा रहा है कि बिना टिकट यात्रा करना, फर्जी अथवा हस्तांतरित (ट्रांसफर) टिकट का उपयोग करना, भीख मांगना, रेलवे परिसर में अवैध विक्रय करना, शराब अथवा नशे की अवस्था में उपद्रव करना, रेलवे कर्मचारियों के कार्य में बाधा डालना तथा रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाना जैसे मामलों में संशोधित दंड प्रावधान लागू किए गए हैं। कई मामलों में आपराधिक कार्रवाई के स्थान पर आर्थिक दंड (जुर्माना) का प्रावधान किया गया है, जिससे निर्धारित जुर्माना जमा कर न्यायालयीन प्रक्रिया से बचा जा सकता है।

दो गाड़ी की आमने सामने से टक्कर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर की सीमा से लगे सिवनी जिले के ग्राम खैरराँजी में दो गाड़ियों की आपस मे जबरदस्त भिड़ंत हो गई। घुमावदार सड़क मार्ग में अपना संतुलन खोकर दो वाहन आमने सामने से टकरा गये। शुक्र बी बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नही हुई। दोनों वाहन सवारों को मामूली चोट आई है । बताया गया कि एक वाहन वैगन आर गाड़ी खवासा की थी जबकि विपरीत दिशा से आने वाला माल वाहक सिवनी पलारी का बताया गया है। इस दुर्घटना के बाद मालवाहक का डीजल सड़क पर बिखर गया जिससे लोगो को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

संपादकीय

तो कानून क्यों बनाया

आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) के सांसद दलबदल कर चुके हैं। 'आप' के 7 सांसद राज्यसभा के थे, लेकिन अभी लोकसभा के 3 सांसदों की बोली तय नहीं हुई है। तृणमूल और उद्धव शिवसेना के 26 लोकसभा सांसद तोड़े जा चुके हैं। भाजपा के प्रवक्ता पार्टी को इतना मासूम और तटस्थ करार देने का ढोंग न करें, क्योंकि सांसद उसके अघोषित 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के मद्देनजर तोड़े जा रहे हैं। नहीं तो बागियों की बैठकों में भाजपाई केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री क्या करते रहे हैं? हररोज, हर पल चाय-पानी ही चलता रहता है क्या?

बहरहाल शिवसेना (उद्धव) के सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलीन हो चुके हैं। गृहमंत्री अमित शाह अब उसे ही असली शिवसेना मानते हैं। वह काफी हद तक उचित भी हैं, क्योंकि चुनाव आयोग ने उसे ही असली शिवसेना की मान्यता दी है और चुनाव चिह्न भी उसे ही सौंप दिया गया है। इसी तरह शरद पवार ने जिस एनसीपी की स्थापना की थी, अब वह उनके सगे भतीजे अजित पवार (अब दिवंगत) के कब्जे में है। उसे ही असली एनसीपी की मान्यता प्राप्त है। चुनाव चिह्न भी उसे ही आवंटित किया जा चुका है। हालांकि ये दोनों मामले अभी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन हैं।

तृणमूल कांग्रेस में तो बागी 60-65 विधायकों ने सामूहिक निर्णय लेकर ममता बनर्जी को अध्यक्ष पद से हटा दिया है और अरूप राय को नया अध्यक्ष चुन लिया है। कुछ उपाध्यक्ष और महासचिव भी तय किए गए हैं। कार्यकारिणी नई बनना भी तय लगता है। उसके बाद चुनाव आयोग की दहलीज पर दस्तक दी जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह का आशीर्वाद है, तो आयोग उसे भी असली तृणमूल घोषित कर देगा। गृहमंत्री का संकल्प है कि ममता की तृणमूल का सर्वनाश किए बिना वह राहत की सांस महसूस नहीं करेंगे। तृणमूल के बागी 20 लोकसभा सांसद तो नेशनल सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया सरीखी गुमनाम और बिन विधायक-सांसद की बौनी पार्टी में विलय कर चुके हैं। फिलहाल उनका प्रस्ताव स्पीकर ओम बिरला के विचाराधीन है। भाजपा तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर भी डोरे डाल रही है, क्योंकि लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। ये तमाम दलबदल भीतरी असंतोष और नेतृत्व के प्रति बगावत के ही निष्कर्ष नहीं हैं, बल्कि सांसद तोड़े जा रहे हैं। 52वां और 91वां संविधान संशोधन कर जो दलबदल विरोधी कानून बनाया गया था, उसमें एक-तिहाई अथवा दो-तिहाई सांसदों-विधायकों के पालाबदल की व्यवस्था रही है। अब यह कानून कागजी साबित हो रहा है, क्योंकि जन-प्रतिनिधि बेचे-खरीदे जा रहे हैं। तो फिर इस कानून की जरूरत क्यों है? जैसा 1985 और 2003 से पहले था, वैसा ही रहने दीजिए। सांसदों-विधायकों को दलबदल करने की कानूनन छूट दे दी जाए। अरे, खुला बाजार सजा है, बोलियां लगने दीजिए। लोकतंत्र, संविधान, नैतिकता की परवाह क्यों की जाए? अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका सरीखे बड़े लोकतांत्रिक देशों में दलबदल निरोधक कानून नहीं है। फिर भी वहां इतना दलबदल नहीं होता, जिस व्यापक स्तर पर भारत में होता रहा है। उनके लिए राजनीतिक, चुनावी अनुशासन बेहद मायने रखता है। वैसे भी देश में दलबदल की परंपरा पुरानी है और आजादी के पहले और उसके तुरंत बाद राजनीतिक दल टूट कर बिखरते और नए दल बनाए जाते रहे हैं।

किसके पक्ष में खड़ी है नीति-कंपनियों के या अर्थव्यवस्था के?

क्रूड सस्ता, मुनाफा ऊँचा, फिर भी महंगा पेट्रोल

आखिर किसके लिए है यह बाजार?

भूपेन्द्र गुप्ता
(लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं)

जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है, तब सरकार और तेल कंपनियाँ लगभग एक स्वर में कहती हैं कि पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें बढ़ाना मजबूरी है क्योंकि भारत आयातित तेल पर निर्भर है। जनता भी यह तर्क मान लेती है कि यदि लागत बढ़ी है तो कीमत बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन वही जनता आज यह पूछ रही है कि जब कच्चे तेल की कीमतें गिर रही हैं तो राहत कहाँ है? हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगभग 38 डॉलर प्रति बैरल तक घट चुकी है। यदि किसी समय यह 110 डॉलर के आसपास थी और अब लगभग 70-72 डॉलर के स्तर पर है, तो लागत में यह कोई मामूली कमी नहीं है। यह गिरावट लगभग एक-तिहाई से अधिक की है। स्वाभाविक रूप से उपभोक्ता उम्मीद करता है कि इसका कुछ न कुछ लाभ पेट्रोल और डीज़ल के खुदरा मूल्य में दिखाई देगा। लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा।

इस बीच एक और तथ्य सामने है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा घोषित किया है। इंडियन ऑयल ने लगभग ?36,800 करोड़, बीपीसीएल ने ?23,300 करोड़ और एचपीसीएल ने ?17,000 करोड़ से अधिक का शुद्ध लाभ दर्ज किया। ओएनजीसी का लाभ अलग से है। अर्थात तेल क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनियाँ सामूहिक रूप से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित कर चुकी हैं। यहाँ प्रश्न उठता है कि यदि कंपनियों की बैलेंस शीट लाभ दिखा रही है, तो बार-बार नुकसान की कहानी आखिर किस नुकसान की है?

आमतौर पर जनता को बताया जाता है कि कंपनियों को मार्केटिंग लॉस हो रहा है, इन्वेंटरी लॉस हो रहा है या पुराने महंगे स्टॉक का प्रभाव है। लेकिन बैलेंस शीट का शुद्ध लाभ तो इन सभी मदों को समाहित करने के बाद निकलता है। यदि इन्वेंटरी लॉस था, विदेशी मुद्रा हानि थी, परिचालन जोखिम थे, तो वे सब पहले ही खातों में समायोजित हो चुके हैं। इसके बावजूद यदि कंपनी हजारों करोड़ रुपये का लाभ कमा रही है, तो उपभोक्ता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर वह कौन-सा नया घाटा है जिसका हवाला देकर कीमतें ऊँची रखी जा रही हैं?

सबसे बड़ी विसंगति तथाकथित बाजार आधारित मूल्य निर्धारण में दिखाई देती है। बाजार का नियम तो यह कहता है कि कीमतें ऊपर जाएँ तो उपभोक्ता बोझ उठाए और नीचे आएँ तो उसे राहत मिले। लेकिन भारत में अक्सर ऐसा प्रतीत होता है कि बाजार केवल कीमत बढ़ाने के लिए मौजूद है, घटाने के लिए नहीं। कच्चा तेल महंगा हो तो बाजार का हवाला दिया जाता है, सस्ता हो तो भविष्य की अनिश्चितताओं, निवेश आवश्यकताओं और पूर्व हानियों की चर्चा शुरू हो जाती है।

यह स्थिति किसी ऐसे व्यापारी की तरह है जो हर नुकसान का हिसाब ग्राहक से वसूल ले, लेकिन हर लाभ अपने पास रख ले। यदि जोखिम का पूरा बोझ जनता पर डाला जाएगा, तो लाभ का हिस्सा भी जनता तक पहुँचना चाहिए। यही तो बाजार व्यवस्था का नैतिक आधार है।

सवाल केवल कुछ रुपये प्रति लीटर का नहीं है। सवाल नीति की विश्वसनीयता का है। यदि कच्चे तेल की कीमत में 38 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट के बाद भी उपभोक्ता को उल्लेखनीय राहत नहीं मिलती, और दूसरी ओर तेल कंपनियाँ वित्तीय वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड लाभ घोषित करती हैं, तो जनता का संदेह असंगत नहीं कहा जा सकता।

देश का उपभोक्ता किसी विशेष रियायत की मांग नहीं कर रहा। वह केवल इतना पूछ रहा है कि यदि कीमतें वास्तव में बाजार से जुड़ी हैं, तो बाजार का लाभ उसे कब मिलेगा? क्योंकि अभी जो तस्वीर दिखाई देती है, उसमें घाटे का तर्क सार्वजनिक है और मुनाफे का आनंद निजी।

बाजार की विश्वसनीयता तब बनती है जब उसके नियम सभी पर समान रूप से लागू हों।

इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि पेट्रोल और डीज़ल केवल एक उत्पाद नहीं हैं। वे पूरी अर्थव्यवस्था की लागत निर्धारित करते हैं। ट्रक चलता है तो माल ढुलाई की लागत तय होती है, किसान डीज़ल से सिंचाई करता है तो कृषि लागत तय होती है, उद्योग उत्पादन करता है तो परिवहन और ऊर्जा व्यय जुड़ता है। पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों का प्रभाव अंततः हर वस्तु और सेवा की कीमत पर पड़ता है।

ऐसी स्थिति में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 38 डॉलर प्रति बैरल सस्ता हो चुका है, तो उसका लाभ केवल वाहन मालिकों तक सीमित नहीं रहेगा। इससे माल ढुलाई सस्ती हो सकती है, कृषि लागत कम हो सकती है, उद्योगों की लागत घट सकती है और मुद्रास्फीति पर दबाव कम हो सकता है। दूसरे शब्दों में, ईंधन की युक्तिसंगत कीमतें पूरी अर्थव्यवस्था को गति दे सकती हैं।

इसके विपरीत कीमतों को ऊँचे स्तर पर बनाए रखने का प्रत्यक्ष लाभ मुख्यतः तेल कंपनियों के लाभ और सरकार के कर-संग्रह को मिलता है। अर्थात एक ओर कुछ संस्थाओं की बैलेंस शीट मजबूत होती है, दूसरी ओर करोड़ों उपभोक्ताओं, किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ती है। यहीं नीति का मूल प्रश्न खड़ा होता है।

सरकार का दायित्व किसी कंपनी की लाभप्रदता अधिकतम करना नहीं, बल्कि व्यापक जनहित और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है। यदि तेल कंपनियाँ पहले ही वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ अर्जित कर चुकी हैं, तो यह पूछना अनुचित नहीं कि सस्ते कच्चे तेल का लाभ अब किसे मिलना चाहिए-कुछ कंपनियों को या पूरे देश की अर्थव्यवस्था को?

निस्संदेह तेल कंपनियों को लाभ कमाना चाहिए। वे दान संस्था नहीं हैं। लेकिन किसी भी सार्वजनिक नीति का उद्देश्य कंपनियों के लिए अधिकतम लाभ नहीं, बल्कि नागरिकों और अर्थव्यवस्था के लिए अधिकतम कल्याण होना चाहिए। जब लागत घट रही हो, कंपनियाँ लाभ में हों और फिर भी उपभोक्ता को राहत न मिले, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि नीति का झुकाव आखिर किसकी ओर है।

चढ़ावा चोरी पर 'राजनीति'

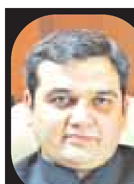

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अयोध्या के श्री राम मन्दिर में चढ़ावा चोरी के मामले में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जिस तरह त्वरित कार्रवाई करके इस तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आठ कर्मचारियों के खिलाफ नामजद पुलिस रिपोर्ट करके उन्हें गिरफ्तार कराया है उससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के विरुद्ध किये गये कृत्य से आहत है और वह हर कीमत पर दोषियों को सजा देना चाहती है। अतः इस चढ़ावा चोरी को लेकर राज्य में राजनीतिक दल 2027 के आसन्न विधानसभा चुनावों को देखते हुए जो आरोप लगा रहे हैं वे बन्द होने चाहिएं और इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। भगवान राम के प्रति श्रद्धा का मामला कोई राजनीतिक विषय नहीं है बल्कि यह विशुद्ध रूप से धार्मिक व आस्था का प्रश्न है। योगी सरकार ने जिस तरह आरोप लगते ही पूरे मामले की जांच के लिए जिस तरह उच्च स्तरीय विशेष जांच दल का गठन किया उसकी भी विपक्षी राजनीतिक दल विशेष रूप से समाजवादी पार्टी आलोचना कर रही है मगर वह यह भूले जा रही है कि जब नब्बे के दशक में अयोध्या में रामभक्त मन्दिर बनाये जाने के लिए आन्दोलन कर रहे थे और यह मांग कर रहे थे कि रामजन्म भूमि जन्म स्थल पर 16वीं सदी में खड़ी की गई बाबरी मस्जिद हटाई जाये तो इसी पार्टी के मुखिया स्व. मुलायम सिंह की सरकार ने उन पर गोलियां चलवाई थीं और कई रामभक्तों को शहीद कर दिया था। अतः इस पार्टी के वर्तमान मुखिया श्री अखिलेश यादव का अब चढ़ावा चोरी के मामले में बढ़-चढ़ कर आरोप लगाना विशुद्ध राजनीति से प्रेरित है और इसमें वह एक अवसर की तलाश कर रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि हिन्दुओं के धार्मिक स्थल पर चढ़े चढ़ावे में घपला करने के आरोप पहली बार लगे हैं। इससे पूर्व दक्षिण भारत के कई प्रसिद्ध हिन्दू तीर्थों में इसी प्रकार का घपला किये जाने के आरोप लगते रहे हैं जिनकी जांच बाकायदा कानूनी दायरे में होती रही है। परन्तु अयोध्या का श्रीराम मन्दिर भारत की जनता द्वारा लगातार पांच सौ वर्षों से अधिक तक किये गये संघर्ष का प्रतीक है अतः यह मामला अलग दृष्टिकोण से देखा जा रहा है जो कि पूरी तरह उचित व तार्किक है। इसीलिए राज्य के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने आगाह किया है कि कुछ लोग रामभक्तों की अग्नि परीक्षा न लें और अनर्गल आरोप लगाना बन्द करें जिनके पास घपले के सन्दर्भ में कोई प्रमाण या साक्ष्य हैं वे विशेष जांच दल को सौंपें। योगी आदित्यनाथ ने आरोपों के लगते ही यह घोषणा की इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होकर रहेगा और आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। अतः इसी क्रम में राम मन्दिर ट्रस्ट के आठ कर्मचारियों को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि ट्रस्ट एक स्वायत्तशासी स्वतन्त्र संस्थान है जिसके कार्य में सरकार का कोई दखल नहीं है। इस ट्रस्ट को 2021 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राम जन्म स्थान के पक्ष में फैसला दिये जाने के बाद केन्द्र सरकार द्वारा गठित किया गया था जिसने मन्दिर का निर्माण कराने के बाद इसके रखरखाव की जिम्मेदारी उठाई अतः अब यह ट्रस्ट की ही जिम्मेदारी बनती है कि वह खुद को पाक-साफ दिखाये। इस सिलसिले में ट्रस्ट के महासचिव श्री चम्पतराय व इसके कोष के कर्ताधर्ता अनिल मिश्रा के इस्तीफा देने की खबरें भी आ रही हैं। अतः यह साफ है कि ट्रस्ट में नैतिक आधार पर जिम्मेदारी लेने की भावना जागृत हो रही है और वह चाहता है कि जांच का काम पूरी शुद्धता के साथ पूरा हो। चूंकि यह मामला विश्व के करोड़ों हिन्दुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है इसलिए राजनीतिक दल इसे अपने लाभ के अवसर में बदलना चाहते हैं और बढ़-चढ़कर आरोप लगा रहे हैं जिसकी वजह से योगी आदित्यनाथ को सचेत करना पड़ा कि जो लोग कल तक भगवान राम के अस्तित्व पर ही सवाल उठा रहे थे और न्यायालयों में रामजन्म भूमि क्षेत्र के विरुद्ध तर्क पर तर्क प्रस्तुत कर रहे थे वे ही आज सबसे आगे बढ़कर आरोप पर आरोप लगा रहे हैं।

मगर दूसरी तरफ श्री योगी आदित्यनाथ का भी यह कर्त्तव्य बनता है कि वे ट्रस्ट की सफाई करने का सघन अभियान चलायें और इसे किसी भी प्रकार के सन्देह से ऊपर रखें क्योंकि जब धर्म व आस्था के केन्द्र में चोरी होती है तो पूरा मानव हृदय भीतर से चीत्कार करने लगता है और उसका विश्वास गहरे तक हिल जाता है। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा की श्रेणी में भी आता है क्योंकि हर वर्ग का श्रद्धालु अपनी गाढ़ी कमाई का एक अंश भगवान को अर्पण करके खुद को धन्य समझता है। उसका यह भाव स्वप्रेरित होता है क्योंकि जब एक गरीब मजदूर भी अपने आराध्य के मन्दिर में जाता है तो उसकी भी इच्छा होती है कि वह भी ईश्वर को कुछ न कुछ जरूर चढ़ाये। अतः इस चढ़ावे में यदि चोरी होती है तो उसका पश्चाताप भी स्वीकार्य नहीं होता। परन्तु चढ़ावा चोरी मनुष्य की उस भौतिक धन लिप्सा का भी प्रतीक है जो उसे ऐसा कृत्य करने के लिए उकसाती है अतः पूरे समाज के लिए भी यह स्थिति शोचनीय है।

बात पते की

खुद ही बचो... कोई नहीं बचाएगा

देव शंकर अवस्थी

अचानक आई आपदा से बचाने यूं तो कई सरकारी महकमे हैं लेकिन घटना के पूर्व आपको अलर्ट करने वाला कोई नहीं। अंधे मोड़ पर सड़क हादसा हुआ तो मदद करने कई दौड़ पड़ेंगे पर अंधे मोड़ को खत्म करने की पहल गंभीरता से नहीं होती। दिल्ली की होटल में आग से 22 लोग मरे तो तंग गलियों में बनीं देशभर की होटलों की छानबीन हो गई। लखनऊ में आग से 15 लोगों के मरने पर यही हुआ। जहां-तहां भवन टटोले जाने लगे। कुछ दिनों तक सबने जांच-पड़ताल की औपचारिकता निभाई और शांत हो गए। यही तो त्रासदी है, खाली पड़े सरकारी भूखंड पर सालों तक अवैध कब्जे होते रहेंगे, तब किसी का ध्यान नहीं जाता। यह अवश्य कि सरकारी नुमाइंदे सड़क, नाली, बिजली, पानी के अलावा सभी प्रकार के कार्ड, राशन आदि सबकुछ मुहैया करा देंगे। ...और फिर बीस साल बाद कहेंगे अतिक्रमण हो गया। समझ नहीं आता जब अट्टालिकाएं खड़ी की जाती हैं, मनमाने तरीके से होटल, अस्पताल, कोचिंग सेंटर खुलते हैं, तब कोई झांकने क्यों नहीं जाता? घटना के होते ही इतने सक्रिय दिखेंगे कि सक्रियता शब्द भी शरमा जाए। हर घटना के बाद ऐसा ही होता है। पहले चेत जाना हमारे सिस्टम में नहीं। पहले आग लगने देंगे, फिर बुझाने दौड़ेंगे, यही हमारी कार्यशैली है। जबलपुर, 97 में भूकंप के बाद तय हुआ भूकंपरोधी मकान बनेंगे। कुछ दिनों तक देखा-सुनी हुई, फिर वही रवैया। अभी ढेरों निर्माण खतरे को आमंत्रण दे रहे लेकिन किसी को कोई मतलब नहीं। सभी पहलुओं पर गौर करें तो एक बात ध्वनित होती है कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा आप स्वयं करिए, आपको अलर्ट करने कोई नहीं आने वाला।

वन्य प्राणियों का भयावह कत्लेआम

कटनी, विजयराघवगढ़ के जंगल में वन्य प्राणियों के सामूहिक कत्लेआम की घटना को सुनकर हर कोई सन्न है। यहां बारह चीतल और दो सांभरों को मारा है। एक तालाब के किनारे चौदह प्राणियों के शव पड़े थे। पास ही मारने-काटने वाले हथियार और तराजू-बांट भी मिले। स्पष्ट है प्राणियों को मारकर मांस बेचने का धंधा भी होता रहा। जिस संख्या में प्राणियों को मारा, उससे लगता है यह काम लंबे समय से बड़े पैमाने पर चल रहा है। सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतनी भयावह घटना हो गई और वन विभाग क्या करता रहा? घटना के हालात देखकर तो यही लगता है कि वन अमले की पहुंच से यह क्षेत्र अछूता रहा। इसमें वन कर्मियों की मिलीभगत से भी इंकार नहीं किया जा सकता। मामले की भयावहता तो यही कहती कि घटना की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

... और अंत में

ये मानसून भी कम नौटंकीबाज नहीं। रहे भी क्यों ना? जो बार-बार आते हैं, वे वीवीआईपी कहलाते हैं, फिर मानसून तो साल में गिने-चुने दिन आता है। पहले विज्ञान जब उतना उन्नत नहीं था, तब लोग परंपरागत मान्यताओं और प्राकृतिक संकेतों के भरोसे मानसून आने का गुणा-भाग लगा लेते रहे। अब तो मौसम विज्ञानियों की राय प्रतिदिन सामने आती है। कभी कहते हैं मानसून छिंदवाड़ा के रास्ते आएगा, कभी मंडला और बालाघाट के रास्ते। किसी दिन पढ़ने मिलता है, मानसून आ ही गया, केवल बरसने की देर है। वह दिन दूर नहीं जब मानसून की वीआईपीगीरी और तेज होती जाए। हमें यह भी पढ़ने मिलेगा मानसून कुंडम रोड से आएगा, समाधि रोड होते हुए पाटन निकल जाएगा। ढाई बजे सदर में बरसने के बाद तीन बजे फुहारा, चार बजे गढ़ा में बरसेगा। लल्लू के घर को गीला करते हुए बगल वाले झम्मू का घर सूखा छोड़ आगे निकल जाएगा।

प्रो. संजय द्विवेदी

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि 'अपनी राजनीति' के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है।

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम 'सेकुलर' नहीं है। उत्तर प्रदेश की 'आदित्यनाथ परिघटना' दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धर्माचार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी। छुट्टियांव मौसमी आयोजन

यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें- नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं।

यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है-राम, रोटी और इंसाफ।

लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। असरे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है। आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है। मोदी,शाह, आदित्यनाथ भरोसे के प्रतीक बन गए। इसका मतलब यह भी है कि ये कुछ कह रहे हैं तो करेंगें भी।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आदित्यनाथ देश की इन्हीं उम्मीदों के चेहरे हैं। तीनों अंग्रेजी नहीं बोलते। तीनों जन-मन-गण के प्रतिनिधि हैं। यह भारतीय राजनीति का बदलता हुआ चेहरा है। क्या सच में भारत खुद को पहचान रहा है ? वह जातियों, पंथों, क्षेत्रों की पहचान से अलग एक बड़ी पहचान से जुड़ रहा है- वह पहचान है भारतीय होना, राष्ट्रीय होना। एक समय में राजनीति हमें नाउम्मीद करती हुयी नजर आती थी। बदले समय में वह उम्मीद जगा रही है। कुछ चेहरे ऐसे हैं जो भरोसा जगाते हैं। एक आकांक्षावान भारत बनता हुआ दिखता है। यह आकांक्षाएं राजनीति दलों के एजेंडे से जुड़ पाएं तो देश जल्दी और बेहतर बनेगा। राजनीतिक विमर्श और जनविमर्श को साथ लाने की कवायद हमें करनी ही होगी। जल्दी बहुत जल्दी। यह जितना और जितना जल्दी होगा भारत अपने भाग्य पर इठलाता दिखेगा।

सड़ रही थी लाशें, अधिकारी ले रहे थे सेल्फी...

वेनेजुएला में भूकंप के बाद सरकारी संवेदनहीनता की हद पार

कराकास

वेनेजुएला में बीते दिनों आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई है। यहां मरने वालों और घायलों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,430 हो गई है, जबकि 3,200 से अधिक लोग घायल हैं और करीब 50,000 लोग अभी भी लापता हैं।

इस विनाशकारी भूकंप में सबसे अधिक ला गुआइरा राज्य प्रभावित हुआ है। यहां हर तरफ मलबे और सड़ते शवों की दुर्गंध फैली हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्राकृतिक आपदाओं के बाद पहले 72 घंटे जीवित लोगों को खोजने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। वह समय अब समाप्त हो चुका है। जीवित लोगों की खोज अब शवों की खोज में बदल गई है।

सेल्फी लेते नजर आए अधिकारी

भूकंप के बीच सरकारी संवेदनहीनता की एक बेहद शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। एक तरफ जहां हजारों लोग मलबे के नीचे दबे हैं, लाशें सड़ रही हैं। वहीं दूसरी तरफ आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने आए सरकारी कर्मचारी और अधिकारी ध्वस्त इमारतों के सामने खड़े होकर सेल्फी खींचते नजर आए।

राहत कार्यों में सरकार द्वारा ढिलाई के बीच हद तो तब हो गई जब सरकार ने सबसे ज्यादा प्रभावित ला गुआइरा क्षेत्र में आम लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया और मलबे से अपनों की जान बचाने के लिए जुटे स्थानीय स्वयंसेवकों के लिए भी सुरक्षित प्रवेश पास (परमिट) लेना अनिवार्य कर दिया। जिसको लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा और कहा कि यहां अधिकारी मदद के लिए सेल्फी लेने के लिए आए थे।

सड़ते शवों की दुर्गंध

भीषण गर्मी में सड़ते शवों की दुर्गंध फैलने के कारण अधिकाधिक लोग मास्क पहने हुए हैं। जो लोग बच गए उनकी कहानियां एक मां को अपनी बेटी का शव कराकस के मुर्दाघर तक ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

बुधवार को ला गुआइरा में उनके घर के मलबे के गिरने से उनकी बेटी और दामाद की मौत हो गई। उन्होंने एएफपी को बताया, हमने उन्हें खुद बाहर निकाला। कोई मदद नहीं आई। शवों के तेजी से सड़ने के कारण दंपति का अंतिम संस्कार बिना किसी शोक सभा के किया जाएगा।

आखिर वे किस बात का इंतजार कर रहे हैं?

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद जहां एक तरफ लोग अपनों को खोने के गम में डूबे हैं, वहीं दूसरी तरफ सरकार और प्रशासन की सुस्ती ने इस दर्द को गुस्से में बदल दिया है।

कैराबलेडा के समुद्रतटीय कस्बे में मलबे के बीच अपनों को तलाश रही माइलेडी रोमेरो ने कहा, वहाँ कल रात से लाशों का ढेर लगा हुआ है। उन शवों में मासूम नवजात शिशु भी हैं। कल रात 8 बजे तक वहां मलबे के नीचे लोग ज़िंदा थे, चिल्ला रहे थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें बचाने की कोई जरूरत ही नहीं समझी। हमने अपने स्तर पर कई लाशें बाहर निकाली हैं, लेकिन उन्हें निकालने में भी अधिकारियों ने हमारी कोई मदद नहीं की। आखिर वे किस बात का इंतजार कर रहे हैं।

हालांकि, अमेरिकासहित 21 देश राहत दल खोज अभियान में जुटे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार इस आपदा से करीब 67 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

फ्रांस में हीटवेव के दौरान 1000 से ज्यादा लोगों की मौत

तापमान 45 डिग्री के पार, सबसे ज्यादा बुजुर्ग प्रभावित

पेरिस

फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को कहा कि रिकॉर्ड तोड़ने वाली गर्मी की लहर के दौरान उम्मीद से लगभग 1,000 ज्यादा मौतें हुईं। इस हीटवेव ने पिछले कई दिनों से पश्चिमी यूरोप के बड़े हिस्से को झुलसा दिया है।

पब्लिक हेल्थ फ्रांस ने एक बयान में कहा, 24 जून के बाद से पिछले महीनों में दर्ज मौतों की तुलना में लगभग 1,000 अतिरिक्त मौतें देखी गई हैं। एजेंसी ने कहा कि गर्मी के लिए रेड अलर्ट वाले इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं और मरने वालों में 85 प्रतिशत लोग 65 साल या उससे ज्यादा उम्र के थे।

घरों में मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी

एजेंसी के मुताबिक, सबसे ज्यादा बढ़ोतरी घरों में मरने वालों की संख्या में देखी गई। खासकर इले-डी-फ्रांस इलाके में जिसमें पेरिस और उसके आस-पास के इलाके शामिल हैं।

बयान में कहा गया, यह बात हमें याद दिलाती है कि जो लोग अकेले हैं या बहुत ज्यादा अकेलेपन का सामना कर रहे हैं जिनमें बहुत ज्यादा शहरी इलाकों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं उनके प्रति एकजुटता दिखाने और मदद के उपाय करने की जरूरत है।

रविवार को गर्मी से मिली हल्की राहत

एजेंसी ने जोर देकर कहा कि ये आंकड़े शुरुआती हैं और हो सकता है कि ये असल संख्या से कम हों। कई दिनों तक भीषण गर्मी और कई इलाकों में तापमान के 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने के बाद रविवार को पूरे फ्रांस में गर्मी से कुछ राहत मिली।

बंगाल के उत्तरी इलाकों और भूटान में मूसलाधार बारिश, नदियां उफान पर

सिलीगुड़ी, (वार्ता)। पश्चिम बंगाल के उत्तरी पहाड़ी इलाकों और विशेष रूप से भूटान में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कई नदियों का पानी तटबंधों को तोड़कर बाहर आ गया है, जिससे जलपाईगुड़ी के मध्य द्वार इलाके और आस-पास के इलाकों में भारी बाढ़ की स्थिति बन गयी है। राज्य के अलीपुरद्वार जिले के जयगांव में तोर्सा नदी पर बना अस्थायी रास्ता रविवार को बह गया। इससे भारत-भूटान के बीच वाहनों की आवाजाही ठप हो गयी है। मौजूदा पुल को भारी वाहनों के लिए असुरक्षित घोषित किये जाने के बाद पिछले वर्ष इस अस्थायी रास्ते का निर्माण किया गया था, ताकि भारी गाड़ियां आ-जा सकें। हालांकि, मूल पुल से हल्के वाहनों का आना-जाना अब भी जारी है। रात भर हुई भारी बारिश के बाद भारत-भूटान को जोड़ने वाली सड़क पानी में डूब गयी है, जिससे आवागमन गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और मूसलाधार बारिश का अनुमान जताया है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। जलपाईगुड़ी जिले के बानरहाट में स्थानीय प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में रहने वाले निवासियों से अपने महत्वपूर्ण दस्तावेजों और जरूरी सामान के साथ सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। इस इलाके में पिछले वर्ष मानसून के दौरान भी भारी बाढ़ आयी थी।

अखिलेश ने भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और आरक्षण घोटाले का लगाया आरोप

प्रयागराज, (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को प्रयागराज में प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश सरकार पर भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितता, पेपर लीक और आरक्षण में घोटाले का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के कार्यकाल के दस वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन युवाओं, छात्रों और पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग के साथ न्याय नहीं हुआ।

अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान के तहत मिलने वाले अधिकारों और सम्मान के साथ संगठित तरीके से खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी की ओर से जारी पीडीए आरक्षण घोटाला ऑडिट में 22 भर्ती परीक्षाओं में आरक्षण संबंधी अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है, लेकिन सरकार ने अब तक किसी भी आरोप का जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि हाल ही में अयोध्या को लेकर जारी समाजवादी ऑडिट-2 – रामनगरी में गोरखधंधा पुस्तिका में भी कई सवाल उठाए गए हैं, जिनका जवाब सरकार नहीं दे रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया का क्रम विज्ञापन, परीक्षा, पेपर लीक, न्यायालय, लाठीचार्ज और भर्ती रद्द होने तक सीमित होकर रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दरोगा भर्ती, नलकूप चालक भर्ती, टीईटी, हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा, सिपाही भर्ती, आरओ-एआरओ, नीट-पीजी और लेखपाल भर्ती सहित कई परीक्षाएं पेपर लीक की घटनाओं से प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि दरोगा भर्ती छह वर्ष तक लंबित रही। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर अभ्यर्थियों को उम्र सीमा में छूट दी जाएगी, जैसा पहले भी किया गया था। साथ ही प्रत्येक भर्ती के लिए वार्षिक भर्ती कैलेंडर जारी किया जाएगा। परीक्षार्थियों को उनके निकटतम परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराए जाएंगे तथा महिला और दिव्यांग अभ्यर्थियों को गृह जनपद में परीक्षा देने की सुविधा दी जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जाएगा। पेपर सेटिंग, प्रिंटिंग, परिवहन, स्ट्रांग रूम और परीक्षा केंद्र तक पूरी प्रक्रिया की सीसीटीवी और डिजिटल ट्रैकिंग के माध्यम से निगरानी की जाएगी। पेपर लीक के दोषियों के विरुद्ध फास्ट ट्रैक अदालतों के माध्यम से त्वरित कार्रवाई कर कठोर दंड सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यदि प्रशासनिक या अन्य कारणों से परीक्षा दोबारा करानी पड़े तो अभ्यर्थियों को निःशुल्क परीक्षा देने की व्यवस्था की जाएगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग पहले नेशन फर्स्ट की बात करते थे, उनके लिए अब डोनेशन फर्स्ट हो गया है।

हिजबुल्लाह ने इजराइल-लेबनान समझौते को खारिज किया

दोहा, (स्पूतनिक/वार्ता)। हिजबुल्लाह के प्रमुख नईम कासिम ने भारतीय समयानुसार शनिवार देर रात कहा है कि अमेरिका में लेबनान-इजरायल के बीच हुआ समझौता उन्हें मंजूर नहीं है। उन्होंने इसे संप्रभुता का नुकसान बताया। इससे पहले शुक्रवार को लेबनान-इजरायल के प्रतिनिधियों ने वॉशिंगटन में अमेरिका की मध्यस्थता में एक प्रारूप समझौता पर हस्ताक्षर किया था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करना है। लेबनानी टीवी चैनल अल-मनार पर प्रसारित वीडियो संदेश में कासिम ने कहा, हमें यह समझौता स्वीकार नहीं है। ईरान-अमेरिका के बीच हुए सहमति पत्र (एमओयू) के प्रावधानों को लागू किया जाना चाहिए। वाशिंगटन में हुआ यह प्रारूप समझौता अपमान, शर्मनाक और संप्रभुता को खोने जैसा है। उन्होंने कहा कि इजरायली सैनिकों की वापसी को हिजबुल्लाह के निरस्त्रीकरण से जोड़ने का प्रावधान बेहद खतरनाक प्रस्ताव है। इसने तमाम दायरों को पार कर दिया है। इससे एक दिन पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मध्यस्थता में लेबनान की संप्रभु सरकार और इजरायल सरकार के बीच एक प्रारूप समझौते की घोषणा की गयी थी। इस समझौते से दक्षिणी लेबनान में सक्रिय मुख्य सैन्य बल हिजबुल्लाह को बाहर रखा गया था।

बंगाल में दंगाइयों से वसूल होगी संपत्ति के नुकसान की भरपाई

कोलकाता, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी सरकार हिंसक विरोध-प्रदर्शनों, दंगों, राजनीतिक प्रदर्शनों और तोड़-फोड़ की घटनाओं में शामिल लोगों को आर्थिक रूप से जवाबदेह ठहराने के मकसद से एक सख्त कानूनी ढांचा लाने जा रही है। इसके तहत अधिकारियों को सार्वजनिक और निजी संपत्ति को हुए नुकसान के लिए सीधे आरोपियों से वसूलने का अधिकार मिलेगा।प्रस्तावित बदलावों के तहत ब्याज सहित बकाया राशि की वसूली की जा सकेगी और प्रशासन को ज़मीन के लगान की वसूली जैसी प्रक्रियाओं के ज़रिए बकाया राशि वसूलने का अधिकार भी मिलेगा। पश्चिम बंगाल सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने (संशोधन) विधेयक, 2026 को सोमवार को विधानसभा में पेश किया जाना है। अगर यह विधेयक पास हो जाता है, तो इसमें एक स्वतंत्र संस्था बनाने का प्रावधान होगा।

दावों के निस्तारण के लिए गठित आयोग हिंसा की घटनाओं के दौरान हुए नुकसान का आकलन करेगा, इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान करेगा और उनसे वसूले जाने वाले मुआवजे की राशि निर्धारित करेगा।

प्रस्तावित विधेयक के प्रावधानों के तहत आगजनी, तोड़फोड़, विध्वंसक गतिविधियों, अवैध जमावड़ा, दंगा, भीड़ हिंसा, प्रदर्शन और सार्वजनिक शांति भंग करने वाली ऐसी घटनाओं से सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति को हुए नुकसान के मामलों में मुआवजे का दावा प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इस कानून के दायरे में सड़कें, पुल, सरकारी दफ्तर, बसें, ट्राम, अस्पताल, शिक्षण संस्थान और नागरिक सुविधा वाली संपत्तियां, साथ ही दुकानें, घर, कारखाने, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और निजी स्वामित्व वाली अन्य संपत्तियां भी शामिल होंगी।

विधेयक में यह भी प्रस्ताव है कि आर्थिक जवाबदेही केवल उन लोगों तक सीमित नहीं होगी जो सीधे तौर पर तोड़-फोड़ की घटनाओं में शामिल थे। ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों को संगठित करने, उकसाने, फंडिंग करने, समर्थन देने या उन्हें पनाह देने के आरोपी व्यक्तियों को भी मुआवज़े के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है।

सरकारी विभागों और एजेंसियों को नुकसान के बारे में ज़िला अधिकारियों को रिपोर्ट देनी होगी, जिसके आधार पर मुआवज़े के दावे प्रस्तावित कमीशन के सामने रखे जाएंगे। जिन निजी लोगों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, वे भी मुआवज़े के लिए सीधे कमीशन से संपर्क कर सकेंगे।

प्रस्तावित दावा आयोग को सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां दी जाएंगी, जिनमें गवाहों को बुलाना, रिकॉर्ड मंगाना, सरकारी दस्तावेज़ों की जांच करना, साइट का निरीक्षण करना और नुकसान का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों को शामिल करना शामिल होगा।

इसके लिए जरुरत पड़ने पर इंजीनियरों, मूल्यांकनकर्ताओं और अन्य विशेषज्ञों से भी परामर्श लिया जा सकता है। मुआवजे की राशि निर्धारित करते समय आयोग संपत्ति के बाजार मूल्य, क्षति की प्रकृति, मरम्मत लागत, आरोपी व्यक्तियों को घटना से जोड़ने वाले साक्ष्य, फोटो, वीडियो, पुलिस रिपोर्ट और अन्य प्रासंगिक सामग्री पर विचार करेगा।

विधेयक में दंडात्मक हर्जाने का भी प्रावधान है, जो वास्तविक नुकसान के अतिरिक्त लगाया जा सकता है, लेकिन मूल क्षति की राशि के दोगुने से अधिक नहीं होगा।

7 साल के बच्चे को रोज खिलाते थे चिप्स और फ्रेंच-फ्राइज, 115 किलो वजन होने से हुई मौत

वाशिंगटन

बच्चों के खान-पान में लापरवाही का खौफनाक मामला अमेरिका से सामने आया है, जहा मिशिगन में कैस्पर ओब्रायन नाम के एक 7 साल के बच्चे अत्यधिक मोटापे के कारण मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मृतक बच्चे के माता-पिता को गिरफ्तार किया है और दोनों को बच्चे की मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

दरअसल, डेमियन ओब्रायन और जेसिका ओब्रायन के बच्चे कैस्पर ओब्रायन की महज 7 साल में वजन करीब 115 किलो पहुंच चुका था। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। फॉरेंसिक रिपोर्ट के अनुसार, बच्चे के माता-पिता उसे रोजाना खाने में सिर्फ चिप्स, फ्रेंच फ्राइज, एपल जूस और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स (सोडा) देते थे, जिससे उसकी सेहत पूरी तरह बिगड़ गई और उसका वजन बढ़कर 115 किलो पहुंच गया। अत्यधिक मोटापे के कारण उसकी नवंबर 2025 में उसकी जान चली गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के माता-पिता ने उसके सेहत पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण उसको सही खाना नहीं मिला और न ही वह सही एक्सरसाइज किया। इसके साथ ही आरोप है कि परिवार के पास हेल्थ कवरेज होने के बावजूद बच्चे का कभी मेडिकल ट्रीटमेंट नहीं कराया गया।

गौरव खन्ना-आकांक्षा चमोला की राहें जुदा, एक्ट्रेस ने लॉक अप 2 में किया तलाक का ऐलान

टीवी के सुपरस्टार और बिग बॉस 19 विनर गौरव खन्ना और उनकी पत्नी एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला शादी के 10 साल बाद तलाक लेने जा रही हैं। दरअसल, आकांक्षा चमोला ने लॉक अप सीजन 2 के प्रीमियर पर इस बात पर मोहर लगा दी है कि दोनों ही पिछले एक साल से अलग-अलग रह रहे हैं। रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 के प्रीमियर में एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने कहा, मैं और गौरव तलाक ले रहे हैं। हम पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और यह बात पब्लिक नहीं हुई थी। मेरे और गौरव के बीच हालात खराब नहीं हैं। हम अभी भी एक-दूसरे से बात करते हैं। हमें नहीं लगता कि हम पार्टनर के तौर पर एक-दूसरे के लिए सही हैं क्योंकि हम दोनों का भविष्य को लेकर नजरिया बहुत अलग है और वो फ्यूचर एक दूसरे के साथ नहीं है। इसके बाद आकांक्षा ने बताया कि उनकी फैमिली ने बताया की कि वे एक-दूसरे को थोड़ा और टाइम दे लेकिन बात नहीं बनीं। दोनों की कपल अलग होने जा रहे हैं। आकांक्षा के इस खुलासे के बाद, लोगों का ध्यान बिग बॉस 19 की बातें याद आ गई है। दरअसल, आकांक्षा का बयान सामने आने के कुछ ही समय बाद, बिग बॉस 19 से गौरव खन्ना का एक पुराना क्लिप ऑनलाइन वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बताया था कि शुरुआत में पिता बनने की इछा होने के बावजूद, उन्होंने अपनी पत्नी के फैसले का सम्मान किया। बिग बॉस 19 में मृदुल के साथ बातचीत के दौरान, गौरव ने बताया कि हालांकि वे कभी बचे चाहते थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने आकांक्षा के फैसले को स्वीकार कर लिया। इतना ही नहीं, जब बिग बॉस 19 शो का फैमिली वीक आया, तो घर में आकांक्षा आई थीं तब उन्होंने भी इस बारे में खुलकर बात रखीं थी। उन्होंने बताया था कि उन्हें कभी भी बचे पैदा करने की इछा नहीं हुई और उन्हें नहीं लगता है कि वह बचे की परवरिश की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार है। एक्ट्रेस अपने करियर और महत्वाकांक्षाओं पर यादा ध्यान देती हैं। इसके अलावा, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला ने कई सालों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 24 नवंबर, 2016 को कानपुर में शादी की थी।

बेबी डू डाई डू का गाना इश्क कमीना

आगामी फिल्म बेबी डू डाई डू का नया गाना इश्क कमीना रिलीज कर दिया गया है। गाने के रिलीज होने पर अभिनेता रचित सिंह ने इसे अपने करियर का खास पल बताते हुए सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया है। रचित सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, कुछ एहसास ऐसे होते हैं जिन्हें शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। जब यह आइकॉनिक गाना हमारी फिल्म से जुड़ा, हम सभी छोटे बचों की तरह खुश और उत्साहित हो गए। शाहरुख खान सर और ऐश्वर्या राय बचन मैम से जुड़े इस गाने का हिस्सा बनना किसी सपने के सच होने जैसा है। मैं खुद को भगवान का आशीर्वाद प्राप्त मानता हूं। हमेशा से उनका प्रशंसक रहा हूं। रचित सिंह ने कहा कि भारतीय सिनेमा के दो बड़े सितारों से जुड़े प्रतिष्ठित गीत का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व और खुशी की बात है। उनका यह संदेश शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय बचन के प्रति उनके सम्मान और प्रशंसा को भी दर्शाता है। इश्क कमीना के रिलीज के साथ ही बेबी डू डाई डू को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म 03 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

डॉ. महेश कुमार और यामिनी सिंह की भोजपुरी फिल्म भोज का ट्रेलर रिलीज

भोजपुरी अभिनेता डॉ. महेश कुमार और अभिनेत्री यामिनी सिंह अभिनीत भोजपुरी फिल्म भोज का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज कर दिया गया है। सेफसी अंचन ग्रुप के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता डॉ. एस. वी. अंचन और प्रभावती पटने हैं। फिल्म की कहानी देश के प्रख्यात लेखक डॉ. अतुल पटने ने लिखी है, जबकि पटकथा और संवाद अनिल विश्वकर्मा ने तैयार किए हैं। फिल्म का निर्देशन चंदन सिंह ने किया है, जबकि क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में धीरू यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फिल्म में डॉ. महेश कुमार और यामिनी सिंह के अलावा अवधेश मिश्रा, राम सुजान सिंह, महेश आचार्य, समर्थ चतुर्वेदी, तमन्ना मौर्य, सुबोध सेठ और मनोज द्विवेदी सहित कई कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत अमन श्लोक ने दिया है, जबकि गीत स्वर्गीय राजेश मिश्रा, अनिल विश्वकर्मा, अनूप मिश्रा और शेखर मधुर ने लिखे हैं।

फिल्म के ट्रेलर के साथ इसके सामाजिक संदेश की भी चर्चा हो रही है। प्रचार अभियान के तहत भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के समर्थन में दर्शकों से मिस्ड कॉल के माध्यम से अभियान से जुड़ने की अपील की गई है।

वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के प्रबंध निदेशक रत्नाकर कुमार ने कहा कि भोज केवल एक मनोरंजक फिल्म नहीं,

रामायण हमें कैसे रहना, गीता जीवन जीने का रास्ता दिखाती है : श्रीधर

गण नायक फाउंडेशन ने किया अभिनंदन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा है कि मौजूदा समय में गांधी जी और आचार्य विनोबा भावे की प्रासंगिकता है। समाज में आ रहे बदलाव के साथ नयी पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हमारा दायित्व है। श्रीधर यहां पीजी कॉलेज के सभाकक्ष में शहर के गणमान्यजनों से संवाद कर रहे थे। हाल ही में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा राष्ट्रपति के मुख्य आतिथ्य में हुए दीक्षांत समारोह में श्री श्रीधर को डी.लिट.की मानद उपाधि दिए जाने के बाद गणनायक फाउंडेशन ने विचार-विमर्श और संक्षिप्त अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजित किया था। इस मौके पर उन्होंने बताया कि समूचे विश्व में गांधी के प्रति आदर है। इसी वजह से संयुक्त राष्ट्र संघ 2 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस मनाता है और लगभग 100 से ज्यादा देशों ने अपने यहां गांधी जी की याद में

डाक टिकट जारी किए हैं। उन्होंने सरदार पटेल की दृढ़ता और व्यावहारिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि उसे समय लोग इसलिए उन्हें विश्वसनीय और संकल्प वाला नेता मानते थे। उन्होंने कहा कि रामायण हमें कैसे रहना है सिखाती है।

भगवत गीता हमें जीवन जीने का रास्ता दिखाती है तो महाभारत यह बताता है कि हमें क्या नहीं करना चाहिए। अब लोगों को सर्वधर्म समभाव के साथ जीने की जरूरत है। उन्होंने उपस्थित जनों से आग्रह किया कि संविधान में सर्वधर्म समभाव की भावना आना चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश सोनी ने सामाजिक सरोकारों के लिए श्री श्रीधर के उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने कहा कि जिले के लिए सौभाग्य की बात है कि किसी व्यक्ति को पद्मश्री व डी.लिट.की मानद उपाधि मिली है। हम उनका अभिनंदन करते हैं। नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, रेडक्रॉस समिति के चेयरमैन डॉ. अनंत दुबे, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, ब्रह्माकुमार मुकेश नेमा, अजय तुलसी, श्रीमती दीप्ति कुशवाह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सुशांत पुरोहित तथा आभार व्यक्त डॉ बृजेश शर्मा ने किया।

इन्होंने किया स्वागत,अभिनंदन

स्वागत उद्बोधन प्राचार्य डॉ. आरबी सिंह ने दिया। गणित विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश कुमार सोनी ने महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया।इस अवसर पर महाविद्यालय गणनायक फाउंडेशन, जिला अधिवक्ता संघ, अटल नपा अधिकारी -कर्मचारी संघ, हिंदी साहित्य सम्मेलन, जिला अशासकीय स्कूल संघ,सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद श्रीमती विवेक पांडे, श्रीमती, नंदिता चौबे, श्रीमती नीता भारद्वाज, श्रीमती मंजू दुबे, श्रीमती सपना शर्मा समेत विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों ने अभिनंदन पत्र, शाल, श्रीफल आदि से श्री श्रीधर का अभिनंदन किया।

ये भी रहे मौजूद

कार्यक्रम में मुख्य तौर पर आचार्य थम्मन शर्मा, डॉ आरएस शर्मा, एसके चतुर्वेदी, फल सब्जी विक्रेता संघ के जिला अध्यक्ष जसवीर सिंह छाबड़ा, संजय जैन, नीलेश जाट, एड सुलभ जैन, सुधेश वैध, शरद शर्मा, अभिषेक शर्मा, योगेश गुप्ता, जिला ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के सचिव लाल साहब जाट, नीरज सराफ, अजय गिरदोनिया, इंजी साकेत नगरिया, आनंद नेमा, अजय मालवीय, जितेंद्र दुबे,गोविंद दुबे, इल्यास राईन, नीरज राय पप्पी, राजीव कटारे, शरद नेमा, साहित्यकार बेणी शंकर पटेल, बीपी मालवीय, अमित विश्वकर्मा आदि की मौजूदगी रही।

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने किया ग्राम नोनी करेली कलां में पौधरोपण

नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत 22 एकड़ क्षेत्र को हरित क्षेत्र में विकसित करने का कार्य प्रगतिरत

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने ग्राम नोनी करेली कलां में नर्मदा जी के सिद्ध घाट पर पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों व स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता से करीब 600 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान 66 चंदन के पौधों का विशेष रूप से रोपण किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनसंकल्प का प्रतीक है। मंत्री श्री पटेल ने लगभग 3 एकड़ क्षेत्र में स्थानीय स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित मधुमक्खी पालन का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर विधायक श्री महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत ग्राम नोनी करेली कलां में 22 एकड़ भूमि को सुरक्षित कर उसे विकसित हरित क्षेत्र में परिवर्तित करने का महत्वाकांक्षी कार्य प्रगति पर है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेंद्र सिंह नागेश ने बताया कि नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत नर्मदा तट पर पॉलीथिन प्रतिबंधित, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष स्वीकृत 38 कार्यों के अंतर्गत आगामी 18 दिवस में व्यापक स्तर

पर पौधरोपण किया जाएगा तथा स्थल की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग आदि कार्य भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किए जाएंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र विस्तार के इस अभियान में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पिलाई गई पल्स पोलियो की दवा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में रविवार को रेडक्रास सोसयाटी नरसिंहपुर के चेयरमेन डॉ. अनंत दुबे, श्री सुनील कोठारी व अन्य चिकित्सकों ने जन्म से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। यह अभियान जिले में 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने सभी अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने पांच वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाएं। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमेन डॉ. अनंत दुबे ने कहा कि दो बूंद जिंदगी की बच्चों के स्वस्थ, सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। श्री सुनील कोठारी ने कहा कि समय पर टीकाकरण एवं पल्स पोलियो अभियान में सहभागिता से ही बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सकता है। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के वाइस चेयरमैन श्री प्रमेश शंकर शर्मा, श्री लाल साहब जाट, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजकुमार चौधरी, डॉ. ए.आर. मरावी, डॉ. जी.पी. भानारिया, डॉ. विनय ठाकुर, डॉ. राहुल नेमा, श्री प्रशांत कुमार सोनी, डॉ. राजेंद्र डेहरिया, श्री पंकज वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। पल्स पोलियो अभियान के तहत जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में तहसीलदार श्री अमित रिनाहते ने भी 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को दवा पिलाई।

इस अवसर पर उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि वे पोलियो बूथ पर जाकर अपने नवजात से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की दवा जरूर पिलाएं। जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के द्वारा घर- घर जाकर भी बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई।

मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ वरिष्ठजन सम्मान समारोह संपन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला कायस्थ सभा नरसिंहपुर द्वारा कायस्थ समाज के मेधावी छात्र/छात्राओं का सम्मान विगत दिवस श्रीदेव चित्रगुप्त मंदिर में आयोजित हुआ। जिसमें कक्षा दसवीं एवं बारहवी में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को मेडल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि गुरु सक्सेना ने सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाओं देते हुए सभा के द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। आपने आगे कहा कि- प्रत्येक क्षेत्र में जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पत्रकारिता, न्याय, बैंकिंग, राजस्व आदि में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान भी सभा

द्वारा किया जाना चाहिए। जिसे उपस्थित सजातीय बंधुओं ने करतल ध्वनि से स्वागत योग्य बताया। अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने मेधावी बच्चों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महिला कायस्थ सभा की ओर से श्रीमती स्मृति श्रीवास्तव ने सभा द्वारा किये जा रहे विविध आयोजनों की रूपरेखा से सभी को अवगत कराया। आयोजन में अजय श्रीवास्तव, डॉ. अनुराग वर्मा, विवेक सक्सेना, आशुतोष वर्मा, अमित खरे, स्मृति श्रीवास्तव, सुश्री कल्पना वर्मा, सुनील खरे, ब्रजेश श्रीवास्तव, शिरीष वर्मा, संतोष श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, मदन श्रीवास्तव ने अपने अपने परिजनों की स्मृति में स्वयं उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। वीरेन्द्र खरे द्वारा अपने परिजन की स्मृति में वरिष्ठ जनों को उनकी दीर्घकालीन सेवा पर सम्मान पत्र व छाता प्रदान कर सम्मानित किया। ये हुए सम्मानित- कक्षा दसवीं से अनुष्का श्रीवास्तव, प्रतिज्ञा श्रीवास्तव, अदिति वर्मा, दीक्षा ब्यौहार, युग श्रीवास्तव, आरुषि श्रीवास्तव, अनन्या सक्सेना। कक्षा बारहवीं से भारती श्रीवास्तव, आदि खरे, पार्थ श्रीवास्तव, सृष्टि श्रीवास्तव,खेल के क्षेत्र में संस्कार सक्सेना को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष वर्मा द्वारा व आभार सुनील खरे द्वारा किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर एड. विष्णु श्रीवास्तव, प्रवीण ब्योहार, डा विवेक सक्सेना, वीरेंद्र खरे, अमित श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, बसंत श्रीवास्तव, देवेन्द्र श्रीवास्तव, संतकुमार श्रीवास्तव, श्रीमती रंजीता श्रीवास्तव (गोटेगांव), सरोज सक्सेना, मोनिका श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव, अनिता श्रीवास्तव की उपस्थिति रही।

विशाल जनक्रांति आंदोलन में उमड़ा जनसैलाब

9 सूत्रीय मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे हजारों अन्नदाता

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गाडरवारा में शनिवार को राष्ट्रवादी किसान आंदोलन के नेतृत्व में किसानों का विशाल जनक्रांति आंदोलन शुरू हुआ। अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर हजारों किसान कृषि उपज मंडी प्रांगण में एकत्रित हुए और अपनी आवाज बुलंद की।

आक्रोशित किसानों ने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों एवं बैलगाड़ियों के साथ विशाल रैली निकाली। मंडी प्रांगण से शुरू हुई यह रैली नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां किसानों ने अपनी मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि क्षेत्र की मुख्य फसल मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने, नियमित बिजली आपूर्ति सहित किसानों से जुड़ी अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग रखी गई।

किसानों का कहना था कि उनकी मांगें पूरी तरह न्यायोचित हैं

और सरकार द्वारा की गई घोषणाओं के अनुरूप हैं। किसानों ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब इन्हीं मुद्दों को लेकर चुनावों के दौरान वादे किए गए थे तो अब जिम्मेदार लोग किसानों की समस्याओं पर चुप क्यों हैं।

आंदोलन को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरा प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। प्रशासन की ओर से मिले आश्वासन के बाद किसानों ने आगामी 15 दिनों के अल्टीमेटम के साथ आंदोलन स्थगित कर दिया।

अब किसानों की मांगों पर प्रशासन और सरकार की आगामी कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

रेलवे स्टेशन पर पिलाई पल्स पोलियो की दवा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

पल्स पोलियो दिवस के अवसर पर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक, समाजसेवी एवं रोटरी के पूर्व असिस्टेंट गवर्नर ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

विगत 41 वर्षों से राष्ट्रीय पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान से जुड़े हुए उन्होंने आज गाडरवारा नगर के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों के पोलियो बूथों, शासकीय अस्पताल में नवजात शिशुओं, तथा बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक

स्थलों पर पहुँचकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई तथा राष्ट्रीय पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मंत्री प्रहलाद पटेल ने गोटेगांव में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रविवार को सिविल अस्पताल गोटेगांव में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने जन्म से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इस दौरान जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और अस्पताल का स्टाफ मौजूद था। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यद्यपि देश ने पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, तथापि पड़ोसी देशों में पोलियो के मामले सामने आने के कारण निरंतर सतर्कता एवं सक्रिय जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर एवं दिव्यांगता उत्पन्न करने वाली बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए यह आवश्यक है कि जन्म से 5 वर्ष तक की आयु का प्रत्येक बच्चा पल्स पोलियो अभियान के दौरान पोलियो की दो बूंद अवश्य ग्रहण करे। मंत्री श्री पटेल ने जिले के समस्त अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं तथा राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

विधायक विश्वनाथ पटेल ने पिलाई पोलियो की खुराक

नरसिंहपुर। विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने रविवार को पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला रीछा में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। विधायक श्री पटेल ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की कि वे जन्म से 5 वर्ष तक की आयु के अपने सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री धनंजय पटेल, बीएमओ श्री राजकिशोर कौरव, श्री एच.एस. ठाकुर, श्री विनोद प्रजापति, श्री हेमंत सोनी, चंदा थापा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अभिभावकों से अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील

शिक्षा, संस्कार, अनुशासन, समाज निर्माण का सशक्त आधार-आचार्य

महाविद्यालय में डॉ. आचार्य का विदाई समारोह संपन्न

करेली।

आदर्श शिक्षण समिति द्वारा संचालित महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य, रीवा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के वर्तमान कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य के महाविद्यालय में कार्यकाल पूर्ण होने पर शनिवार को गरिमामय सेवानिवृत्ति एवं विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आदर्श शिक्षण समिति के अध्यक्ष मधुसूदन पालीवाल, पूर्व प्राचार्य डॉ. यू.सी. विश्वकर्मा, संजीव खजांची, समिति के सचिव राजीव अग्रवाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.के. अग्रवाल तथा प्रशासक डॉ. संजीव चौबे सहित आदर्श शिक्षण समिति एवं मित्र मिलन संस्था के

पदाधिकारी एवं सदस्य, नगर के वरिष्ठ पत्रकार, गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता कर डॉ. आचार्य का आत्मीय अभिनंदन किया।

पद्मश्री श्रीधर का सम्मान

इस अवसर पर आदर्श शिक्षण समिति एवं मित्र मिलन संस्था द्वारा मुख्य अतिथि पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर का भी शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं डॉ. राजकुमार आचार्य के सम्मान में तैयार सम्मान-पत्र का विधिवत वाचन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एके अग्रवाल द्वारा किया गया किया गया, जिसमें शिक्षा, प्रशासन और समाज के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान का विस्तार से उल्लेख किया गया।

अपने उद्बोधन में डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि, च्महात्मा गांधी महाविद्यालय मेरे लिए केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि मेरा परिवार है। यहाँ बिताया गया प्रत्येक क्षण मेरे जीवन की अमूल्य धरोहर रहेगा। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और समाज निर्माण का सशक्त आधार है।ज्ञ उन्होंने महाविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी से शिक्षा की गुणवत्ता और संस्थान की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

दूरदर्शी व प्रेरणादायी नेतृत्वकर्ता

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, अध्यक्ष मधुसूदन पालीवाल, पूर्व प्राचार्य डॉ. यू.सी. विश्वकर्मा, समिति के सचिव राजीव अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. ए.के. अग्रवाल, प्रशासक डॉ. संजीव चौबे तथा अन्य वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में डॉ. राजकुमार आचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एक उत्कृष्ट शिक्षाविद, कुशल प्रशासक, अनुशासन प्रिय, दूरदर्शी एवं प्रेरणादायी नेतृत्वकर्ता बताया। वक्ताओं ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में महाविद्यालय ने शिक्षा, शोध, गुणवत्ता एवं संस्कारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं तथा उनका योगदान सदैव प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

शिक्षा, शोध और अनुशासन

समारोह में वक्ताओं ने डॉ. आचार्य के उत्कृष्ट शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं नेतृत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में महाविद्यालय ने शिक्षा, शोध और अनुशासन के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कीं। अतिथियों ने उन्हें शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल भविष्य की मंगलकामनाएँ दीं।कार्यक्रम का वातावरण आत्मीयता, सम्मान और भावनाओं से ओत-प्रोत रहा। अंत में महाविद्यालय परिवार ने डॉ. राजकुमार आचार्य को भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का मंच संचालन महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ पंकज नेमा ने किया।

जिले को मिली गारमेंट क्लस्टर की सौगात

मुख्यमंत्री ने टिकरिया-कैलवारा में किया ऑनलाइन भूमिपूजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित 'सशक्त उद्यमी, समृद्ध मध्यप्रदेश' समिट के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कटनी जिले को रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने टिकरिया-कैलवारा औद्योगिक क्षेत्र में 445.85 लाख रुपये की लागत से लगभग 2.98 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होने वाले रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर का ऑनलाइन भूमिपूजन किया। साथ ही जिले की 55 औद्योगिक इकाइयों को 13.20 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके खातों में अंतरित की।

कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभाकक्ष से मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल, कलेक्टर आशीष तिवारी, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, महाप्रबंधक उद्योग एवं व्यापार ज्योति सिंह, प्रबंधक राजेश पटेल तथा जिले के उद्यमी एवं उद्योगपति वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल संवाद के दौरान विधायक संदीप जायसवाल से कटनी के औद्योगिक विकास को लेकर चर्चा की और उनके प्रयासों की सराहना की। विधायक ने बताया कि गारमेंट क्लस्टर के प्रथम चरण में 67 औद्योगिक प्लॉट विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें से लगभग 50 से 60 प्लॉटों के लिए उद्यमियों की सहमति मिल चुकी है। इस परियोजना से 600 से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने के साथ जिले में रेडीमेड वस्त्र उद्योग को नई पहचान मिलेगी। विधायक जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की एमएसएमई प्रोत्साहन योजना-2025 प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। योजना के तहत नई औद्योगिक इकाइयों को प्लांट एवं मशीनरी में किए गए निवेश पर 40 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान है, जिससे नए उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने में आर्थिक सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र में पहले केवल बरगवां औद्योगिक क्षेत्र था, लेकिन लगातार प्रयासों से लमतरा, अमकुही, तखला और टिकरिया-कैलवारा जैसे नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास हुआ है। इन परियोजनाओं से कटनी तेजी से एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुचयमंत्री ने कटनी के उद्योगपति अमित सिंघई से भी वर्चुअल संवाद किया। श्री सिंघई ने रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर की स्थापना को जिले के औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना स्थानीय उद्योगों को नई गति देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

सृजन चौदहा पुनः बने विद्यार्थी परिषद के नगर सह मंत्री

कटनी (स्वतंत्रमत)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अभाविप कटनी का आयोजित हुआ प्रशिक्षण वर्ग, नवघोषित नगर कार्यकारिणी में सृजन चौदहा को पुनः नगर सह मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। उनकी पुनर्नियुक्ति पर परिषद कार्यकर्ताओं एवं छात्र समुदाय ने हर्ष व्यक्त किया है। परिषद पदाधिकारियों ने बताया कि अभाविप देश के युवाओं की आवाज़ बनकर शिक्षा, छात्र हित एवं राष्ट्र निर्माण के

विभिन्न विषयों पर सक्रिय भूमिका निभा रही है। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में परिषद निरंतर छात्र शक्ति को संगठित कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही है। दायित्व मिलने पर सृजन चौदहा ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे छात्र हितों की रक्षा एवं संगठन विस्तार के लिए पूर्ण निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे।

सिविल लाइन के खाली प्लाट में शव मिलने से सनसनी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सिविल लाइन स्थित डॉ. वैश्य गली के खाली प्लॉट में गत सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव कई दिन पुराना प्रतीत हो रहा है, जिसके चलते हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है। खबर मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र में तेज दुर्गंध फैलने से लोगों को शक हुआ। जब खाली प्लॉट में जाकर देखा तो वहां किसी व्यक्ति का शव पड़ा मिला। क्षेत्र के लोगों ने वार्ड पार्षद अवकाश जायसवाल को सूचित किया। पार्षद मौके पर पहुंचे और तत्काल कोतवाली पुलिस को अवगत कराया। सूचना मिलने पर पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। हालांकि हत्या की आशंका सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस अज्ञात शव की पहचान कराने और मामले की जांच में जुटी हुई है।

लाश कई दिन पुरानी, हत्या की आशंका, पुलिस कर रही जांच

पिता को मुखाग्नि देखकर बेटे का फर्ज निभाया बेटी ने

सचिन कश्यप को अंतिम विदाई देने मुक्तिधाम पहुंची तीनों बेटियों को देख छलछला आई आंखें

कटनी (स्वतंत्रमत)। एनकेजे में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता और यूनियन बैंक में सिक्योरिटी गार्ड की सेवाएं देने वाले सचिन कश्यप के हार्ट अटैक से निधन पर उनकी बेटी हनी कश्यप ने बेटे का फर्ज निभाते हुए मुखाग्नि दी। आजकल के दौर में बेटियां भी बेटों से किसी मायने में पीछे नहीं है। सचिन कश्यप की तीन बेटियां है, जिनमें से छोटी बेटी हनी अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल हुई और चिता को अग्नि दी। एक बेटी का साहस देखकर अंतिम संस्कार में मौजूद लोग भावुक हो गए। सभी की आँखें पिता को अंतिम विदाई देने मुक्तिधाम पहुंची तीनों बेटियों के बहते आंसू देखकर नम हो गई। सचिन अपनी तीनों बेटियों जूनी, ग्लोरी और हनी को बहुत स्नेह देते थे।

वे मांझी समाज कटनी के सचिव के रूप में भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते थे। लगभग 60 वर्षीय सचिन का जबलपुर के एक निजी अस्पताल में हार्ट सम्बंधी ऑपरेशन के दौरान ब्रेन हेमरेज से दुखद निधन हो गया। निधन की खबर से एनकेजे क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज रविवार को नयागांव एनकेजे स्थित निवास से निकाली गई। अंतिम संस्कार एनकेजे मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में सभी वर्गों के लोग शामिल हुए।

पेड़ बचाने, पानी बचाने एवं प्लास्टिक हटाने बैठक

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि जिला कटनी की वृहद बैठक का हुआ आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता क्या क्यों और कैसे तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के लिए किन-किन विषयों पर काम किया जाना चाहिए पौधे कैसे-कैसे बचाए जा सकते हैं पानी कैसे-कैसे बचाया जा सकता है एवं इस समाज को प्लास्टिक मुक्त कैसे बनाया जा सकता है इस विषय पर 27 जून को मां निकेतन नई बस्ती कटनी में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से प्रांत युवा आयाम प्रमुख राहुल गुप्ता, सह प्रांत प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्रीमान श्रवण, विभाग संघ चालक

सतना विभाग विपिन तिवारी, विभाग संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि सतना विभाग बृजेश पटेल, जिला कार्यवाह जिला कटनी संजय त्रिपाठी, जिला संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि राम सुजान द्विवेदी, नगर संयोजक रमेश गुप्ता, जिला सामाजिक संस्थान प्रमुख पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, जिला प्रमुख युवा आयाम रतीलाल रैदास, जिला प्रमुख प्लास्टिक आयाम डॉक्टर अभिषेक मिश्रा, जिला प्रमुख पेड़ आयाम आशुतोष मनके तथा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक समन्वयक बाल मुकुन्द मिश्रा व स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, मानव जीवन विकास समिति के प्रतिनिधि एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि इस कार्यशाला एवं बैठक में उपस्थित रहे।

जरूरतमंद कन्या के विवाह में बढ़ाया मदद का हाथ

कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

कटनी (स्वतंत्रमत)।

रक्तदान के क्षेत्र में लगातार सेवा कार्य कर रही कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। सोसाइटी के सदस्यों ने एक जरूरतमंद परिवार की कन्या के विवाह में आर्थिक व सामग्री सहयोग देकर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया। कन्यादान सामग्री: शादी के लिए आवश्यक बर्तन, कपड़े, श्रृंगार का सामान व घर-गृहस्थी का जरूरी सामान भेंट किया गया। आर्थिक मदद: विवाह

के खर्च के लिए नगद राशि देकर परिवार का बोझ हल्का किया। व्यवस्था में सहयोग: सोसाइटी के कार्यकर्ता विवाह समारोह में मौजूद रहे और पूरी व्यवस्था में परिवार का साथ दिया। सोसाइटी के अध्यक्ष ने बताया किए हमारा उद्देश्य सिर्फ रक्तदान तक सीमित नहीं है। समाज के जरूरतमंद लोगों के सुख-दुख में साथ खड़ा होना ही असली सेवा है। एक बेटी का विवाह पूरे समाज की जिम्मेदारी है, और हम इस पुनीत कार्य में छोटा सा योगदान देकर धन्य हुए। कन्या के परिजनों ने सोसाइटी का आभार जताते हुए कहा किए हमारे लिए बेटी की शादी करना बहुत मुश्किल था। सोसाइटी के सदस्य ने देवदूत बनकर हमारी मदद की। इनके बिना यह शुभ कार्य संभव नहीं था। कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी रक्तदान शिविर, जरूरतमंद मरीजों को समय पर ब्लड उपलब्ध कराने के साथ-साथ जरूरतमंद कन्याओं के विवाह, शिक्षा व चिकित्सा सहायता जैसे कार्यों में भी लगातार सक्रिय है। संपर्क: यदि आप भी इस सेवा कार्य से जुड़ना चाहते हैं या किसी जरूरतमंद की मदद करना चाहते हैं तो सोसाइटी से संपर्क कर सकते हैं। मंजू शर्मा (अध्यक्ष) महिला विंग, शिखा खंपरिया, रश्मि अग्रवाल, पुष्पा ठाकुर, कोमल राय, मनीषा पुरवार, छाया सिंह, श्रुति सेठिया, सीता सोनी, पूजा खंपरिया, नेहा साहू, छवि गुप्ता, उषा अग्रवाल, आनंद पुरवार, संदीप रजक, धनश्री अग्रवाल, कविता पटेल।

सड़क हादसे में बरही के विकास और पत्नी की दर्दनाक मौत

बनारस से बरही लौटते वत मिर्जापुर के पास हुआ भीषण हादसा

कटनी (स्वतंत्रमत)।

वाराणसी दर्शन कर लौटते वत भीषण सड़क हादसे में बरही निवासी पत्रकार विकास ताम्रकार और उनकी पत्नी सोनम की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके दो बच्चे सुरक्षित है। इस खबर से समूचे बरही अंचल में मातम छा गया। हादसा उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर के ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के लहुरियादह गांव के पास नेशनल हाईवे पर बीती रात हुआ। बताया गया है कि कार सड़क किनारे खड़े

ट्रक से जा टकराई। टकर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

हादसे में विकास ताम्रकार 40 वर्ष, पत्नी सोनम की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक हीरालाल निवासी छिदिया टोला बरही, मृतक का साला हिमांशु (27) निवासी उचेहरा, जिला सतना, भांजा सक्षम (17) निवासी नागौद, बहन राधा (40) पत्नी प्रहलाद निवासी नागौद गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि मृतक विकास अपने बेटे का मुंडन संस्कार कराने और अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए बाबा विश्वनाथ जी का दर्शन करने परिवार के साथ बरही से शुक्रवार की रात रवाना हुए थे और दर्शन उपरांत शनिवार की रात बरही लौटते समय भयावह सड़क हादसा हो गया।

चाकूबाजी की वारदात में युवक की मौत

हत्या की जांच में जुटी पुलिस

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर के रंगनाथ थाना क्षेत्र के मंगलनगर में रविवार को हुए चाकूबाजी के मामले ने दुखद मोड़ ले लिया। अज्ञात हमलावरों द्वारा चाकू से किए गए जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के लिए जबलपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घायल युवक कन्हैया गोंड 25 वर्ष को पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया, लेकिन स्लीमनाबाद के पास रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक मृतक का मंगलनगर निवासी एक यादव युवक से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उस पर चाकू से हमला किया गया। हालांकि पुलिस अभी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है और विवाद के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रंगनाथ थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात और युवक की मौत से क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

मुड़वारा स्टेशन पर नियमों को दरकिनार कर बना कंटेनर रेस्टोरेंट

लोकेशन बदली, निर्माण बढ़ाए रेलवे अधिकारियों पर उठे सवाल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी के मुड़वारा स्टेशन पर संचालित लॉन कम कंटेनर रेस्टोरेंट को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। आरोप है कि रेलवे द्वारा जिस स्थान और शर्तों के तहत टेंडर जारी किया गया था, वास्तविक निर्माण उससे अलग स्थान और अलग स्वरूप में किया गया। पूरे मामले में रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार कंटेनर रेस्टोरेंट के संचालन के लिए डीआरएम कॉमर्शियल जबलपुर द्वारा अनसोलिसिटेड प्रपोजल के आधार पर ओपन टेंडर जारी किया गया था। यह टेंडर करीब 35.51 लाख रुपए के लिए पांच वर्ष की अवधि हेतु स्वीकृत बताया गया। दस्तावेजों के अनुसार रेस्टोरेंट निर्माण के लिए मुड़वारा स्टेशन से

कुछ दूरी पर जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस के सामने निर्धारित स्थान चिन्हित किया गया था। लेकिन आरोप है कि तय स्थान पर निर्माण करने के बजाय रेस्टोरेंट को स्टेशन प्रवेश द्वार के पास स्थापित कर दिया गया। इतना ही नहीं, जहां निर्माण को सिंगल स्टोरी और सीमित क्षेत्र तक रखना था, वहां कथित तौर पर अतिरिक्त निर्माण करते हुए डबल स्टोरी संरचना तैयार कर दी गई। मामले में यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि टेंडर की मूल शर्तों में बदलाव हुआ था तो क्या इसकी सार्वजनिक सूचना जारी की गई? क्या नए नियमों के अनुसार अन्य इच्छुक पक्षों को भी आवेदन का अवसर दिया गया?

सूत्रों के हवाले से यह भी दावा किया जा रहा है कि रेलवे भूमि पर अतिक्रमण और व्यावसायिक उपयोग को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं हैं। साथ ही देर रात गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इस पूरे मामले पर पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ डीसीएम मधुर वर्मा का कहना है कि प्रस्तावित स्थान से अलग संचालन किए जाने के बावजूद सभी आवश्यक प्रक्रियाओं और नियमों का पालन किया गया है। वहीं रेस्टोरेंट संचालक संदीप रघुवंशी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संचालन पूरी तरह टेंडर की शर्तों के अनुसार किया जा रहा है और किसी प्रकार के नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ है। अब बड़ा सवाल यह है कि यदि टेंडर की शर्तों में बदलाव हुआ तो क्या प्रक्रिया पारदर्शी थी, और यदि नहीं तो क्या रेलवे प्रशासन पूरे मामले की जांच कर जवाबदेही तय करेगा? जनता का सवाल कि क्या रेलवे की जमीन और टेंडर प्रक्रिया पर इसी तरह सवाल उठते रहेंगे या होगी निष्पक्ष जांच?

एमजीएम हॉस्पिटल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

एमजीएम हॉस्पिटल कटनी द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लिया। शिविर के दौरान सैकड़ों मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही आवश्यकतानुसार निःशुल्क रक्त जांच एवं एएनसी गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच स्क्रीनिंग भी की गई। शिविर में महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, जनरल सर्जरी विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ तथा मुख एवं ओरल कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें रोगों की रोकथाम, समय पर उपचार एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान जिन मरीजों में ऑपरेशन अथवा विशेष उपचार की आवश्यकता पाई गई, उन्हें आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूर्णतः निःशुल्क उपचार एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। एमजीएम हॉस्पिटल प्रबंधन ने बताया कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं सुलभ कराना तथा आयुष्मान भारत योजना का अधिक से अधिक लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। अस्पताल भविष्य में भी जनहित में इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन करता रहेगा।

फीफा वर्ल्ड कपः दुनिया का सबसे बड़ा फुटबॉल तमाशा

नॉकआउट से पहले सितारों ने बिखेरी चमक

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ़ 32 में पहुंचने से पहले दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल तमाशे ने पहले ही यादगार पल, रिकॉर्ड तोड़ने वाले परफॉर्मेंस और ऐसी कहानियाँ दी हैं जो वर्ल्ड कप के जादू को दिखाती हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत फुटबॉल के सबसे बड़े नामों, लियोनेल मेसी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, किलियन एम्बाप्पे और एर्लिंग हालैंड पर खास तौर पर फोकस के साथ हुई, और उनमें से किसी ने भी निराश नहीं किया।

मुंबई (वार्ता)

इन लेजेंड्स ने इतिहास बनाना जारी रखा है, जबकि नई पीढ़ी ने दिखाया है कि वह खेल को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मेसी और रोनाल्डो के लिए, जो उनका आखिरी वर्ल्ड कप मैच हो सकता था, वह उनके शानदार करियर का एक और शानदार चैप्टर बन गया है। 39 और 41 साल की उम्र में, दोनों सुपरस्टार्स ने दिखाया है कि सबसे ऊँचे लेवल पर मुकाबला करने की उनकी भूख पहले की तरह ही मज़बूत है। मेसी ने वर्ल्ड कप का इतिहास फिर से लिखना जारी रखा है। अर्जेंटीना के

कप्तान ने टूर्नामेंट में अपने गोल की संख्या 19 पहुंचा दी है, और फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके प्रदर्शन ने एक बार फिर उनकी काबिलियत को दिखाया है कि जब दांव सबसे ज़्यादा होते हैं, तब भी वे अच्छा प्रदर्शन करते हैं, जिससे फुटबॉल के अब तक के सबसे शानदार करियर में और भी मील के पत्थर जुड़ गए हैं। रोनाल्डो ने भी नई उपलब्धियां हासिल करना जारी रखा है। पुर्तगाली कप्तान ने अब 10 वर्ल्ड कप गोल किए हैं और छह अलग-अलग वर्ल्ड कप एडिशन में गोल करने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। 41 साल की उम्र में भी, उनकी मौजूदगी, सोच और गोल करने की आदत पुर्तगाल की उम्मीदों के लिए अहम बनी हुई है। जबकि लेजेंड्स का दबदबा बना हुआ है, अगली पीढ़ी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। किलियन एम्बाप्पे ने अपनी वर्ल्ड कप विरासत को और मज़बूत किया है, अपने गोल की संख्या 16 तक पहुंचाई है और रिकॉर्ड के और करीब पहुंच गए हैं। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ने एक बार फिर दिखाया है कि उन्हें मॉडर्न फुटबॉल के सबसे बड़े सितारों में से एक क्यों माना जाता है। पहली बार वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहे एर्लिंग हालैंड ने सबसे बड़े मंच पर खुद को दिखाने में कोई समय बर्बाद नहीं किया है। नॉर्वे के स्ट्राइकर ने ग्रुप स्टेज में चार गोल किए हैं, जिससे वह नॉर्वे के सबसे ज़्यादा वर्ल्ड कप गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में मज़बूती से शामिल हो गए हैं। फुटबॉल के चार सबसे बड़े स्टार्स के बीच अपनी-अपनी शान के लिए मुकाबला होने के साथ, गोल्डन बूट की रेस टूर्नामेंट की सबसे रोमांचक कहानियों में से एक बन गई है, यह कल के लेजेंड्स, आज के आइकॉन्स और आने वाले कल के स्टार्स के बीच की लड़ाई है।

कहीं परियों की कहानी, किसी का दिल टूटना

हर वर्ल्ड कप एक सरप्राइज पैकेज लेकर आता है, और 2026 में यह कहानी केप वर्डे की है। टूर्नामेंट में बाहरी टीम के तौर पर एंट्री करते हुए, बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि केप वर्डे जाने-माने फुटबॉल देशों वाले एक मुश्किल ग्रुप से आगे बढ़ेगा। हालांकि, उनके डिसिप्लिन, डिफेंसिव ऑर्गनाइज़ेशन और ज़बरदस्त टीम स्पिरिट ने उन्हें नॉकआउट स्टेज में एक ऐतिहासिक जगह दिलाने में मदद की। गोलकीपर वोज़िन्हा का खास ज़िक्र किया जाना चाहिए, जिनके ज़रूरी सेव और लीडरशिप ने केप वर्डे के यादगार कैंपेन में अहम भूमिका निभाई। उनके सफ़र ने एक बार फिर फैंस को याद दिलाया है कि वर्ल्ड कप एक ऐसा स्टेज क्यों है जहाँ सपने सच हो सकते हैं। दूसरी तरफ, उरुग्वे का कैंपेन निराशाजनक रहा। फेडेरिको वाल्वरडे, डार्विन नुनेज़ और रोड्रिगो बेंटानकुर जैसे टैलेंटेड खिलाड़ियों वाली टीम होने के बावजूद, दो बार की वर्ल्ड चैंपियन टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और लगातार दूसरे वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। टूर्नामेंट से पहले कई लोगों ने टर्की को एक संभावित डार्क हॉर्स के तौर पर देखा था, लेकिन वह भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई।

नॉकआउट स्टेज के मैच देखने लायक

नीदरलैंड बनाम मोरक्को :- दो अच्छी तरह से ऑर्गनाइज़्ड टीमों के बीच एक दिलचस्प टैक्टिकल मुकाबला देखने को मिलेगा। नीदरलैंड्स अपनी पारंपरिक यूरोपियन पहचान और अटैकिंग क्वालिटी लेकर आएगा, जबकि मोरक्को इंटरनेशनल फुटबॉल के सबसे मुश्किल विरोधियों में से एक के तौर पर अपनी रेप्युटेशन बनाए हुए है। उम्मीद है कि यह एक करीबी मुकाबला होगा जिसका फैसला छोटे अंतर से होगा।

फ्रांस बनाम स्वीडन :- फ्रांस नॉकआउट स्टेज में फेवरेट टीमों में से एक के तौर पर उतरेगा, जिसके पास टूर्नामेंट की सबसे मज़बूत टीमों में से एक है। लेकिन, स्वीडन ने अपने पूरे कैंपेन में डिसिप्लिन और अटैकिंग थ्रेट दिखाया है और वे अपने फिजिकल अप्रोच और डिफेंसिव स्ट्रक्चर से फ्रेंच टीम को परेशान करना चाहेंगे।

ब्राजील बनाम जापान :- दो अलग-अलग स्टाइल वाली टीमों के बीच मुकाबला। ब्राजील की इंडिविजुअल ब्रिलियंट और अटैकिंग फ्लेयर का टेस्ट जापान के ऑर्गनाइजेशन, इंटेंसिटी और दुनिया की बेस्ट टीमों से मुकाबला करने की काबिलियत के सामने होगा। जापान ने साबित कर दिया है कि वे टॉप देशों को चैलेंज कर सकते हैं, जिससे यह एक ऐसा मैच बन गया है जिसमें काफी ड्रामा होने वाला है।

किदांबी श्रीकांत यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में

कैलिफोर्निया (वार्ता)

भारत के स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जापान के युदाई ओकिमोतो को हराकर इस सीजन के अपने पहले खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। दुनिया के पूर्व नंबर 1 भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्रीकांत ने सेमीफाइनल में चौथे सीड ओकिमोतो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराकर एक घंटे 12 मिनट में बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 स्पर्धा के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। 33 वर्षीय श्रीकांत ने आखिरी बार 2017 में सुपरसीरीज के दौर में फ्रेंच ओपन में बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता था। वह पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में भी पहुंचे थे, लेकिन खिताब नहीं जीत पाए। फाइनल में श्रीकांत का सामना चीनी ताइपे के आठवें सीड खिलाड़ी सू ली-यांग से होगा। चीनी ताइपे के शटलर ने दूसरे सेमीफाइनल में भारत के 18 वर्षीय रौनक चौहान को 21-17, 21-19 से हराकर इस युवा खिलाड़ी के शानदार सफर को खत्म कर दिया। अपने पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 सेमीफ़ाइनल तक पहुंचने के सफर में, रौनक ने दूसरे दौर में चीनी ताइपे के दुनिया के नंबर 6 खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को चौंकाते हुए हराया था। श्रीकांत और सू ली-यांग इससे पहले दो बार आमने-सामने हो चुके हैं, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक मैच जीता है। उनका हालिया मुकाबला मई में थाईलैंड ओपन के राउंड ऑफ़ 16 में हुआ था, जिसमें सू ली-यांग ने तीन गेम में जीत हासिल की थी। महिला सिंगल्स में, दुनिया की नंबर 35 खिलाड़ी देविका सिहाग का सफ़र सेमीफ़ाइनल में खत्म हो गया, जब वह डेनमार्क की दूसरी सीड खिलाड़ी लाइन क्रिस्टोफरसेन से 15-21, 21-11, 21-15 से हार गईं। देविका, जिन्होंने क्वार्टरफाइनल में जापान की पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियन और तीसरी सीड खिलाड़ी रिको गुंजी को हराया था, इस सीजन के अपने तीसरे सेमीफाइनल में खेल रही थीं।

भारत ए-श्रीलंका ए मैच ड्रा रहा

गॉल (वार्ता)। भारत ए और श्रीलंका ए के बीच चार दिवसीय गैर आधिकारिक टेस्ट रविवार को हार-जीत के फैसले के बिना ड्रा समाप्त हो गया। भारत ए ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 452 रन बनाकर घोषित की। भारत ए ने श्रीलंका को 330 रन पर समेट कर 122 रन की बढ़त हासिल की। भारत ए ने अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 189 रन बनाकर घोषित की और श्रीलंका ए के सामने 312 रन का लक्ष्य रखा। श्रीलंका ए ने लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 70 रन बनाये और मैच ड्रा समाप्त हो गया। भारत ए की दूसरी पारी में देवदत्त पड्क्किल ने 101 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 67 रन बनाये। आयुष पांडेय ने 38 और हर्ष दुबे ने 29 रन का योगदान दिया। श्रीलंका ए की तरफ से दिलम सुदीरा ने 49 रन देकर पांच विकेट झटके। दोनों टीमों के बीच दूसरा गैर आधिकारिक टेस्ट इसी मैदान पर दो जुलाई से खेला जाएगा।

सोना-चांदी की कीमतों पर संकट

यूएस-ईरान तनाव से बढ़ेगा दबाव, अगले सप्ताह और टूट सकते हैं दाम

नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कई वृहद आर्थिक आंकड़ों के बीच अगले सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बना रह सकता है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषक का कहना है कि फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले की दिशा के अनुरूप अगले सप्ताह प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई, यूरो क्षेत्र के मुद्रास्फीति के आंकड़े तथा अमेरिका के गैर-कृषि रोजगार तथा बेरोजगारी के आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही अमेरिका-ईरान के बीच वार्ता ठप होने तथा दोनों देशों के बीच बढ़े सैन्य तनाव पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी सर्राफा बाजार को प्रभावित कर सकता है। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी - जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, ''सोने और चांदी की कीमतों में अब भी गिरावट का रुख बना हुआ है और बाजार फिलहाल करेक्शन' के दौर से गुजर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले सप्ताह कॉमेक्स पर सोना 149.6 डॉलर यानी 3.5 प्रतिशत गिरकर 4,096.3 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। वहीं चांदी 7.13 डॉलर यानी 10.7 प्रतिशत टूटकर 59.67 डॉलर प्रति औंस रह गई।

जुलाई में 12 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

नई दिल्ली। अगले महीने यानी जुलाई में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 12 दिन बैंक बंद रहेंगे। 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 6 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपको इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। 11 जुलाई को महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से देशभर के बैंक बंद रहेंगे। 25 जुलाई को महीने का चौथा शनिवार है, इस दिन भी देश के सभी बैंकों की छुट्टी रहेगी। रविवार की छुट्टी 5 जुलाई, 12 जुलाई, 19 और 26 जुलाई को रहेगी

माइक्रो फाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क के अध्यक्ष चुने गए दिव्यज्योति

ज्ञान मोहन उपाध्यक्ष निर्वाचित

नई दिल्ली (वार्ता)

माइक्रो फाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क ने अन्नपूर्णा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिव्यज्योति पटनायक को अपने बोर्ड का नया अध्यक्ष तथा चित्रगुप्त फाइनेंस लिमिटेड के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञान मोहन को उपाध्यक्ष चुना है। एमएफआईएन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख उद्योग संगठन है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां, लघु वित्त बैंक और एनबीएफसी-लघु वित्त संस्थान इस संगठन के सदस्य हैं। संगठन को केंद्रीय बैंक द्वारा स्व-नियामक संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त है। संगठन की 26 जून 2026 को गुरुग्राम में आयोजित 17वीं वार्षिक आम बैठक में नये अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चयन किया। एमएफआईएन बोर्ड के शासी बोर्ड में चार नये सदस्यों को भी शामिल किया गया है। नये सदस्यों में नमरा फाइनेंस लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आलोक पटेल, क्रेडिटएक्सेस ग्रामीण लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गणेश नारायणन, एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदीप्त रॉय और स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकटेश कृष्णन शामिल हैं।

सुमित नागल ने खत्म किया दो साल का खिताबी सूखा

रोमानिया (वार्ता)

भारत के सुमित नागल ने रोमानिया के टार्गु मुरेस में खेले गए इंटारो ओपन 2026 के फाइनल में फ्रांस के फेलिक्स बाल्शॉ को 6-3, 7-5 से हराकर अपना सातवां एटीपी चैलेंजर खिताब जीता और दो साल से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म किया। जून 2024 में हीलब्रॉन नेकरकप जीतने के बाद यह नागल का पहला टेनिस खिताब था और क्ले कोर्ट पर उनका पांचवां खिताब था। टेनिस रैंकिंग में 285वें स्थान पर मौजूद सुमित नागल ने लेबनान के दुनिया के 269वें नंबर के खिलाड़ी बेंजामिन हसन को 6-4, 3-6, 7-5 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। इसके बाद, दूसरे दौर में एक सेट से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए उन्होंने क्रोएशिया के डुजे अजदुकोविच को 1-6, 6-4, 6-4 से हराया। 28 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर-फाइनल में इटली के चौथे सीडेड खिलाड़ी फ्रेंको अगामेनोने को 3-6, 7-5, 6-4 से हराया। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में इक्वाडोर के पांचवें सीडेड खिलाड़ी अल्वारो गुइलेन मेजा को 6-3, 4-6, 6-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।

खाद्य तेलों में साप्ताहिक तेजी, गेहूं में नरमी

नई दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ दालों और खाद्य तेलों में भी तेजी रही। वहीं, गेहूं में मंदी का रुख देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 38 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,905 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं पांच रुपये सस्ता हुआ और 2,781 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। आटे का भाव नौ रुपये गिरकर 3,255 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सप्ताह के दौरान चना दाल की औसत कीमत 47 रुपये और मसूर दाल की 21 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। उड़द दाल 11 रुपये और तुअर दाल चार रुपये महंगी हुई। मूंग दाल की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर स्थिर रही। खाद्य तेलों में भी साप्ताहिक बढ़त देखने को मिली। मूंगफली तेल 189 रुपये और सूरजमुखी तेल 70 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया ऑयल की कीमत 57 रुपये और पाम ऑयल की छह रुपये बढ़ गयी। वनस्पति और सरसों तेल के भाव में कमोबेश टिकाव रहा। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। वहीं, चीनी स्थिर रही। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव दाल चना 7771.36 रुपये, मसूर काली 8130.97 रुपये, मूंग दाल 10163.10 रुपये, उड़द दाल 10922.31 रुपये, तुअर दाल 11244.67 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं दड़ा 2781.01 रुपये और चावल 3904.69 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3254.64 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4362.23 रुपये और गुड़ 5109.01 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

मानसून की प्रगति से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों के साथ घरेलू स्तर पर जारी होने वाले औद्योगिक आंकड़ों और मानसून की प्रगति पर रहेगी। अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम शांति समझौते की दिशा में प्रगति का सीधा असर शेयर बाजार पर दिखेगा। साथ ही मानसून की प्रगति भी अहम कारक होगा। मानसून 10 दिन तक अटकने के बाद पश्चिमी भारत में तो आगे बढ़ा है, लेकिन पूर्वी भारत में आगे नहीं बढ़ रहा है। इससे निवेश धारणा पर नकारात्मक असर हो सकता है। अगले सप्ताह कई महत्वपूर्ण औद्योगिक आंकड़े जारी होने हैं। औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े, पीएमआई के आंकड़े और वाहन कंपनियों के बिक्री के आंकड़े भी निवेशकों के रुख को प्रभावित करेंगे। बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 297.57 अंक (0.39 प्रतिशत) चढ़कर 77,100.47 अंक पर पहुंच गया। इसमें दो दिन तेजी और दो दिन गिरावट देखी गयी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 42.90 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 24,056 अंक पर बंद हुआ। वृहत बाजार में निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.83 प्रतिशत लुढ़क गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.03 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 15 कंपनियों के शेयरों में साप्ताहिक तेजी और अन्य 15 में गिरावट रही। पश्चिम एशिया शांति स्थापित होने से विमान सेवा कंपनी इंडिगो का शेयर सबसे अधिक 8.48 प्रतिशत चढ़ा। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.48 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक में 3.05 फीसदी, मारुति सुजुकी में 2.60, कोटक महिंद्रा बैंक में 2.53 और एचडीएफसी बैंक में 2.06 फीसदी की तेजी रही। बजाज फाइनेंस का शेयर 1.93 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 1.83, एक्सिस बैंक का 1.38, सनफार्मा का 1.36 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.08 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ट्रेंट और एलएंडटी के शेयर भी हरे निशान में रहे। टाटा स्टील में सबसे अधिक 5.13 फीसदी की गिरावट रही। बीईएल का शेयर 4.76 प्रतिशत, एनटीपीसी का 3.72, इटरनल का 3.39, एशियन पेंट्स का 3.22 और भारती एयरटेल का 3.06 और टाइटन का 3.02 प्रतिशत टूट गया। पावरग्रिड में 2.89 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 2.51, अडानी पोर्ट्स का 2.11, टीसीएस का 1.45, आईटीसी का 1.14, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.03 प्रतिशत और इंफोसिस का 0.99 प्रतिशत फिसल गया।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर कुकरू को बनाएंगे पर्यटन का प्रमुख केंद्रः मुख्यमंत्री

सैलानियों के आकर्षण के लिए होंगे एडवेंचर स्पोर्ट्स, स्थानीय युवाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल जिले के हिल स्टेशन कुकरू को प्रदेश के बड़े पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि कुकरू में पर्यटन विकास के लिए 15 करोड़ रुपये की लागत से कुकरू, चिखलदरा, मुक्तागिरी और मेलघाट को जोड़ते हुए एकीकृत टूरिज्म सर्किट विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को बैतूल के पर्यटन स्थल कुकरू के भ्रमण के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को बैतूल जिले के प्रसिद्ध हिल स्टेशन कुकुरू के रेस्ट हाउस परिसर में योगाभ्यास कर दिन की शुरूआत की। उन्होंने योग कर प्रदेशवासियों को अपनी दैनिक जीवनशैली में योग को शामिल करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुकरू से पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ कर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। साथ ही कुकरू में पर्यटन विकास की कार्ययोजना का प्रेजेंटेशन भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुकरू में ईको टूरिज्म, सनराइज एवं सनसेट प्वाइंट सहित अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थलों का विकास किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त ईको रिसोर्ट एवं अन्य पर्यटन अधोसंरचना विकसित की जाएगी। साथ ही ट्रैकिंग सहित विभिन्न एडवेंचर स्पोर्ट्स और रोमांचक गतिविधियां प्रारंभ की जाएंगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर कुकरू के पर्यटन विकास के लिए बजट में और वृद्धि भी की जाएगी।

जनजातीय समूहों के लिए बनेंगे होमस्टे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्थानीय जनजातीय ग्रामीण समूहों को पर्यटन गतिविधियों से जोड़ने के लिए कुकरू में होमस्टे विकसित किए जाएंगे। इन होमस्टे का संचालन मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के होटलों की तर्ज पर व्यवस्थित रूप से किया जाएगा तथा इनकी बुकिंग की व्यवस्था मध्यप्रदेश टूरिज्म द्वारा की जाएगी। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

स्थानीय उत्पादों का विपणन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुकरू अपनी उत्कृष्ट कॉफी के साथ-साथ कोदो कुटकी, आंवला, हनी, हर्रा, बहेड़ा, सफेद मूसली, भिलवा एवं अन्य प्राकृतिक उत्पादों के लिए भी प्रसिद्ध है। इन उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्व-सहायता समूहों की महिलाओं तथा वन विभाग के सहयोग से कुकरू नेचुर के नाम से इकाइयां स्थापित की जाएंगी। साथ ही इन उत्पादों के विपणन के लिए वन विभाग द्वारा शहरों में आउटलेट स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने की घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय ग्रामीणों की मांग पर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अनेक अधोसंरचनात्मक कार्यों की भी घोषणा की। इनमें आयुष विभाग अंतर्गत वेलनेस सेंटर की स्थापना, ग्राम जामुखेड़ा में 70 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण, ग्राम लोकलदरी में 40 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण, ग्राम कसई से भोडियाकुंड तक 85 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण, ग्राम कसई फाटा से भोडियाकुंड तक 65 लाख रुपये तथा जामुखेड़ा से इमलीढाना तक 65 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त ग्राम खामला में 1.20 करोड़ रुपये की लागत से बालिका छात्रावास तथा ग्राम कसई में 25 लाख रुपये की लागत से शासकीय उचित मूल्य दुकान का निर्माण भी किया जाएगा। अन्य विकास संभावनाओं के संबंध में विस्तृत सर्वे भी कराया जाएगा।

किसानों को कॉफी उत्पादन से जोड़े

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुकरू स्थित कॉफी बागान का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कॉफी बागान के इतिहास, भू-गर्भीय परिस्थितियों एवं यहां उपलब्ध प्राकृतिक वातावरण की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉफी की खेती की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए स्थानीय किसानों को कॉफी उत्पादन से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कॉफी उत्पादन क्षेत्र के ग्रामीणों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉफी प्रोसेसिंग का कार्य कर रही ल-वॉन कंपनी के प्रतिनिधियों से चर्चा कर कॉफी प्रोसेसिंग, विपणन एवं क्षेत्र में कॉफी उत्पादन के विस्तार की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया। उल्लेखनीय है कि कुकरू में वर्ष 1944 में ब्रिटिश महिला फ्लोरेंस हेंड्रिक्स द्वारा कॉफी बागान की स्थापना की गई थी। यह कॉफी बागान लगभग 40 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है और वर्तमान में क्षेत्र की महत्वपूर्ण प्राकृतिक एवं कृषि धरोहर के रूप में पहचान रखता है।

धरती आबा और जनमन योजना जनजातीय क्षेत्रों के लिए वरदान

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना और प्रधानमंत्री जनमन योजना जनजातीय क्षेत्रों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। जनजातीय क्षेत्र के ग्रामों बुनियादी सुविधाओं के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकलसेल बीमारी के उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए मरीजों के उपचार के साथ-साथ जन-जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल ने यह बात खरगोन के झिरन्या में आयोजित सिकलसेल शिविर कार्यक्रम में कहीं। इस दौरान ब्लड बैंक का शुभारंभ किया तथा दो एंबुलेंस और एक शव वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पल्स पोलियो अभियान के तहत कुमारी आस्था को पोलियोरोधी दवाई पिलाई। उन्होंने सिकलसेल प्रमाण पत्र प्रदान किये। उन्होंने क्षय रोगियों को फूड बास्केट भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल ने इस अवसर पर ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भी सुना। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकलसेल रोग अनुवांशिक रोग है। इसकी जांच गर्भावस्था में भी संभव है। बच्चों के गर्भावस्था के दौरान भी सिकल सेल रोग का उपचार प्रारंभ किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सिकलसेल मित्र मरीजों की मदद में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एलोपैथिक पद्धति के साथ-साथ आयुर्वेद में भी सिकलसेल रोग का बेहतर उपचार उपलब्ध है। अब टीबी रोग का बेहतर उपचार उपलब्ध है। मरीज यदि 6 माह तक नियमित रूप से दवाई ले, तो टीबी रोग ठीक किया जा सकता है। राज्यपाल श्री पटेल ने इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा विकास योजनाओं के प्रदर्शन के लिए लगाए गए स्टाल पर जाकर उपस्थित अधिकारियों से विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी मे विकास और गरीबों के कल्याण के काम तेजी से हो रहे हैं। झिरन्या में 1500 करोड़ रुपए लागत की उदवहन सिंचाई योजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के किसानों के जीवन में खुशहाली आएगी।

राज्यपाल ने खरगोन के झिरन्या में एंबुलेंस एवं ब्लड बैंक की सौगात दी

सीधी संभाग में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता रंजीत साहू निलंबित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने हनुमना स्थित 02 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र में विद्युत उपकरणों एवं विभिन्न विद्युत कंपनियों की सामग्री के संभावित दुरुपयोग संबंधी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्यालय कार्यपालन अभियंता (एस.टी.एम.-एस.टी.सी.), संभाग सीधी में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता रंजीत कुमार साहू को निलंबित कर दिया है। प्राप्त शिकायत के आधार पर मुख्य अभियंता (प्रवर्तन) रीवा द्वारा गठित जांच समिति ने स्थल निरीक्षण, अभिलेखों के परीक्षण तथा संबंधित अधिकारियों के कथनों के आधार पर विस्तृत जांच की गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित 02 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र के विद्युत संयोजन एवं लाइन विस्तार का कार्य मे. ओम एंटरप्राइजेज, जिसकी प्रोपराइटर ममता कुमारी पत्नी रंजीत कुमार साहू हैं, द्वारा किया गया था। जांच के दौरान स्थापित उपकरणों एवं सामग्री के परीक्षण में कुछ विद्युत उपकरणों पर म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड का नाम अंकित पाया गया, जबकि कंट्रोल केबल पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड का उल्लेख पाया गया। इसके अतिरिक्त वीसीबी की नेम प्लेट पर क्रेता संबंधी विवरण मिटा हुआ पाया गया, जिसके संबंध में संबंधित कंपनियों से अभिलेखीय सत्यापन की अनुशंसा की गई है। जांच समिति ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया रंजीत कुमार साहू की संभावित संलिप्तता का उल्लेख किया, जिसके आधार पर कंपनी प्रबंधन ने उनके विरुद्ध तत्काल निलंबन की कार्रवाई की है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय अधीक्षण अभियंता (संचालन/संधारण) वृत्त, उमरिया निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि कंपनी की सामग्री, संसाधनों एवं परिसंपत्तियों के संभावित दुरुपयोग अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता के मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई गई है। जांच में सामने आए सभी तथ्यों का संबंधित कंपनियों से अभिलेखीय सत्यापन कराया जा रहा है तथा अंतिम निष्कर्षों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नयागांव में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी उत्सव संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन आदर्श ग्राम नयागांव में आराधना सोशल वेलफेयर फाउंडेशन दुगानी द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति करनपुरा के सहयोग से किया गया। बावड़ी की साफ सफाई के साथ जल पूजन एवं कलश पूजन किया गया। सभी के समक्ष जल के महत्व पर विस्तृत चर्चा कर जल संरक्षण करने हेतु प्रेरित किया गया और कहा गया कि आगामी बरसात में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने हेतु सभी से आग्रह किया गया। आराधना फाउंडेशन के मार्गदर्शक रानू नामदेव ने कहा आने वाले समय में हमें जल को सुरक्षित रखना होगा।

कलेक्टर यादव ने बच्चों को पिलाई पल्स पोलियो दवा

जिले में 1.60 लाख से अधिक बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

दमोह (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव रविवार सुबह जिला अस्पताल पहुंचकर नन्हें बच्चों को पल्स पोलियो दवा पिलाई और बच्चों को टॉफी भी दी। इस अवसर पर एसडीएम सौरभ गंधर्व, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राय, सिविल सर्जन डॉ. प्रहलाद पटेल और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विक्रांत चौहान सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। कलेक्टर श्री यादव ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक

अवश्य पिलाई जाए। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 160204 बच्चों का आकलन किया गया है और सभी बच्चों तक दवा पहुंचाने के लिए 1339 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही 45 मोबाइल वैन भी संचालित की जा रही हैं ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे।

उन्होने कहा कि रेलवे स्टेशनए बस स्टैंड और मेला स्थलों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी विशेष पोलियो बूथ बनाए गए हैं जिससे यात्रा कर रहे परिवारों के बच्चों को भी दवा पिलाई जा सके। यदि किसी कारणवश कोई बच्चा अभियान के दिन छूट जाता है तो स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उसे पोलियो की खुराक पिलाएंगी।

उन्होंने जिले के सभी नागरिकों और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर लेकर आएं और उन्हें पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा सभी के सहयोग से ही जिले और देश को पूर्णतः पोलियो मुक्त बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

15 लाख के सामुदायिक भवन का लोकार्पण

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह विधायक जयंत मलैया ने रविवार को ग्राम पंचायत अथाई में 15 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा यह भवन क्षेत्रवासियों की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा और ग्रामीणों को विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराएगा। लोकार्पण अवसर पर विधायक मलैया ने अथाई के सभी ग्रामवासियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा क्षेत्र के समग्र विकास और जनकल्याण के लिए विकास कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

दमोह में होगा अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मान समारोह

दमोह (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय असाटी वैश्य समाज महासभा के तत्वावधान व असाटी समाज समिति, दमोह के संयोजन में आगामी 26 जुलाई रविवार को अखिल भारतीय प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का आयोजन दमोह में किया जाएगा समारोह की रूपरेखा तय करने हेतु शनिवार शाम असाटी संस्कार भवन दमोह में समाज की आम सभा आयोजित हुई.जिसकी अध्यक्षता सकल असाटी

समाज दमोह के अध्यक्ष ने की सर्वसहमति से प्रतिष्ठित समाजसेवी डॉ. बृजेन्द्र असाटी को समारोह का मुख्य संयोजक मनोनीत किया गया। घोषणा पर उपस्थित समाजजनों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। मुख्य संयोजक डॉ. बृजेन्द्र असाटी ने बताया कि इस मंच से वर्ष 2025-26 की 10वीं, 12वीं तथा शिक्षा, तकनीकी व प्रशासनिक क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि प्राप्त कर समाज का नाम रोशन करने वाली देशभर की मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। सकल असाटी समाज दमोह ने सभी समाजबंधुओं से तन-मन-धन से सहयोग का आह्वान किया। आयोजन को व्यवस्थित बनाने हेतु शीघ्र ही स्वागत, आवास, भोजन, यातायात एवं मंच प्रबंधन की उप-समितियों का गठन किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी, दमोह की वरिष्ठ समिति, महिला समिति व युवा समिति के पदाधिकारीगण, सदस्यगण व स्वजातीय बंधु, मातृशक्ति, युवा उपस्थित रहे।

कॉलेज ग्राउंड को बना लिया शराब पीने का अड्डा

फिजिकल की तैयारी कर रहे युवाओं की अपील

पथरिया (स्वतंत्र मत)। पथरिया नगर अंतर्गत युवाओं के व्यायाम के लिए एकमात्र परिसर महाविद्यालय का ग्राउंड है। जहां दर्जनों युवा युवतियां सुबह से व्यायाम संबंधी और दौड़ने जाया करते है परंतु रात के समय महाविद्यालय परिसर में बैठकर शराबियों के जाम छलकते है उसके उपरांत वहीं उन कांच की बोतलों को फोड़कर या छोड़कर चले जाते है जिसका खामियाजा सुबह से दौड़ रहे लोगों को भुगतना पड़ रहा। महाविद्यालय परिसर अंतर्गत ग्राउंड में जाने वाले कई युवक और युवतियों ने बताया कि सुबह 5 बजे से यहां लोगों का आना शुरू हो जाता है और दर्जनों बार देखा गया

है। सुबह-सुबह जब अंधेरा रहता है और उस वक्त ग्राउंड पर लोग पैदल चल रहे होते है या अपने फिजिकल के लिए दौड़ रहे होते है तो उन्हें यहां डला कांच पैरों में लग जाता है या फिर दौड़ते समय पैर के नीचे शराब की बोतलें आ जाया करती है जिससे वह फिसल कर गिर जाते है और गंभीर चोटों का शिकार हो जाते है। वहीं ग्राउंड जाने वाली एक युवती ने कहा कि यहां कई बच्चे अपने भविष्य की दौड़ दौड़ रहे हैं। ऐसे में अगर उनके साथ कोई बड़ी दुर्घटना घटित होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। उसके जीवन भर की मेहनत बेकार हो जाएगी, फिजिकल की तैयारी कर रहे प्रत्येक युवा-युवतियां महाविद्यालय समिति और पथरिया पुलिस बल से यह दरखास्त करती है। छात्रों के हितों को देखते हुए परिसर में ऐसे व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से अन्दर आने पर अंकुश लगा दें और रात्रि के समय पुलिस और 112 द्वारा यहां गश्त कर शराबियों को समझिस दी जावे जिससे उनके द्वारा यहां बैठकर शराब न पी जाए। अगर समय रहते इन शराबियों की बैठक पर अंकुश नहीं लगाया गया तो वह दिन दूर नहीं, जब महाविद्यालय का ग्राउंड परिसर एक डंपिंग यार्ड में तब्दील हो जाएगा जहां लोग कचरा फेंकने या उपद्रवीय किस्म के लोग शराब पीने का अड्डा बना लेंगे।

शादी की 40वीं सालगिरह पर मुक्तिधाम में किया पौधरोपण

हटा (स्वतंत्र मत)।

नगर के मुक्तिधाम में रविवार को सेवा और पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक उदाहरण देखने को मिला। वरिष्ठ समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त राजाराम गोस्वामी ने अपनी शादी की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर मुक्तिधाम परिसर में दो जामुन के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान क्यारियां तैयार कर उनमें गेंदा के बीज डाले गए। साथ ही मुक्तिधाम के विभिन्न बगीचों में नीम, करंज और गुलमोहर के बीज भी बोए गए ताकि भविष्य में बड़ी संख्या में पौधे तैयार होकर मुक्तिधाम परिसर हरियाली से आच्छादित हो सके। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि 77 वर्षीय वरिष्ठ शिक्षक मुन्नीलाल पाराशर ने भी पूरे उत्साह के साथ श्रमदान किया। उनकी सक्रियता और सेवा भावना उपस्थित लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनी। इस अवसर पर अशोक चंपी चौरसिया, दीपक पटवा, वीरेंद्र मोदी सहित कई समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और मुक्तिधाम को हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

श्रमिकों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत सुरक्षा गार्डोंए सफाई कर्मचारियों एवं अन्य कर्मियों के वेतन भुगतान में अनियमितताओं पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन का पूरा भुगतान किया जा रहा है लेकिन कर्मचारियों तक उसका लाभ नहीं पहुंच रहा है जो गंभीर मामला है।

निरीक्षण के दौरान सुरक्षा गार्डों ने बताया कि उन्हें एजेंसी द्वारा कभी 6 हजार कभी 7 हजार और कभी 8 हजार रुपये का भुगतान किया जाता है जबकि निर्धारित कलेक्टर रेट के अनुसार लगभग 12 हजार रुपये वेतन मिलना चाहिए। इस पर कलेक्टर यादव ने तत्काल श्रम अधिकारी को बुलाकर कर्मचारियों के बयान दर्ज कराने एवं प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कर्मचारियों को जितने समय से कम वेतन दिया गया है, उसकी पूरी बकाया राशि ब्याज सहित दिलाई जाएगी तथा संबंधित एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री यादव ने कर्मचारियों से ड्यूटी के घंटों की जानकारी लेते हुए कहा कि उनसे केवल आठ घंटे कार्य लिया जाना चाहिए। इसके साथ ही भोजन अवकाश और सप्ताह में एक दिन का साप्ताहिक अवकाश भी मिलना अनिवार्य है। उन्होंने कहा किसी भी स्थिति में श्रमिकों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला अस्पताल में वर्तमान में 34 सुरक्षा कर्मी, 102

जिला अस्पताल के निरीक्षण में सुरक्षा गार्डो और सफाई कर्मचारियों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई

सफाई कर्मी तथा 2 हेल्प डेस्क कर्मी सहित कुल 138 आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं।

स्टॉफ नर्स द्वारा विकसित पार्क की सराहना - निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जिला अस्पताल परिसर में स्टाफ नर्सों द्वारा अपने अतिरिक्त समय में विकसित किए गए उद्यान का अवलोकन कर सराहना करते हुए कहा ऐसे प्रयास अस्पताल का वातावरण बेहतर बनाते हैं और सभी को संतुष्टि का अनुभव कराते हैं। उन्होंने कहा अस्पताल की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार हो रहा है तथा चिकित्सक और समस्त स्टाफ पूरी मेहनत से कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर ने सभी चिकित्सकों से सिविल सर्जन को पूर्ण सहयोग देने की अपील करते हुए कहा कि अस्पताल में 300 बिस्तरों की क्षमता के बावजूद औसतन 400 मरीज भर्ती रहते हैं। स्टॉफ की कमी के कारण कई बार सेवाओं में विलंब हो जाता है, ऐसे में सभी के सहयोग और धैर्य से ही व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है।

एसडीएम और श्रम विभाग के अधिकारियों ने इस दौरान कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों से कथन आदि प्रक्रिया तत्काल शुरू की। आउटसोर्स कर्मचारी कलेक्टर से मिलने के बाद बेहद खुश नजर आये, वे कह रहे थे अब तो अपनी दिवाली हो जायेगी। बकाया हजारों रूपये मिलेंगे और हर माह मिलने वाला मानदेय भी करीब डबल हो जायेगा।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा कल्पना विश्वकर्मा पिता स्व. रामकिशन विश्वकर्मा निवासी कछियाना जबलपुर म.प्र. की माँ स्व. श्रीमति राजकुमारी विश्वकर्मा द्वारा निवासी म.नं. 145, जवाहर गंज वार्ड जबलपुर म.प्र. डायवर्सन शीट नं. 53 के प्लाट नं. 84/2, में निर्मित दो मंजिला मकान जिसका निर्मित प्लाट एरिया भूतल 236 वर्गफुट एवं प्रथम मंजिल में निर्मित एरिया 236 वर्गफुट को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 06/03/2003 के माध्यम से विक्रेता लक्ष्मी नारायण सैनी से क्रय कर कब्जा प्राप्त किया तब से लेकर मेरे पक्षकार का कब्जा चला आ रहा है राजकुमारी मृत हो चुकी है। तहसीलदार अधारताल जबलपुर के द्वारा उक्त प्लाट के संपूर्ण रकवे 2920 वर्गफुट पर अपना नाम दर्ज कराने का मिथ्या प्रकरण प्रस्तुत किया है क्योंकि प्लाट नं. 53, प्लाट नं. 84/2, कुल स्कवा 2920 वर्गफुट में से 236 वर्गफुट के मालिक स्वामी मेरी पक्षकारा है इसलिए उक्त नामांतरण एवं किया गया क्रय-विक्रय मेरे पक्षकार के हक तक शून्य एवं अवैध होक बंधनकारी नहीं है।

Pramesh Jain
(Advocate)
High Court of M.P. Jabalpur
Mob. No. 9826728119

▶▶ चलती बाइक में महिला से लूट

झपट्टा मारकर झुमका ले उड़े बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पनागर थाने में 63 वर्षीय ममता बर्मन निवासी सुहागी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने पुत्र अभिषेक बर्मन की एक्सेस क्रमांक एमपी 49 एस 3703 में पीछे बैठकर अपने भतीजे सुरेश बर्मन के घर के उद्घाटन कार्यक्रम सुहागी से प्रेम सिटी कालोनी पनागर आ रही थी कि शाम को प्रेम सिटी कालोनी गेट के सामने मेन रोड़ पनागर पहुंची उसी समय पीछे से एक रेसर मोटर साइकिल में 2 अज्ञात व्यक्ति आकर चलती गाड़ी में उसके बायें कान की सोनी की झुमकी झपटकर पनागर की ओर भाग गये।

▶▶ कुण्डम क्षेत्र की घटना जांच में जुटी पुलिस

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कुण्डम थाने में ग्राम तिलसानी एक युवक द्वारा फांसी लगा लिये जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस को 45 वर्षीय मानसिंह परस्ते ने बताया कि वह खेती किसानी करता है। उसका 20 वर्षीय बेटा शंकर सिंह परस्ते दिनांक 27 जून को रात 10 बजे घर पर था, जब उनकी अगले दिन नींद खुली तब देखा की लडका घर पर नही था, उसका मोबाईल भी बंद था। सुबह गॉव के बाहर गया तो देखा कि बालाजी प्लांट के पीछे सागौन के पेड की डाल में रस्सी से फांसी लगाकर उसने आत्महत्या कर ली ।

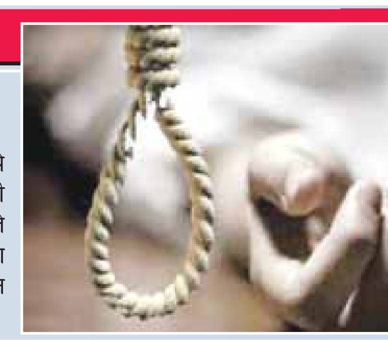

साइबर ठगों के बड़े मददगार गिरोह का भंडाफोड़, यूपी, राजस्थान तक जुड़ी चेन

10 एटीएम कार्ड और भारी कैश के साथ आरोपी गिरफ्तार, बेलबाग थाने का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

साइबर ठगी के लिए लोगों के बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम कार्ड और बैंकिंग जानकारी बेचने वाले गिरोह के एक सदस्य को बेलबाग थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बैंकों के 10 एटीएम कार्ड, 20 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और बिना नंबर की मोपेड जब्त की गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आधारताल के न्यू कंचनपुर निवासी 31 वर्षीय सौरभ कुमार रजक के रूप में हुई है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

वाहन जांच के दौरान पुलिस ने दबोचा- पुलिस के मुताबिक शनिवार रात बेलबाग तिराहे पर वाहन जांच के दौरान बिना नंबर की मोपेड पर सवार एक युवक संदिग्ध अवस्था में मिला। पूछताछ में वह घबराया हुआ दिखाई दिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एसबीआई, इंडियन ओवरसीज बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया सहित विभिन्न बैंकों के 10 एटीएम कार्ड तथा 20 हजार रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में सौरभ ने बताया कि उसका संपर्क रामपुर की मांडवा बस्ती निवासी रोहित से हुआ था। रोहित अलग-अलग मोबाइल नंबरों से संपर्क कर उसे प्रतिदिन 5 से 10 एटीएम कार्ड उपलब्ध कराता था। उसके निर्देश पर वह कैश डिपॉजिट मशीनों के माध्यम से विभिन्न बैंक खातों में नकदी जमा करता था। बरामद 20 हजार रुपये भी जमा कराने के लिए ही उसे दिए गए थे।

मोबाइल में मिले अहम सुराग

इस दौरान साइबर सेल की जांच में आरोपी के मोबाइल की इंटरनेट मीडिया चैट खंगालने पर नितिन 3333 नाम का संपर्क मिला। चैट में बड़ी संख्या में बारकोड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खातों की जानकारी, लॉगिन आईडी, पासवर्ड और पासबुक से जुड़े दस्तावेज साझा किए जाने के प्रमाण मिले। पूछताछ में सौरभ ने स्वीकार किया कि उसने स्वयं भी बैंक ऑफ इंडिया, मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इक्यूटास बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक में खाते खुलवाए थे। जांच में यह भी सामने आया कि उसने दीपक सोनी और ओंकार चौधरी के बैंक खातों की जानकारी भी इंटरनेट मीडिया के माध्यम से गिरोह तक पहुंचाई थी।

कई प्रदेशों में दर्ज हैं मामले

पुलिस के मुताबिक जिन बैंक खातों का विवरण गिरोह के साथ साझा किया गया, उनसे जुड़े साइबर ठगी के मामले गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में पहले से दर्ज हैं। पकड़े गए आरोपित सौरभ के बैंक खाते से संबंधित शिकायत भी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरपुर क्षेत्र में दर्ज पाई गई है।

पुलिस जांच में सामने आया कि सौरभ रजक, रोहित और नितिन 3333 नाम से संचालित इंटरनेट मीडिया अकाउंट धारक ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत लोगों के बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम कार्ड और बैंकिंग विवरण हासिल किए तथा उन्हें बेचकर अवैध लाभ कमाया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया है। सौरभ को गिरफ्तार कर अन्य फरार आरोपियों और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है।

नियमित रूप से दिया जाए कर्मचारियों का वेतनः हाईकोर्ट

रादुविवि तकनीकी कर्मचारियों को मिली राहत, आदेश जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने रानी दुर्गावती विश्वविद्याल के तकनीकी कर्मचारियों के पक्ष में बड़ा अंतरिम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने साफ तौर पर आदेश दिया है कि रादुविवि प्रशासन के विवादित आदेश के क्रियान्वयन के नाम पर याचिकाकर्ताओं का वेतन नहीं रोका जाएगा।

दरअसल पूरा मामला रादुविवि की तकनीकी सहायक डॉ. विनीता तिवारी और 8 अन्य याचिकाकर्ताओं से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन, सरकार के एक आदेश को चुनौती देते हुए संयुक्त याचिका दायर की थी। इन सभी 9 याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोर्ट में अधिवक्ता विपिन यादव ने पैरवी की और दलील देकर बताया कि विवादित आदेश सभी याचिकाकर्ताओं पर समान रूप से लागू होता है और इससे उनके हितों को नुकसान पहुंच रहा है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जस्टिस विशाल धगत की एकल पीठ ने याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत प्रदान की है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा है कि आगामी सुनवाई तक इन सभी कर्मचारियों का वेतन नहीं रोका जाएगा और उन्हें उनकी वर्तमान सैलरी का भुगतान नियमित रूप से किया जाता रहेगा।

4 सप्ताह में दाखिल करना होगा जवाब- इस सुनवाई के दौरान शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता प्रमोद कुमार चौरसिया उपस्थित रहे। कोर्ट ने सभी प्रतिवादियों (राज्य सरकार व अन्य) को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। इसके लिए याचिकाकर्ताओं को 7 दिनों के भीतर प्रोसेस फीस जमा करनी होगी, और प्रतिवादियों को 4 सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करना होगा। मप्र हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले की अगली सुनवाई के लिए 27 जुलाई से शुरू होने वाले सप्ताह को तय किया है। तब तक के लिए इन कर्मचारियों को एक बड़ी और मानसिक राहत मिल गई है, जिससे उनके घरों में वेतन सुचारू रूप से आता रहेगा।

बुंदेली गीतों की खुशबू से आज महकेगा सैम सीनियर सिटीजन क्लब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सैम सीनियर सिटीजन क्लब द्वारा नगर की जानी-मानी बुंदेली गायिका संगीता ठाकुर का कार्यक्रम आज सोमवार शाम 5 बजे से साउथ एवेन्यू मॉल में सैम सीनियर सिटीजन क्लब द्वारा आयोजित किया गया है। सभी सदस्यों से उपस्थिति का आग्रह संयोजक जादूगर एस के निगम, विंग कमांडर चंदन शर्मा, जसवीर चोपड़ा, रश्मि श्रीवास्तव, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव ने किया है।

एक-एक कर बदमाशों ने घर पर फेंके कई बम, मची दहशत

बरेला थाने का मामला, आरोपियों की तलाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुरानी रंजिश के चलते एक घर पर बम फेंकने का मामला सामने आया है। हमले में घर में काम कर रही सरोज बाई चक्रवर्ती की आंख में चोट आई है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना शनिवार-रविवार की रात लगभग 2 बजे की है। बताया जा रहा है कि

बरेला थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 8 में हुए धमाके इतने जोरदार थे कि घर के दरवाजे और खिड़कियों के कांच टूट गए। इस घटना से इलाके और पीड़ित परिवार में दहशत फैल गई। वारदात के दौरान बाइक पर सवार बदमाश सीसीटीवी में नजर आ रहे हैं। पीड़ित परिवार ने अमन, विशाल और प्रदीप सोनकर पर हमले का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, सरोज चक्रवर्ती के बेटे पवन चक्रवर्ती का इन आरोपियों से पुराना विवाद चल रहा है। जनवरी 2026 में दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज और हिंसक झड़प हुई थी। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

रुक-रुककर मचाई दहशत

बताया जा रहा है कि वारदात के वक्त घर के सभी सदस्य सो रहे थे, सरोज बाई पूजा करने उठी थीं। तभी अचानक धमाके की आवाज आई। सरोज खिड़की के पास पहुंचीं, जहां हमलावरों ने रुक-रुक कर चार बम फेंके थे। एक बम खिड़की के पास गिरा, जिससे उनकी आंखों में बम का धुआं और कुछ कण चले गए। सूचना मिलने पर बरेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले लिया है और फुटेज के आधार पर नामजद आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

341 किलो बिजली के तारों के साथ पकड़ा गया कबाड़ी

बेलखेड़ा में बिजली और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बिजली कंपनी और बेलखेड़ा पुलिस की टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए एक शातिर बिजली तार चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 341 किलोग्राम चोरी के बिजली तार बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों को लगातार शिकायत मिल रही थी कि केवलारी और मनकेड़ी फीडर की 11 केवी लाइन से भारी मात्रा में एल्यूमीनियम कंडक्टर तार चोरी हो रहे हैं। सटीक सूचना के आधार पर, बिजली विभाग की टीम ने बेलखेड़ा पुलिस के साथ मिलकर बेलखेड़ा निवासी जाहिर अली के कबाड़खाने पर औचक दबिश दी। इस बड़ी रेड के दौरान कबाड़खाने से 341 किलोग्राम चोरी का बिजली का तार बरामद किया गया है। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही मुख्य आरोपी जाहिर अली मौके से फरार होने में कामयाब रहा। विभाग के अधिकारियों ने पुलिस की मौजूदगी में बरामद किए गए तार को जब्त कर पंचनामा तैयार कर लिया है। फरार आरोपी के खिलाफ विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 136 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब फरार कबाड़ी की सरगर्मी से तलाश कर रही है, साथ ही इस गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

संगठन को और अधिक सशक्त बनाने कार्यकर्ताओं ने ली शपथ

कांग्रेस सेवादल के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ ध्वज वंदन कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला कांग्रेस सेवादल के ग्रामीण अध्यक्ष शिव नामदेव के संयोजन एवं जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष संजय यादव के मुख्य आतिथ्य में प्रतिमाह आयोजित होने वाला झंडा वंदन एवं प्रभात फेरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रध्वज वंदन के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रभात फेरी निकाली गई, जिसके माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं जनसेवा का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल एवं कांग्रेस संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष संजय यादव, जिला कांग्रेस सेवादल (ग्रामीण) अध्यक्ष शिव नामदेव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नेक नारायण सिंह, राजेश तिवारी, रूपेंद्र पटेल, कौशल्या गोटिया, वीरेंद्र चौबे, राजेश पटेल आदि उपस्थित रहे।

सेवादल ने लिया गांव-गांव तक जाने का संकल्प

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कांग्रेस सेवादल महाकौशल के अंतर्गत संगठन को सशक्त बनाने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक एवं कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष शिव नामदेव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवादल कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता की रक्षा करते हुए संगठन को और अधिक गतिशील बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, आगामी जनसंपर्क अभियानों और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शिव नामदेव ने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसकी एकजुटता और समर्पित कार्यकर्ता हैं। जब सभी जमीनी स्तर पर एकजुट होकर कार्य करते हैं, तो न केवल पार्टी मजबूत होती है बल्कि जनता का विश्वास भी बढ़ता है। इसके साथ ही उन्होंने कटगी के ऐतिहासिक झंडा वंदन के महत्व को भी रेखांकित किया।

सोशल मीडिया पर सामान खरीदने के चक्कर में महिला को लगी लाखों की चपत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ओएलएक्स पर सामान खरीदने के चक्कर में एक महिला साइबर ठगी का शिकार हो गई। जालसाजों ने शातिराना अंदाज में महिला के खाते से 2 लाख 41 हजार रुपये उड़ा लिए। दरअसल यह घटना ग्वारीघाट थाना क्षेत्र से सामने आई है, जहां डिजिटलीकरण बढ़ने के साथ ही साइबर अपराध भी लगातार बढ़ रहे हैं। ग्वारीघाट थाना निरीक्षक केएस बघेल के मुताबिक पीड़िता उर्वशी बागमारे, जो ग्वारीघाट की निवासी हैं, ने हल्क्ष पर एक सामान देखा था। उसे खरीदने के लिए उन्होंने कथित विक्रेता से संपर्क किया।

एक साथ उठा 3 दोस्तों का जनाजा, गमगीन हुआ माहौल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नर्मदा नदी के दद्दा घाट पर हुए दर्दनाक हादसे में सुपाताल के मुजावर मोहल्ले के तीन जिगरी दोस्तों साहिल, साबिर और सोहिल की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। इधर सोमवार को जब तीनों युवकों की अंतिम यात्रा एक साथ निकली, तो माहौल गमगीन हो गया और हर आंख नम दिखाई दी। बताया गया कि तीनों युवक अपने-अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। एक ही हादसे में तीन परिवारों का सहारा छिन जाने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अंतिम संस्कार के दौरान पूरे मुजावर मोहल्ले में मातम पसरा रहा और शोक के कारण कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में गहरा दुख और संवेदना का माहौल है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**